R.N.I. : UPHIN/2012/52437
Website : www.mantrabharat.com
संस्करण : प्रयागराज
वर्ष : 15
अंक : 111
पृष्ठ : 8
मूल्य : 1.00
सोमवार, 29 दिसम्बर, 2025

जुनून है सच लिखने का

मंत्र भारत

हिन्दी दैनिक

डाक पंजीयन संख्या : एल-2/9/रजि0/ए0डी0/119/15-17

प्रयागराज, लखनऊ, ग्वालियर एवं मुम्बई से एक साथ प्रकाशित एवं प्रतापगढ़, कौशाम्बी, भदोही, मिर्जापुर, वाराणसी, आजमगढ़ व गोरखपुर से प्रसारित

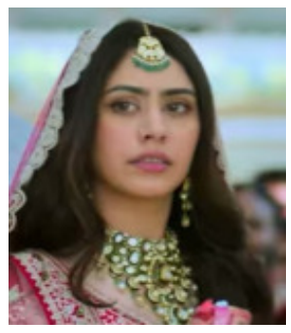

3 मन की बात एपिसोड को लेकर भाजपा कार्यकर्ताओं ... 5 पुलिस लाइन ज्ञानपुर में रिक्रूट आरक्षियों के ... 7 'किस किसको प्यार करूं 2' का बॉक्स ऑफिस ...

मणिपुर में हथियार और गोला-बारूद जब्त, दो लोग गिरफ्तार

इम्फाल **(एजेंसी)**। मणिपुर के इंफाल पूर्व जिले में दो लोगों को गिरफ्तार किया गया और उनके पास से हथियार एवं गोला-बारूद बरामद किए गए। पुलिस ने रविवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि गिरफ्तारियां और बरामदगी शनिवार को की गई।

पुलिस के बयान के अनुसार, 49 वर्षीय रेबांता क्षेत्रीमायुम को पंगई लैरम मापन इलाके में उसके घर से गिरफ्तार किया गया। उसके कब्जे से नौ मिमी पिस्तौल और 18 कारतूस बरामद किए गए।

बयान में बताया कि सुरक्षा बलों ने हाओतान थांगजाम खुनौ इलाके में 30 वर्षीय अरिबाम गुनिंद्रो शर्मा को भी उसके घर से गिरफ्तार किया। उसके कब्जे से विभिन्न कैलिबर के 13 कारतूस और 12-बोर कारतूस के तीन खोल बरामद किए गए।

पालघर में 6.39 लाख रुपये का प्रतिबंधित गुटखा जब्त; दुकानदार गिरफ्तार

मुम्बई **(एजेंसी)**। पालघर जिले में प्रतिबंधित गुटखा उत्पादों का कथित तौर पर भंडारण करने और बेचने के आरोप में एक दुकानदार को गिरफ्तार किया गया है। यह जानकारी एक पुलिस अधिकारी ने रविवार को दी। पेल्हार पुलिस थाने के अधिकारी ने कहा कि दुकानदार को 25 दिसंबर को एक छापे में पकड़ा गया था। उन्होंने कहा, ''जावेद अहमद जहीर उर्फ अहमद अंसारी (38) के पास से 6.39 लाख रुपये का गुटखा जब्त किया गया, जिसे भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) और खाद्य सुरक्षा और मानक अधिनियम के तहत गिरफ्तार किया गया।

अमित शाह ने अरुण जेटली और रतन टाटा को उनकी जयंती पर श्रद्धांजलि दी

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने रविवार को पूर्व केंद्रीय मंत्री अरुण जेटली और प्रसिद्ध उद्योगपति रतन टाटा की जयंती पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। शाह ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में जेटली को एक अद्वितीय संवैधानिक और कानूनी विशेषज्ञ एवं एक उत्कृष्ट वक्ता के रूप में याद किया, जिन्होंने एक सांसद के रूप में एक अमिट विरासत छोड़ी। शाह ने कहा कि जेटली को कई ऐतिहासिक कानूनी मुद्दों में उनके योगदान के लिए याद किया जाएगा। शाह ने कहा, ''अपनी कुशाग्र कानूनी सूझबूझ से पार्टी को मजबूत करने में उनकी समर्पित भूमिका समय की हर कसौटी पर खरी उतरेगी।'' गृहमंत्री ने एक्स पर एक अन्य पोस्ट में कहा कि टाटा ने ईमानदारी और करुणा के साथ भारतीय उद्यम को नया रूप दिया। टाटा को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए शाह ने कहा, ''स्वदेशी उद्योग के निर्माण से लेकर निस्वार्थ परोपकार तक, उन्होंने यह साबित कर दिया कि सच्ची सफलता राष्ट्र की सेवा में निहित है। उनकी विरासत आत्मनिर्भर भारत को प्रेरित करेगी।

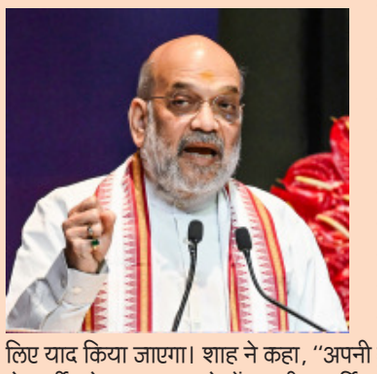

असम में एक करोड़ रुपये से अधिक मूल्य की अफीम और तस्करी की गई सिगरेट जब्त

गुवाहाटी **(एजेंसी)**। असम के कार्बी आंगलोंग जिले में अफीम समेत एक करोड़ रुपये से अधिक मूल्य की प्रतिबंधित सामग्री जब्त की गई है। मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने यह जानकारी दी। शर्मा ने हालांकि यह नहीं बताया कि इस दौरान किसी को गिरफ्तार किया गया या नहीं।

उन्होंने शनिवार को सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर लिखा, ''चाहे आप कार्बी आंगलोंग के 'हाइजेनबर्ग' हों जिसके पास 1.2 करोड़ रुपये कीमत की 19 किलोग्राम अफीम है या आपके पास संदिग्ध रूप से म्यांमा की सिगरेट की 40 पेटियां हैं, असम पुलिस आपको ढूंढ लेगी और पकड़ लेगी।''

उन्होंने 'हाइजेनबर्ग' शब्द का इस्तेमाल अमेरिकी अपराध श्रृंखला 'ब्रेकिंग बैड' के काल्पनिक पात्र वॉल्टर हार्टवेल व्हाइट सीनियर के संदर्भ में किया। मुख्यमंत्री ने कहा, ''नशा तस्करों को बख्शा नहीं जाएगा, हमारी लड़ाई लगातार जारी है।

'युवा शक्ति' के कारण दुनिया भारत की ओर बड़ी उम्मीदों से देख रही है : प्रधानमंत्री मोदी

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को कहा कि विज्ञान, नवाचार और प्रौद्योगिकी के विस्तार के क्षेत्र में भारत की उपलब्धियों ने दुनिया भर के देशों को बहुत प्रभावित किया है और ''युवा शक्ति'' के कारण पूरी दुनिया देश की ओर बड़ी उम्मीदों से देख रही है। मोदी ने अपने मासिक 'मन की बात' संबोधन में कहा, ''आज दुनिया भारत को बहुत आशा के साथ देख रही है। भारत से उम्मीद की सबसे बड़ी वजह है, हमारी युवा शक्ति। विज्ञान के क्षेत्र में हमारी उपलब्धियां, नए-नए नवोन्मेष, प्रौद्योगिकी का विस्तार इनसे दुनियाभर के देश बहुत प्रभावित हैं।''

मोदी ने कहा, ''भारत के युवाओं में हमेशा कुछ नया करने का जुनून है और वो उतने ही जागरूक भी हैं। मेरे युवा साथी कई बार मुझसे यह पूछते हैं कि राष्ट्र निर्माण में वो अपना योगदान और कैसे बढ़ाएं? वो कैसे अपने विचार साझा कर सकते हैं। कई साथी पूछते हैं कि मेरे सामने वो अपने विचार को कैसे प्रस्तुत कर सकते हैं?'' उन्होंने कहा कि ''हमारे युवा साथियों की इस जिज्ञासा का समाधान है 'विकसित भारत यंग लीडर्स डायलॉग'।'' उन्होंने कहा कि पिछले साल इसका पहला संस्करण आयोजित हुआ था और अब कुछ दिन बाद उसका दूसरा संस्करण आयोजित होने वाला है।

उन्होंने कहा, ''अगले महीने की 12 तारीख को स्वामी विवेकानंद जी की जयंती के अवसर पर 'राष्ट्रीय युवा दिवस' मनाया जाएगा। इसी दिन 'यंग लीडर्स डायलॉग' का भी आयोजन होगा और मैं भी इसमें जरूर शामिल होऊंगा। इसमें हमारे युवा नवोन्मेष, फिटनेस, स्टार्टअप और कृषि जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर अपने विचार साझा करेंगे। मैं इस कार्यक्रम को लेकर बहुत ही उत्सुक हूं।'' प्रधानमंत्री ने कहा कि आज देश के भीतर युवाओं को प्रतिभा दिखाने के नए- नए अवसर मिल रहे हैं।

उन्होंने कहा कि ऐसे बहुत से मंच विकसित हो रहे हैं, जहां युवा अपनी योग्यता और रुचि के अनुसार अपनी प्रतिभा दिखा सकते हैं। उन्होंने कहा कि ऐसा ही एक मंच है- 'स्मार्ट इंडिया हैकथॉन', जो एक और ऐसा माध्यम है जहां 'आईडिया, एक्शन' में बदलते हैं। उन्होंने कहा, '''स्मार्ट इंडिया हैकथॉन 2025' का समापन इसी महीने हुआ है। इस हैकथॉन के दौरान 80 से अधिक सरकारी विभागों की 270 से ज्यादा समस्याओं पर छात्रों ने काम किया। छात्रों ने ऐसे समाधान दिए, जो वास्तविक जीवन की चुनौतियों से जुड़े थे। जैसे यातायात की समस्या।''

मोदी ने कहा कि पिछले सात से आठ साल में 'स्मार्ट इंडिया हैकथॉन' में 13 लाख से ज्यादा छात्र और छह हजार से ज्यादा संस्थान हिस्सा ले चुके हैं। उन्होंने कहा कि युवाओं ने सैंकड़ों समस्याओं के सटीक समाधान भी दिए हैं। उन्होंने युवाओं से अपील की कि वे समय समय पर इस तरह के हैकथॉन का हिस्सा जरूर बनें। प्रधानमंत्री ने कहा कि युवाओं ने वित्तीय धोखाधड़ी और 'डिजिटल अरेस्ट' जैसी चुनौतियों के समाधान पर भी अपने विचार सामने रखे। उन्होंने कहा कि युवाओं ने गांवों में डिजिटल बैंकिंग के लिए साइबर सुरक्षा की रूपरेखा पर सुझाव दिये। उन्होंने कहा कि कई युवा कृषि क्षेत्र की चुनौतियों के समाधान में जुटे रहे।

आईएनएस वाघशीर में सवार होकर समंदर की गहराई में पहुंचीं राष्ट्रपति मुर्मू, नौसेना की ताकत का जायजा लिया

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने रविवार को कर्नाटक के कारवार नौसैनिक अड्डे पर 'कलवरी' क्लास की पनडुब्बी आईएनएस वाघशीर में सवार होकर समुद्र के भीतर यात्रा की। भारतीय सशस्त्र बलों की सुप्रीम कमांडर के तौर पर राष्ट्रपति ने नौसेना की ताकत और परिचालन क्षमताओं का जायजा लिया।

इस विशेष यात्रा के दौरान नौसेना प्रमुख एडमिरल दिनेश के त्रिपाठी भी राष्ट्रपति के साथ पनडुब्बी में मौजूद रहे।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के लिए किसी पनडुब्बी में यह पहली यात्रा है। वह 'कलवरी' क्लास की पनडुब्बी में सवार होने वाली देश की पहली राष्ट्रपति बन गई हैं। भारतीय इतिहास में यह केवल दूसरा अवसर है जब किसी राष्ट्रपति ने पनडुब्बी में यात्रा की है। उनसे पहले मिसाइल मैन और पूर्व राष्ट्रपति एपीजे अब्दुल कलाम ने पनडुब्बी में सफर किया था। बता दें, यह यात्रा भारतीय नौसेना के आधुनिकीकरण और समुद्री सीमाओं की सुरक्षा में उनकी भूमिका को सम्मानित करने के उद्देश्य से की गई है।

उत्तर प्रदेश का कानून-व्यवस्था मॉडल बना अन्य राज्यों के लिए मिसाल : मुख्यमंत्री

लखनऊ **(एजेंसी)**। प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को कहा कि राज्य का कानून-व्यवस्था मॉडल अब अन्य राज्यों के लिए एक उदाहरण बन गया है और इस बात पर बल दिया कि सुरक्षा की भावना व कानून के शासन ने राज्य में निवेश तथा बुनियादी ढांचे के विकास को तेजी से आगे बढ़ाया है।

पुलिस मुख्यालय में आयोजित दो दिवसीय 'पुलिस मंथन' सम्मेलन के समापन समारोह को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा, 'हमने उत्तर प्रदेश में यह दिखाया है कि (बेहतर कानून-व्यवस्था से) क्या हासिल किया जा सकता है। आज अन्य राज्यों में इसे एक मॉडल के रूप में प्रस्तुत किया जा रहा है। वहां का मीडिया भी कहता है कि 'यूपी मॉडल' आ गया है।'

योगी आदित्यनाथ ने इस बदलाव का श्रेय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के दृष्टिकोण से प्रेरित 'स्मार्ट पुलिसिंग' को दिया और कहा कि सम्मेलन के दौरान तैयार की गई रूपरेखा एक महत्वपूर्ण नीतिगत दस्तावेज के रूप में काम करेगी। एक्सप्रेसवे, हवाई संपर्क और रेल नेटवर्क का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा, 'अगर सुरक्षा नहीं होती, तो बुनियादी ढांचे का विकास इस गति से संभव नहीं होता।'

मुख्यमंत्री ने सम्मेलन के दौरान उत्तर प्रदेश पुलिस की प्रस्तुतियों की सराहना करते हुए कहा, 'दो दिन अधिकारियों ने अपने समय और विषय का अनुशासन बनाए रखा। इसे आप ऐसे भी कह सकते हैं कि उत्तर प्रदेश पुलिस समय के प्रति प्रतिबद्ध है।' उन्होंने कहा कि पिछले साढ़े आठ वर्षों में उत्तर प्रदेश को लेकर जनता की धारणा में बड़ा बदलाव आया है।

उन्होंने कहा, 'आज लोग यह स्वीकार करते हैं कि प्रदेश में परिवर्तन हुआ है। सुरक्षा और कानून के शासन के कारण निवेश बढ़ा है। संवाद आधारित और जन-केंद्रित पुलिसिंग पर जोर देते हुए मुख्यमंत्री ने कहा, 'मानवीय बुद्धिमत्ता हमारा सबसे बड़ा हथियार है।' उन्होंने पुलिस अधिकारियों से नागरिकों और निर्वाचित जनप्रतिनिधियों के साथ बेहतर संवाद और जुड़ाव बढ़ाने का आग्रह किया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को लखनऊ में वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों के दो दिवसीय सम्मेलन 'पुलिस मंथन' का उद्घाटन किया था।

इस सम्मेलन का उद्देश्य साइबर अपराध, मानव तस्करी और सोशल मीडिया से जुड़े उभरते मुद्दों जैसी प्रमुख पुलिसिंग चुनौतियों पर विचार-विमर्श करना था। पुलिस अधिकारियों के अनुसार, सम्मेलन में 11 विषयगत सत्र आयोजित किए गए, जिनका मकसद उत्तर प्रदेश में पुलिसिंग की रणनीतिक प्राथमिकताओं और भविष्य की रूपरेखा को आकार देना था।

अब पासपोर्ट ऑफिस की तरह काम करेंगे ईपीएफओ दफ्तर

खत्म हुआ चक्कर काटने का झंझट

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। सरकार ने पीएफ खाताधारकों के लिए एक बड़ा फैसला लिया है। अब देश के ईपीएफओ कार्यालयों को 'सिंगल विंडो सर्विस' सेंटर में बदल दिया जाएगा। इस बदलाव से खाताधारकों को काफी राहत मिलने वाली है। पहले पीएफ खाताधारकों को किसी भी समस्या का समाधान कराने के लिए अपने क्षेत्रीय कार्यालयों के चक्कर लगाने पड़ते थे, लेकिन अब वे किसी भी रीजनल ऑफिस में जाकर अपनी समस्याओं का समाधान करा सकेंगे।

केंद्रीय मंत्री मनसुख मांडविया ने ईपीएफओ के भविष्य निधि भवन के उद्घाटन के समय इस योजना की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि ईपीएफओ के दफ्तरों को पासपोर्ट कार्यालयों की तर्ज पर बदला जाएगा और वहां सिंगल विंडो सिस्टम शुरू किया जाएगा। इसके लिए दिल्ली में इसका पायलट ट्रायल भी शुरू किया जा चुका है। पहले नियम के अनुसार, खाताधारकों को किसी भी प्रकार की समस्या होने पर सिर्फ उसी क्षेत्रीय कार्यालय में जाना होता था, जिसके अंतर्गत उनका संस्थान आता था। इस कारण लोगों को समय और पैसे की हानि होती थी।

अब सब कुछ डिजिटल सिस्टम के माध्यम से होगा। खाताधारक अब अपने पास के किसी भी ईपीएफओ कार्यालय में जाकर सभी काम और समस्याओं का समाधान आसानी से कर पाएंगे। जिन कर्मचारियों को डिजिटल सिस्टम में काम करने में दिक्कत आती है, उनके लिए ईपीएफ सुविधा प्रोवाइडर का नया मैकेनिज्म लॉन्च किया जाएगा। ये सुविधा प्रोवाइडर क्लेम्स के निपटारे में मदद करेंगे और डिजिटल प्रक्रिया में पुल का काम करेंगे।

केंद्रीय मंत्री मनसुख मांडविया ने कहा कि 2014 में केवल 19 प्रतिशत लोगों को सोशल सिक्योरिटी मिली थी, जबकि अब यह आंकड़ा बढ़कर 64 प्रतिशत हो गया है। उन्होंने यह भी कहा कि चीन के बाद भारत दुनिया का सबसे बड़ा देश है, जहां 94 प्रतिशत लोग किसी न किसी रूप में सामाजिक सुरक्षा के दायरे में आते हैं।

नयी परिभाषा से अरावली और अन्य छोटी पहाड़ियां नष्ट हो जाएंगी : जयराम रमेश

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। अरावली पर्वतमाला को पुनः परिभाषित किए जाने को लेकर जारी विवाद के बीच कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने पर्यावरण मंत्री भूपेंद्र यादव से रविवार को चार सवाल पूछे और दावा किया कि इस कदम से अरावली सहित कई छोटी पहाड़िया और अन्य भू आकृतियां नष्ट हो जाएंगी। यादव को लिखे पत्र में कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने कहा कि अरावली पहाड़ियों की पुनर्परिको लेकर व्यापक चिंताएं होना स्वाभाविक है, क्योंकि इसके तहत इन्हें 100 मीटर या उससे अधिक की ऊंचाई वाले भू-आकृतियों तक सीमित कर दिया गया है।

उन्होंने कहा, ''इस संदर्भ में कृपया मुझे आपके विचारार्थ चार विशिष्ट प्रश्न पूछने की अनुमति दें। पहला प्रश्न- क्या यह तथ्य नहीं है कि राजस्थान में 2012 से अरावली पहाड़ियों और पर्वतमालाओं की परि28 अगस्त 2010 की भारतीय वन सर्वेक्षण की रिपोर्ट पर आधारित रही है, जिसमें निम्नलिखित बातें कही गई हैं: सभी इलाके जिनका ढलान तीन डिग्री या उससे अधिक है, उन्हें पहाड़ियों के रूप में निरूपित किया जाएगा।''

रमेश ने कहा, ''इसके साथ ही ढलान की दिशा में एक समान 100 मीटर चौड़ा बफर जोड़ा जाएगा, ताकि 20 मीटर ऊंचाई की पहाड़ी के अनुरूप संभावित विस्तार को ध्यान में रखा जा सके, जो 20 मीटर के 'कंटूर इंटरवल' (समोच्च अंतराल) के बराबर है। इन निरूपित क्षेत्रों के भीतर आने वाले समतल इलाके, गड्ढे और घाटियों भी पहाड़ियों का हिस्सा मानी जाएंगी।''

उन्होंने दूसरा सवाल किया कि क्या यह सच नहीं है कि भारतीय वन सर्वेक्षण ने 20 सितंबर 2025 को पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय को भेजे गए अपने एक पत्र में यह कहा था- ''अरावली की छोटी पहाड़ी संरचनाएं मरुस्थलीकरण के खिलाफ प्राकृतिक अवरोध के रूप में काम करती हैं, क्योंकि वे भारी रेत कणों को रोकती हैं-इस प्रकार दिल्ली और आसपास के मैदानी इलाको को रेत के तूफानों से बचाती हैं।''

रमेश ने कहा, ''चूंकि हवा के साथ उड़ने वाली रेत के विरुद्ध किसी अवरोध की सुरक्षा क्षमता सीधे उसकी ऊंचाई के अनुपात में बढ़ती है, इसलिए 10 से 30 मीटर ऊंचाई वाली मामूली पहाड़ियां भी मजबूत प्राकृतिक हवा अवरोधकों के रूप में काम करती हैं।''

उन्होंने कहा, ''तीसरा सवाल- क्या यह तथ्य नहीं है कि उच्चतम न्यायालय द्वारा गठित केंद्रीय अधिकार प्राप्त समिति (सीईसी) ने अपनी सात नवंबर 2025 की रिपोर्ट में यह निष्कर्ष निकाला था कि राजस्थान में 164 खनन पट्टे उस समय प्रचलित भारतीय वन सर्वेक्षण की परिके अनुसार अरावली पहाड़ियों और पर्वतमालाओं के अंदर स्थित थीं?''

रमेश ने कहा, ''चौथा सवाल- क्या यह सच नहीं है कि इस नयी परिसे कई छोटी पहाड़ियां और अन्य भू-आकृतियां नष्ट हो जाएंगी और चार राज्यों में फैली पूरी अरावली पहाड़ियों एवं पर्वतमालाओं की भौगोलिक और पारिस्थितिक अखंडता टूटकर खत्म हो जाएगी?''

विपक्षी कांग्रेस का दावा है कि अरावली पर्वतमाला की नयी परिके तहत 90 प्रतिशत से अधिक भाग संरक्षित नहीं रहेगा और खनन एवं अन्य गतिविधियों के लिए खुल जाएगा। इस मुद्दे पर विवाद के बाद केंद्र ने राज्यों को निर्देश जारी कर पर्वत श्रृंखला के भीतर नए खनन पट्टे देने पर पूर्ण प्रतिबंध लगाने को कहा है।

थरूर ने किया दिग्विजय सिंह का समर्थन कांग्रेस में 'बड़े सुधारों' की वकालत की

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। कांग्रेस नेता दिग्विजय सिंह द्वारा आरएसएस की कार्यशैली की तारीफ करने के बाद शुरू हुआ विवाद खत्म होने का नाम नहीं ले रहा है। अब पार्टी के एक और दिग्गज नेता और सांसद शशि थरूर, दिग्विजय सिंह के समर्थन में उतर आए हैं। थरूर ने न केवल सिंह का बचाव किया, बल्कि कांग्रेस में बड़े सुधारों की जरूरत पर भी जोर दिया है। कांग्रेस के 140वें स्थापना दिवस के अवसर पर मीडिया से बात करते हुए शशि थरूर ने कहा कि दिग्विजय सिंह और उनके बीच बातचीत होना स्वाभाविक है क्योंकि वे अच्छे दोस्त हैं। थरूर ने सिंह की उस मांग का समर्थन किया जिसमें उन्होंने पार्टी को जमीनी स्तर पर मजबूत करने की बात कही थी। थरूर ने पत्रकारों से कहा, 'संगठन को मजबूत किया जाना चाहिए, इसमें कोई सवाल ही नहीं है। हमारा 140 साल का गौरवशाली इतिहास है और हम इससे बहुत कुछ सीख सकते हैं।' उन्होंने पार्टी के अंदर अनुशासन की कमी पर भी इशारा किया और कहा कि किसी भी संस्था के लिए लॉजिक और अनुशासन बेहद जरूरी है। यह पूरा विवाद तब शुरू हुआ जब दिग्विजय सिंह ने सोशल मीडिया पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की एक पुरानी तस्वीर साझा की, जिसमें वे लालकृष्ण आडवाणी के पास नीचे जमीन पर बैठे हैं। सिंह ने इस पोस्ट के जरिए यह संदेश दिया था कि बीजेपी-आरएसएस में एक साधारण कार्यकर्ता भी प्रधानमंत्री के पद तक पहुंच सकता है। हालांकि, सिंह ने बाद में स्पष्ट किया कि वे आरएसएस की विचारधारा के खिलाफ हैं, लेकिन उनके इस बयान ने कांग्रेस के भीतर एक नई बहस छेड़ दी है। खड़गे, पवन खेड़ा और सुप्रिया श्रीनेत जैसे नेताओं ने सिंह के विचारों से असहमति जताई है, जबकि थरूर और सलमान खुर्शीद जैसे नेता उनके विश्लेषण को संगठन के लिए एक सीख मान रहे हैं।

सनातनी हर्षा रिछारिया भरवारी में आयोजित कार्यक्रम में हुई शामिल

मंत्र भारत संवाददाता

कौशाम्बी। जिले के भरवारी कस्बे में राष्ट्रीय जन उद्योग व्यापार संगठन के बैनर तले आयोजित कार्यक्रम में शामिल होने के लिए शक्ति सृजन एक यात्रा अभियान के तहत सनातन धर्म की प्रचारक हर्षा रिछारिया पहुंची।जहा उनका जोरदार स्वागत एवं अभिनंदन किया गया।

ज्ञात हो कि सनातन धर्म प्रचारक हर्षा रिछारिया ने कार्यक्रम में मौजूद लोगों,युवाओं एवं महिलाओं से शसक्त बनने के लिए सनातन धर्म के साथ जुड़ने केअपील की। उन्होंने कहा कि नारी शक्ति एक बार शसक्त बन जाए तो सनातन का विरोध करने वाले समाप्त हो जाएंगे।

प्रधानमंत्री ने 'महाकुंभ 2025' को राष्ट्रीय चेतना का प्रतीक बताया

प्रधानमंत्री का यह संदेश 'विकसित भारत' के संकल्प के साथ आगे बढ़ने की प्रेरणा देता है-नन्दी

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश सरकार के औद्योगिक विकास मंत्री नन्द गोपाल गुप्ता नन्दी ने रविवार को प्रयागराज शहर दक्षिणी विधानसभा क्षेत्र के नैनी मंडल में बूथ संख्या 362 डांडी ढाल शिव मंदिर गंगोत्रीनगर नैनी में पार्टी पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं के साथ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रेरणादायी 'मन की बात' कार्यक्रम के 125वें संस्करण को सुना।

मंत्री नन्दी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विचार हमें सकारात्मक सोच, सेवा भाव और देशहित में निरंतर कार्य करने की प्रेरणा देते हैं। प्रधानमंत्री ने मन की बात में देश की ऐतिहासिक उपलब्धियों, 'ऑपरेशन सिंदूर' की सफलता और 'वंदे मातरम्' के 150वें वर्ष के गौरवशाली प्रसंगों को साझा कर सभी में नवीन ऊर्जा, आत्मविश्वास और राष्ट्रभाव का संचार किया है।

मन की बात' केवल एक कार्यक्रम नहीं, बल्कि जन-जन से संवाद का सशक्त माध्यम है, जो हमें सकारात्मक सोच और देश के प्रति दायित्व का बोध कराता है।

प्रधानमंत्री ने वर्ष 2025 में देश की उपलब्धियों को रेखांकित करते हुए बताया कि भारत ने सुरक्षा, खेल, विज्ञान और संस्कृति के क्षेत्रों में वैश्विक मंच पर सशक्त उपस्थिति दर्ज की।

'ऑपरेशन सिंदूर' का उल्लेख करते हुए उन्होंने इसे राष्ट्रीय संकल्प, एकता और जनभागीदारी का प्रतीक बताया। खेल जगत की ऐतिहासिक सफलताओं, विशेष रूप से पुरुष एवं महिला क्रिकेट टीमों की उपलब्धियों तथा पैरा-एथलीटों के प्रदर्शन की सराहना की।

विज्ञान और अंतरिक्ष क्षेत्र में भारत की प्रगति का उल्लेख करते हुए अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन तक भारतीय अंतरिक्ष यात्री की उपलब्धि और पर्यावरण संरक्षण के प्रयासों की चर्चा की।

भारतीय संस्कृति, आस्था और परंपराओं की वैश्विक पहचान पर बल देते हुए प्रयागराज महाकुंभ और अयोध्या राम मंदिर से जुड़े आयोजनों को राष्ट्रीय चेतना का प्रतीक बताया।

मंत्री नन्दी ने कहा कि प्रधानमंत्री का यह संदेश सभी को सकारात्मक सोच, राष्ट्रप्रेम और 'विकसित भारत' के संकल्प के साथ आगे बढ़ने की प्रेरणा देता है। इस अवसर पर पूर्व मंत्री बाबूलाल भौरा, पूर्व महानगर अध्यक्ष रणजीत सिंह, ज्ञानेश्वर शुक्ला, नर सिंह, भाजपा महानगर उपाध्यक्ष अनिल केशरवानी झल्लर, बृजेश भारतीय, ओम प्रकाश मिश्र, दिनेश सिंह, युवराज सिंह, महेश भारतीय, शक्ति केंद्र संयोजक श्याम लाल यादव, प्रेम नारायण भारतीय, रवि रावत, बूथ अध्यक्ष दिनेश विश्वकर्मा आदि पदाधिकारीगण मौजूद रहे।

किसानो की खुशहाली और जनकल्याण के लिए आजीवन जमीनी संघर्ष जारी रहेगा : अजय सोनी

मंत्र भारत संवाददाता

कौशाम्बी। जिले में समर्थ किसान पार्टी के नेता एवं जिला पंचायत सदस्य अजय सोनी द्वारा किसानो के हित मे किए जा रहे लगातार सक्रिय प्रयास और संघर्ष से प्रभावित होकर किसानों ने उन्हें सम्मानित किया। इस अवसर पर अजय सोनी ने किसानो की खुशहाली और जनकल्याण के लिए आजीवन संघर्ष करने का संकल्प दोहराया। सिराथू ब्लॉक के ग्राम उदहिन खुर्द स्थित साधन सहकारी समिति में रविवार को किसानो की बैठक हुई। बैठक में शामिल होने पहुंचे किसान नेता एवं जिला पंचायत सदस्य अजय सोनी को इस अवसर पर किसानो ने माल्यार्पण कर एवं लड्डू खिलाकर सम्मानित किया। किसानो का कहना था कि अजय सोनी के द्वारा लगातार संघर्ष करने और हमारी समस्याओं के निराकरण कराने से हम लोग स्वतः प्रभावित होकर आज बैठक के माध्यम से अजय सोनी को सम्मानित कर रहे हैं और उनके समर्थन में हमेशा सहयोग करने का हमने फैसला किया है। लोगों का कहना था कि खाद, पानी, बिजली, क्रय केंद्र, पशु चिकित्सा आदि मुद्दों को लेकर अजय सोनी ने जो आवाज उठाने का कार्य किया है, हम उसकी सराहना करते हैं।

2 किलो 430 ग्राम गांजा के साथ 2 अभियुक्त गिरफ्तार

मंत्र भारत संवाददाता

कौशाम्बी। पुलिस अधीक्षक राजेश कुमार के निर्देशन में चलाए जा रहे अपराध-विरोधी अभियान के क्रम में, पश्चिम शरीरा थाना पुलिस टीम ने 27/28 अक्टूबर 2025 की रात में बड़ी सफलता हासिल की है।

मुखबिर की सटीक सूचना के आधार पर, ग्राम टटेरा मार्ग पर दो संदिग्ध व्यक्तियों को रोका गया। तलाशी के दौरान, उनके कब्जे से कुल 2 किलो 430 ग्राम अवैध मादक पदार्थ (गांजा) बरामद हुआ। गिरफ्तार किए गए अभियुक्तों की पहचान सौरभ सेन पुत्र राजेन्द्र कुमार सेन, निवासी ग्राम सोलैनी, थाना पश्चिम शरीरा एवं वीरप्रताप सिंह पुत्र रामचन्द्र सिंह, निवासी ग्राम सोलैनी, थाना पश्चिम शरीरा के रूप में हुई।

दोनों अभियुक्तों को मौके से गिरफ्तार कर लिया गया और उनके खिलाफ मु0अ0सं0 151/2025 धारा 8/20 एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया है।

हादसे का कारण बन सकते हैं ठंड में सड़क पर भटक रहे अन्ना मवेशी

मंत्र भारत संवाददाता

कौशाम्बी। सैनी थाना क्षेत्र के आदर्श नगर पंचायत अजुहा जीटी रोड पर अन्ना गोवंशों की संख्या लगातार बढ़ती जा रही है। कड़ाके की ठंड में यह अन्ना मवेशी हादसे का कारण बन सकते हैं। महकमे के जिम्मेदार अधिकारी हैं कि हाइवे में घूम रहे अन्ना मवेशियों को संरक्षित कराने का नाम ही नहीं ले रहे हैं। राष्ट्रीय राजमार्ग अजुहा में इन दिनों दर्जनों की संख्या में गोवंश सड़क पर घूमते देखे जा रहे हैं। कड़ाके की ठंड में सड़क पर टहलने वाले यह गोवंश दोपहिया-चार पहिया वाहन चालकों की परेशानी का सबब बनन हुए हैं। इतना ही नहीं कभी भी गोवंशों से टकराने के लिए लोगों का जान से भी हाथ धोना बड़ सकता है और गोवंशों की भी जान का खतरा है।

स्थानीय लोगों व राहगीरों का कहना है कि ठंड पड़ने से साथ अब कोहरा भी पढ़ने लगे है। ऐसे में सड़कों पर भटकते इन मवेशियों के कारण दुर्घटनाओं का खतरा बढ़ता जा रहा है। अन्ना मवेशियों को देख रिंकू, विपिन कुमार, अरविंद कुमार, शैलेंद्र सिंह, अरमान खान, वसीम अहमद आदि ने चिंता व्यक्ति किया है कि इन मवेशियों को इस भीषण ठंड में गोशालाओं में होना चाहिए जहां सरकार द्वारा की गई व्यवस्था उन्हें मिल सके। लेकिन अधिकारियों की लापरवाही के कारण यह गोवंश सड़कों पर भटकने को मजबूर हैं।

*जहां-जहां से मवेशियों के सड़क पर सूचना होने की मिल रही है वहां से उन्हें गोशाला भेजवाया जा रहा है। शेष बचे हुए गोवंशों को जल्द ही संरक्षित करा दिया जाएगा। -**रश्मि सिंह, अधिशासी अधिकारी नगर पंचायत***

महिला ने बेटे के खिलाफ दर्ज कराया मुकदमा

कौशाम्बी। कोखराज थाना क्षेत्र के बिसारा की रहने वाली अर्चना श्रीवास्तव ने बताया कि गांव में उसका खेत है, जिसकी वह तनहा मालकिन है। इस खेत को बंटाई पर गांव के ही मजदूर दूखे पुत्र ननका को दे रखा है। पीड़िता की मानें तो 24 दिसंबर को उसके छोटे बेटे आकाश श्रीवास्तव ने बंटाईदार व उसके परिवारीजनों को गाली-गलौज किया। खेत की ओर जाने पर जानलेवा धमकी दी। आरोपी ने पीड़िता को भी हत्या की धमकी दी। मामले की शिकायत पर मुकदमा कायम कर पुलिस ने जांच शुरू कर दी है।

पुलिस व एसएसबी की संयुक्त टीम द्वारा बॉर्डर पर यूरिया खाद बरामद कर कस्टम के किया हवाले

मंत्र भारत संवाददाता

सिद्धार्थनगर। जिले के पुलिस अधीक्षक डॉ अभिषेक महाजन के आदेश पर एवं प्रशान्त कुमार प्रसाद, अपर पुलिस अधीक्षक के निर्देशन व विश्वजीत सौरयान क्षेत्राधिकारी सदर के कुशल पर्यवेक्षण में जितेन्द्र सिंह थानाध्यक्ष मोहाना के नेतृत्व में अपराध एवं अपराधियों व रोकथाम तस्करी के विरुद्ध चलाये जा रहे अभियान के तहत थाना मोहाना पुलिस व एसएसबी की संयुक्त टीम द्वारा 10 बोरी यूरिया खाद, व 02 साईकिल को सीमा स्तम्भ संख्या 544/1 में चेकिंग के दौरान बरामद किया गया बरामद सामान को अग्रिम विधिक कार्यवाही हेतु उ0नि0 राम कुमार एसएसबी व आ?क्षी पिंटू सरोज, अनुराग तिवारी, सहायक उप निरीक्षक सा. रविकांत यादव एएँ ककरहवा कार्यालय ककरहवा भेजा।

राष्ट्रीय विद्यालय प्रबंधक संघ की बैठक के साथ कार्यकारणी का गठन

मंत्र भारत संवाददाता

सिद्धार्थनगर। नगर जिले में पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार मौर्य लाज स्टेशन रोड के पास राष्ट्रीय विद्यालय प्रबंधक संघ की एक आवश्यक बैठक संपन्न हुई। जिसमें जिला के प्रभारी विजय पटेल प्रदेश संगठन मंत्री का स्वागत जिले के प्रबंधको एवं जिलाध्यक्ष शैलेश पांडे द्वारा किया गया। उक्त अवसर पर अपने राष्ट्रीय विद्यालय प्रबंधक संघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ गोस्वामी गौरव भारती एवं वरिष्ठ उपाध्यक्ष राजेश सिंह, वरिष्ठ उपाध्यक्ष सुधाकर नाथ तिवारी, महामंत्री परमानन्द पांडे, विधि सलाहकार श्याम सुंदर पांडे , विश्व विजय मल्ल, प्रदेश मंत्री अमरनाथ पांडे, बलराम यादव आय व्यय निरीक्षक रामावतार चौधरी सह आय व्यय निरीक्षक मनोज कसौधन कार्यकारिनी सदस्य कृष्ण कुमार पाठक अनंत गुप्ता एवं देवरिया जिले के जिलाध्यक्ष प्रकाश पांडे के साथ जिले के कोने-कोने से आए सम्मानित प्रबंधक बंधुओ की उपस्थिति रही। जिला प्रभारी विजय पटेल के सलाह पर जिले में प्रबंधक बंधुओ को विभिन्न दायित्व की घोषणा राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ गोस्वामी गौरव डॉक्टर भारती द्वारा किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ डॉक्टर गोस्वामी गौरव भारती एवं जिला प्रभारी विजय पटेल एवं सम्मानित अतिथियों द्वारा दीप प्रज्ज्वलन कर किया गया। जिला कार्यकारिणी गठन के क्रम में शैलेश पांडे को जिलाध्यक्ष, शैलेश त्रिपाठी को जिला उपाध्यक्ष पाटेश्वरी श्रीवास्तव को वरिष्ठ उपाध्यक्ष विजय पांडे को जिला उपाध्यक्ष अमित पांडे को जिला महामंत्री, आशीष मिश्रा को जिला संयोजक अजय चौधरी को जिला सह संयोजक अनिल चौधरी को जिला प्रवक्ता सुग्रीव यादव को जिला संगठन मंत्री रवि त्रिपाठी को जिला संगठन मंत्री संतोष अग्रहरि को सह आय व्यय निरीक्षक अंबेश उपाध्याय को कोषाध्यक्ष मुबारक खान को आय व्यय निरीक्षक अबरार कयूम को जिला विधि सलाहकार इंद्रदेव पांडे को आय व्यय निरीक्षक सजोसेफ को मीडिया प्रभारी दिलीप जायसवाल को सह मीडिया प्रभारी घोषित किया गया।अंत में जिलाध्यक्ष शैलेश पांडे द्वारा आए हुए अतिथियों एवं सम्मानित प्रबंधक बंधुओ का आभार व्यक्त किया गया।

कांग्रेसियों ने धूमधाम से मनाया पार्टी का स्थापना दिवस

मंत्र भारत संवाददाता

कौशाम्बी। जिले में मंझनपुर स्थित पार्टी कार्यालय में कांग्रेस पार्टी के जिलाध्यक्ष गौरव पाण्डेय के नेतृत्व बड़े धूम धाम के साथ भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस पार्टी का स्थापना दिवस मनाया गया।

ज्ञात हो कि इस मौके पर गौरव पाण्डेय के कहा कि भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के स्थापना दिवस पर उसके ऐतिहासिक योगदान और राष्ट्र निर्माण में निभाई गई, भूमिका को स्मरण करना गर्व का विषय है। इसके बाद जिला संयोजक राजेश साहनी ने बताया कि 28 दिसंबर 1885 को स्थापित, यह एशिया और अफ्रीका में ब्रिटिश साम्राज्य में उभरने वाला पहला आधुनिक राष्ट्रवादी आंदोलन था। 19वीं सदी के अंत से और विशेष रूप से 1920 के बाद, महात्मा गांधी के नेतृत्व में, कांग्रेस भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन की प्रमुख नेता बन गई।

ग्राम प्रधान पर कुल्हाड़ी से हमला, मुकदमा

कौशाम्बी। कोखराज थाना क्षेत्र के एक व्यक्ति ने बताया कि पड़ोसी उसकी बेटी के गायब होने की अफवाह उड़ा रहा था। 25 दिसंबर को प्रधान के साथ घर जाकर उससे इस बाबत पूछताछ की गई। इस दौरान आरोपी उत्तेजित हो गया और अपने दो बेटों व पत्नी के साथ मिलकर गाली-गलौज करने लगा। विरोध करने पर कुल्हाड़ी से हमला कर दिया। इससे प्रधान को चोटें आईं। आरोपी ने हत्या जैसी धमकी भी दी। मामले की शिकायत पर मुकदमा कायम कर पुलिस ने घायल प्रधान का मेडिकल करा दिया है। थाना प्रभारी चंद्रभूषण मौर्य का कहना है कि आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

नाबालिग के अपरहण तथा दुष्कर्म के आरोप में पुलिस ने वांछित एक नफर अभियुक्त को किया गिरफ्तार

सिद्धार्थनगर। जिले के पुलिस अधीक्षक डॉ0 अभिषेक महाजन पुलिस अधीक्षक के आदेश के क्रम में प्रशान्त कुमार प्रसाद अपर पुलिस अधीक्षक के कुशल निर्देशन रोहिनी यादव क्षेत्राधिकारी बाँसी के कुशल पर्यवेक्षण, अनूप कुमार मिश्र थानाध्यक्ष थाना खेसरहा के नेतृत्व में अपराध एवं अपराधियों के विरूद्ध चलाये जा रहे अभियान के तहत आज दिनांक 28.12.2025 को थाना स्थानीय पर पंजीकृत 217/25 धारा 87, 142, 64(2)(ड़), 351(3) बीएनएस व 5/6 व 16/17 पोक्सो एक्ट, 3(2)(5) एससी/एसटी एक्ट से सम्बन्धित वांछित अभियुक्त को मरवटिया मोड़ से असलम पुत्र मो0 हैयुम निवासी छोटा बेलउख को उप निरीक्षक रवि प्रताप सिंह सेंगर, हेड कांस्टेबल धर्मेंद्र कुमार कांस्टेबल ज्ञानेंद्र चौहान की टीम ने गिरफ्तार का न्यायालय भेजा।

सनातन धर्म ही इहलोक व पारलौकिक कल्याण का साधन - स्वामी कृष्ण दास महाराज

सुसंस्कार ही संस्कृति के सच्चे वाहक - स्वामी घनश्याम दास महाराज

सामाजिक समरसता समृद्ध एवं सशक्त राष्ट्र की आधारशिला-डॉ एस तोमर

अपनी संस्कृति पर गर्व करें व स्वदेशी अपनाएँ - प्रमोद कुमार पाण्डेय

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। त्रिवेणीपुरम् स्थित दुर्गा पूजा पार्क में आज हिन्दू समारोह का भव्य आयोजन किया गया । जिसमें स्वामी कृष्ण दास महाराज, स्वामी घनश्याम दास महाराज, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ सके सम्पर्क प्रमुख डॉ प्रमोद कुमार पाण्डेय, आरोग्य भारती के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष डॉ एस तोमर एवं विपणन अधिकारी ओम प्रकाश उपस्थित रहे । दिन भर चले इस आयोजन का प्रारम्भ हृदय नारायण शुक्ला के सहयोग से सुन्दर काण्ड के पाठ के साथ हुआ । इसके बाद संकटमोचन पार्क स्थित मंदिर की साधिकाओं द्वारा भजन कीर्तन हुए । इसके उपरान्त माँ भारती एवं शिवामहाराज के चित्रों पर पुष्पांजलि व दीप प्रज्ज्वलन कर बौद्धिक सत्र का आयोजन हुआ । इस अवसर पर स्वामी कृष्ण दास महाराज ने अपने जोश पूर्ण उद्बोधन में हिन्दू समाज को एकजुट होने एवं सनातन संस्कृति को संरक्षित करने का आह्वान किया । स्वामी घनश्याम दास महाराज ने संस्कारवान संतति को सनातन संस्कृति के संरक्षण के लिए आवश्यक बताया । आरोग्य भारती के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष डॉ एस तोमर ने विकसित भारत के निर्माण के लिए पंच परिवर्तन को अत्यावश्यक बताया । उन्होंने सामाजिक समरसता को समृद्ध एवं सशक्त राष्ट्र की आधारशिला बताते हुए कुटुम्ब प्रबोधन को संस्कारवान समाज के निर्माण का साधन बताया । उन्होंने कहा कि पर्यावरण की चिंता से स्वच्छ एवं स्वस्थ भारत का निर्माण हो सकेगा । डॉ तोमर ने स्व का भान याद दिलाते हुए स्वदेशी वस्तुओं के प्रयोग करने पर बल दिया एवं नागरिक कर्तव्यों को अपने जीवन में उतारने की सलाह दी । अपने संबोधन में संघ के सम्पर्क प्रमुख डॉ प्रमोद कुमार पाण्डेय ने एकता की शक्ति एवं विघटन की कमजोरी को स्पष्ट करते हुए सामाजिक सौहार्द पर बल दिया । उन्होंने छोटे बड़े, ऊँचे नीचे आदि का भेदभाव भुलाकर एकजुट रहने को ही विकास की कुंबताया । विपणन अधिकारी ने भारत भूमि की प्रशंसा करते हुए इसी मिट्टी में शिवाएवं भगत सिंह जैसे अमर शहीदों को जन्म दिया है । इस अवसर पर वन्दे मातरम् एवं भारत माता की आरती भी की गई । कार्यक्रम में प्रो रमेश मिश्रा, लल्लन सिंह, ए के सिंह, हृदय नारायण शुक्ला, सुदर्शन आयुर्वेद केंद्र के राजेन्द्र सिंह, संघ के वरिष्ठ स्वयंसेवक अशोक मिश्रा, डॉ दीपक, संतोष, कौशल, मनीष, पवन आदि उपस्थित रहे । कार्यक्रम का सफलतापूर्वक संचालन संजय कुमार गुप्ता ने किया ।

भीषण ठंड से कल तक जूनियर हाईस्कूल बंद : बीएसए

प्रयागराज। बीएसए अनिल कुमार ने बताया कि जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा द्वारा दिए गए आदेश के अनुक्रम में सभी बोर्डो के जूनियर हाईस्कूल कडाके की ठंढक को दृष्टिगत रखते हुए शिक्षण कार्य सोमवार और मंगलवार को बंद किया जाता है। उन्होंने कहा कि इस दौरान सभी शिक्षक विद्यालय में उपस्थित रहेंगे। बीएसए ने कहा कि इस दौरान अगर किसी विधालय में शिक्षण कार्य होते हुए पाया गया तो संबंधित के खिलाफ सख्त कारवाई होगी।

योगमाता प्रदेश अध्यक्ष, राजीव मिश्र सह संयोजक मनोनीत

25 फरवरी 2026 को भव्य 'हुंकार रैली' होगी प्रयागराज में

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। हनुमत संग की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक आज प्रिया हॉस्पिटल, झलवा, प्रयागराज में हुई। मुख्य अतिथि एसके दुबे थे। राष्ट्रीय कार्यकारिणी के सह संयोजक आनंद श्रीवास्तव एवं संजय कुमार मिश्रा ने अध्यक्षता किया जबकि संचालन संगठन के अध्यक्ष शैलेंद्र पांडेय 'शीलू' ने किया। बैठक का आयोजन डॉ. कौशलेन्द्र द्विवेदी एवं अभिषेक शुक्ला के निर्देशन में हुआ। बैठक में संगठन के आगामी कार्यक्रमों पर विस्तारपूर्वक चर्चा की गई। मुख्य एजेंडा के रूप में 25 फरवरी 2026 को भव्य 'हुंकार रैली' आयोजित करने का प्रस्ताव रखा गया, जिसे सर्वसम्मति से पारित किया गया।

बैठक में योगमाता को प्रदेश अध्यक्ष, वरिष्ठ समाजसेवी राजीव मिश्रा को सह संयोजक मीडिया प्रमुख के महत्वपूर्ण पद प्रदान किए गए। इस अवसर पर संगठन के अध्यक्ष शैलेंद्र पांडेय 'शीलू' ने प्रेरणादायक एवं ऊर्जावान उद्बोधन से कार्यकर्ताओं में नई चेतना और उत्साह का संचार किया। उन्होंने 'जय माँ भवानी' के उद्घोष के साथ संगठन में ऊर्जा और एकजुटता का भाव जागृत किया गया। बैठक में अभिनव त्रिपाठी, चंद्र प्रकाश यादव उर्फ गुड्डू यादव, राजीव कुमार मिश्रा, एसपी श्रीवास्तव, एमसी भद्रा, राजेंद्र उपाध्याय, केशव पाण्डेय, दिनेश यादव, सौरभ यादव, दिलीप कुमार पाण्डेय, प्रदीप सिंह, विनोद मिश्रा, योगेश त्रिपाठी, अलोक मिश्रा, डॉ. संतोष त्रिपाठी, शेष उपाध्याय, अनिल मिश्रा, श्रीमती ऊष्मा मिश्रा, राम प्रकाश तिवारी, जीतेन्द्र निषाद (बजरंगी), अमित श्रीवास्तव, सतीश द्विवेदी, श्रीमती अंजू मिश्रा, राकेश पासी, मनोज यादव सहित अन्य सदस्य एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

बैठक में निर्णय लिया गया कि प्रस्तावित 'हुंकार रैली' संगठन की एकता, राष्ट्रनिष्ठा और धार्मिक समर्पण का प्रतीक होगी। सभी कार्यकर्ताओं ने इस आयोजन को ऐतिहासिक सफलता दिलाने का संकल्प लिया। कार्यक्रम का समापन मुख्य अतिथि एवं अध्यक्षगण के आभार ज्ञापन एवं संगठन की भावी योजनाओं पर मार्गदर्शन के साथ सम्पन्न हुआ।

अटल अटल थे अटल ही रहेंगे

वर्षा फाउंडेशन, संस्कृति मंत्रालय भारत सरकार की ओर से अटल उत्सव कार्यक्रम संपन्न

आकाश, काव्या, आराध्या, स्मिता रिया, नैंसी ने मारी बाजी, सम्मानित

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। वर्षा फाउंडेशन तथा संस्कृति मंत्रालय भारत सरकार की ओर से अटल उत्सव कार्यक्रम का आयोजन जिला पंचायत सभागार में हुआ जिसमें बच्चों के बीच वाद विवाद प्रतियोगिता, निबंध प्रतियोगिता, भाषण प्रतियोगिता, क्विज प्रतियोगिता एवं अटल पर केंद्रित चर्चा एवं परिचर्चा का आयोजन किया गया। क्विज प्रतियोगिता में आकाश ने प्रथम, काव्या ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया। नृत्य प्रतियोगिता में आराध्या ने प्रथम स्थान, भाषण में स्मिता रिया तथा नैंसी ने प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थान प्राप्त किया। अटल पर केंद्रित चर्चा पर चर्चा में इविवि से अंग्रेविभाग में असिस्टेंट प्रो (डॉ) मृत्युंजय राव परमार ने कहा की अटल साहित्य और राजनीति का एक खूबसूरत संगम है जहां उनके साहित्य में जीवन दर्शन एवं जीवन और मृत्यु के बीच का सामंजस्य देखने को मिल सकता है वही उनकी राजनीति से वर्तमान नेताओं को भारत को सुदृढ़ एवं मजबूत बनाने की शैली समझी जा सकती है।

चर्चा एवं परिचर्चा में फूलपुर विधायक दीपक पटेल, फाफामऊ विधायक गुरु प्रसाद मौर्य भी शामिल हुए। मुख्य अतिथि विधायक दीपक पटेल ने अटल के जीवन पर प्रकाश डालते हुए वर्तमान राजनीति में अटल की विचारधारा की प्रासंगिकता पर अपना पक्ष रखा। कार्यक्रम के अंतिम दिवस अखिल भारतीय कवि सम्मेलन का आयोजन किया गया जिसमें डॉ शैलेश गौतम, योगेश चौहान, लवलेश यदुवंशी, शिवम हथगामी, शैलेंद्र मिश्रा ने काव्य पाठ किया।अध्यक्ष का व्यापार हास्य कवि अखिलेश द्विवेदी ने किया। कार्यक्रम में वर्षा मिश्रा अपने फाउंडेशन की ओर से कहा कि अटल की विचारधारा से हम सभी को प्रभावित होना चाहिए और उनके जीवन से हमें सीखना चाहिए। कार्यक्रम में बालकृष्ण पांडे, वर्षा, गोकर्ण, आदित्य यादव, त्रिनेत्र दुबे, जय सिंह आदि लोग उपस्थित थे। संचालन अभिजीत मिश्रा ने किया।

शिवकंदरा धाम में ऐतिहासिक हिंदू सम्मेलन संपन्न, उमड़ा आस्था और एकता का महासागर

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज/सिकंदरा। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के शताब्दी वर्ष के उपलक्ष्य में आयोजित तृतीय कार्यक्रम के अंतर्गत खंड बहरिया में शिवकंदरा धाम पर भव्य हिंदू सम्मेलन का आयोजन अत्यंत श्रद्धा, उत्साह और संगठनात्मक गरिमा के साथ संपन्न हुआ। अजय भास्कर के नेतृत्व में आयोजित इस सम्मेलन ने हिंदू समाज की एकता, सांस्कृतिक चेतना और राष्ट्रीय भावबोध को नई ऊर्जा प्रदान की।

शिवकंदरा धाम की पावन धरती पर हजारों की संख्या में उमड़े हिंदू जनमानस ने सम्मेलन को ऐतिहासिक स्वरूप प्रदान किया। चारों ओर 'सनातन संस्कृति', 'राष्ट्रीय एकता' और 'पंच परिवर्तन' के विचारों की गूंज सुनाई दी।

सम्मेलन के मुख्य वक्ता जिला बौद्धिक प्रमुख शिव कैलाश ने कहा कि हिंदू समाज सदैव भारतीय विरासत की रक्षा करते हुए संपूर्ण विश्व के कल्याण की भावना से प्रेरित रहा है। उन्होंने कहा कि हजारों वर्षों की गुलामी के बावजूद भारत को कोई भी मानसिक रूप से परतंत्र नहीं बना सका, यही हमारी सांस्कृतिक शक्ति का प्रमाण है।

मुख्य अतिथि निर्मला पासवान ने अपने प्रेरक वक्तव्य में कहा कि यह भूमि 'सिकंदरा' नहीं, बल्कि 'शिवकंदरा' है–शिव की भूमि, शिव का केंद्र और आस्था का महापीठ। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि बहुत शीघ्र यह क्षेत्र 'शिवकंदरा धाम' के नाम से विख्यात होगा।

खंड बहरिया के खंड संघ चालक माननीय राकेश पांडे ने इस क्षेत्र को तपोभूमि और वीरों की भूमि बताते हुए कहा कि हिंदू समाज की संगठित शक्ति ही राष्ट्र को सशक्त बनाएगी। सम्मेलन की अध्यक्षता कर रहे राजकुमार पांडे ने कहा कि ऐसे आयोजन समाज और राष्ट्र को सकारात्मक दिशा देने का कार्य करते हैं।

शिवकंदरा धाम स्थित हनुमान मंदिर के पीठाधीश्वर मौनी बाबा ने कहा कि हिंदू सम्मेलन में सहभागी बनना मानव जीवन का सौभाग्य है, यह जीवन को सार्थक करने वाला अवसर है। कार्यक्रम को सफल बनाने में संयोजक सिद्ध राज मिश्रा, शुभम मिश्रा, आशुतोष वेरसरवानी, सहसंयोजक शिवपूजन, त्र्यंबक, कमल राज साहू सहित एमएलसी प्रतिनिधि भूपेंद्र प्रताप सिंह, नवनीत तिवारी, संदीप तिवारी, अनिल मौर्य, पप्पू सोनी एवं बड़ी संख्या में स्वयंसेवकों और कार्यकर्ताओं का उल्लेखनीय योगदान रहा। यह भव्य हिंदू सम्मेलन शिवकंदरा धाम की पहचान को नई ऊंचाइयों तक ले जाने वाला तथा हिंदू समाज की एकता और सांस्कृतिक चेतना का सशक्त संदेश देने वाला सिद्ध हुआ।

विद्यालय हमारे राष्ट्र निर्माण का मंदिर के डीएलसी कान्वेंट स्कूल का वार्षिक महोत्सव का हुआ आयोजन

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। केडीएलसी कान्वेंट स्कूल का वार्षिक महोत्सव का आयोजन रजवाड़ा बैंक्वेट हॉल मीरापुर में आयोजित किया गया इस अवसर पर स्कूल के प्रबंधक दिनेश कनौजिया, प्रधानाचार्य श्रीमती मिताली देवनाथ व्यवस्थापक धीरेन्द्र देवनाथ भाजपा प्रवक्ता राजेश केसरवानी एवं जय शिवसेना के प्रांतीय अध्यक्ष अभिषेक ठाकुर ने उन बच्चों को पुरस्कृत किया गया जिन्होंने गत वर्ष के अंतर्गत स्कूल के द्वारा आयोजित प्रतियोगिताओं में भाग लिया था इस अवसर इस स्कूल के बच्चों के द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति की गई।

इसके पूर्व कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलित करते हुए माता सरस्वती की वंदना और वंदे मातरम गीत के साथ किया गया इस अवसर पर बच्चों को प्रोत्साहित करते हुए भाजपा प्रवक्ता राजेश केसरवानी, डा हरिश्चंद्र मालवीय, प्रांतीय अध्यक्ष जय शिवसेना अभिषेक ठाकुर ने कहा कि विद्यालय हमारे राष्ट्र निर्माण का मंदिर है जहां व्यक्ति से व्यक्तित्व का निर्माण होता है और कहा कि स्कूल के सभी अध्यापक बच्चों को विषय के साथ-साथ संस्कारों से शिक्षित करें तभी इस राष्ट्र का निर्माण संभव है निश्चित रूप से केडीएलसी कान्वेंट स्कूल स्कूल के बच्चों को शिक्षा के साथ-साथ अन्य क्षेत्रों में उनकी प्रतिभा को निखारने का कार्य कर रही है।

इस अवसर प्रिंस निषाद, आयुष निषाद, स्वाती निषाद, दिव्यांशी, अर्पित, विशेष रूप से पुरस्कृत किया गया। इस अवसर आरती कनौजिया, नंदिनी निषाद, आंचल अग्रवाल, आकांशा टंडन, नैंसी साहू, श्वेता श्रीवास्तव विनीता अग्रवाल आदि अध्यापिका और बच्चों के अभिभावक उपस्थित रहे

छोटे - छोटे मतभेद भुलाकर एकजुट हों सनातनी : स्वामी घनश्यामाचार्य

लक्ष्मी नारायण मंदिर अलोपीबाग में चल रही भागवद् कथा

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। व्यासपीठाचार्य मज्जगदगुरु रामानुजाचार्य स्वामी घनश्यामाचार्य महाराज ने लक्ष्मी नारायण मंदिर अलोपीबाग में चल रही भागवद कथा में कहा कि सनातनियों, अब समय आ गया है कि हम अपने छोटे - छोटे मतभेद भुलाकर एकजुट हों। उन्होने कहा कि अगर हमें अपनी संस्कृति, अपनी आस्था और अपने भविष्य को बचाना है, तो हमें अपने बच्चों को सनातन धर्म का सच्चा ज्ञान देना होगा, उन्हें अपनी जड़ों से जोड़ना होगा। याद रखिए अगर आज हम चुप रहे, तो कल आने वाली पीढ़ियाँ हमें माफ नहीं करेंगी। अब नहीं जागे तो बहुत देर हो जाएगी।

स्वामी घनश्यामाचार्य महाराज ने जागो सनातनियो धर्म और देश की रक्षा के लिए एक हो जाओ। उन्होंने कहा कि सनातन धर्म में विवाह केवल एक सामाजिक आयोजन नहीं, बल्कि एक यज्ञ है। यह एक ऐसा पवित्र संस्कार है, जिसे सूर्यास्त से पहले सम्पन्न किया जाना चाहिए। हमारे ऋषि-मुनियों ने सिखाया था कि दिन का प्रकाश देवत्व का प्रतीक है, और रात्रि का अंधकार आसुरी शक्तियों के प्रभाव का समय है। रात्रि में विवाह करना

उन शुभ ऊर्जाओं का अपमान है जो जीवन के इस पवित्र बंधन को आशीर्वाद देती हैं।

स्वामी घनश्यामाचार्य महाराज ने कहा कि घर को हमेशा एक पवित्र स्थल माना गया है। घर में अग्नि को साक्षी मानकर, अपने ही आँगन में, अपने परिजनों और देवताओं की उपस्थिति में विवाह करना सनातन परंपरा की आत्मा है। होटल जैसे स्थान, जहाँ केवल बाहरी दिखावा होता है, वहाँ वह आत्मिक पवित्रता संभव नहीं जो घर के वातावरण में सहज रूप से होती है।

उन्होंने कहा कि आज आवश्यकता है कि हम पुनः अपने सनातन संस्कारों की ओर लौटें। हम अपने बच्चों को यह सिखाएं कि आधुनिकता का मतलब अपनी जड़ों को काटना नहीं होता, बल्कि अपने गौरवशाली अतीत को गर्व से अपनाना होता है। अपने प्रत्येक संस्कार में, हर कार्य में हमें अपनी संस्कृति की महक बनाए रखनी चाहिए, तभी सनातन धर्म अक्षुण्ण रहेगा और हमारी पहचान बनी रहेगी।

स्वामी घनश्यामाचार्य महाराज ने कहा कि सनातन धर्म में गौ माता को विशेष स्थान प्राप्त है। गौ माता केवल एक पशु नहीं हैं, बल्कि हमारे धर्मग्रंथों में उन्हें 'माता' की संज्ञा दी गई है। वह सम्पूर्ण सृष्टि का पालन करने वाली, मानवता को अमृत तुल्य आहार देने वाली और धर्म, अर्थ, काम, मोक्ष के चारों पुरुषार्थों में सहायक मानी गई हैं। गौ सेवा का अर्थ केवल गाय को चारा खिलाना नहीं है, बल्कि उसे प्रेम, सम्मान और सुरक्षा प्रदान करना है। गौ माता की सेवा करना वास्तव में प्रकृति की सेवा करना है, धर्म की सेवा करना है।

मंत्री नन्दी ने बूथ अध्यक्षों के आवास पर की बूथ कमेटी की समीक्षा बैठक

प्रत्येक बूथ पर शत प्रतिशत पात्र मतदाताओं का पंजीकरण सुनिश्चित करता है संगठन का लक्षा : नन्दीं

मतदाता सूची का सत्यापन, संशोधन, नवीन पंजीकरण एवं विलोपन का कार्य पूरी निष्ठा से करने की अपील की

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश सरकार के औद्योगिक विकास मंत्री नन्द गोपाल गुप्ता नन्दी ने रविवार को अपने प्रयागराज शहर दक्षिणी विधानसभा क्षेत्र के कुंचाराय गंगा प्रसाद क्षेत्र में बूथ अध्यक्ष 183 गिरीश मिश्रा, खुशहाल पर्वत में बूथ अध्यक्ष 184 नितिन केसरवानी, बूथ अध्यक्ष 185 अजीत श्रीवास्तव एवं सेक्टर संयोजक महेश त्रिपाठी के आवास पर संगठन के पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं के साथ बैठक कर भारत निर्वाचन आयोग द्वारा कराए जा रहे मतदाता गहन पुनरीक्षण अभियान (एसआईआर) को लेकर बूथ कमेटी के साथ समीक्षा बैठक की। इस दौरान मंत्री नन्दी ने एसआईआर फॉर्म सम्बंधी कार्यों की विस्तृत समीक्षा की। कार्यकर्ताओं एवं पदाधिकारियों से अपील करते हुए कहा कि कोई भी पात्र मतदाता सूची से वंचित न रहे।

मंत्री नन्दीं ने कार्यकर्ताओं एवं पदाधिकारियों के साथ बैठक कर प्रत्येक घर तक पहुंचकर मतदाता सूची का सत्यापन, संशोधन, नवीन पंजीकरण एविलोपन का कार्य पूरी निष्ठा और जिम्मेदारी के साथ करने की अपील की। अभियान में अधिक से अधिक जनसहभागिता सुनिश्चित करने, दस्तावेजों की शुद्धता बनाए रखने तथा निर्धारित समय सीमा के अंदर सत प्रतिशत लक्ष्य प्राप्त करने पर विशेष जोर दिया गया। एसआईआर को महत्वपूर्ण अभियान बतातें हुए कार्यकताओं से प्रत्येक फॉर्म की बारीकी से जांच कराने की अपील की। कहा कि मतदाता सूची परीक्षण का कार्य राष्ट्र प्रथम की भावना से जुड़ा हुआ है। मंत्री नन्दी ने कहा कि संगठन और सरकार का लक्ष्य प्रत्येक बुथ पर शत प्रतिशत पात्र मतदाताओं का पंजीकरण सुनिश्चित करना हैं। इस दौरान मंडल अध्यक्ष सुमित वैश्य, मंडल महामंत्री मनमोहन मिश्रा, बचपन गुप्ता, पार्षद ओपी द्विवेदी, महेश त्रिपाठी, आयुष पांडे, प्रहलाद जायसवाल, इलू अग्रवाल आदि मौजूद रहे।

मन की बात भारत की वैचारिक एकता विविधता और विशेषता का दर्शन कराती है

प्रयागराज। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मन की बात का 129 वां संस्करण महापौर कैंप कार्यालय कीडगंज में आयोजित किया गया इस अवसर पर भाजपा कार्यकर्ताओ ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विचारों को श्रवण किया।

इस अवसर कार्यक्रम के मुख्य वक्ता भाजपा प्रवक्ता राजेश केसरवानी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के द्वारा मन की बात के विचार आज सिर्फ भारत में ही नहीं अफगानिस्तान, बलूचिस्तान, म्यांमार, वर्मा, दक्षिण अफ्रीका, पूर्वी अफ्रीका, नेपाल, श्रीलंका में वहां की प्रचलित भाषा में सुनी जा रही है और 23 करोड़ भारतीय टीवी मोबाइल सोशल मीडिया एवं रेडियो के माध्यम से निरंतर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विचारों को सुन रहे हैं और आत्मसात कर रहे हैं और आगे बताया कि आज की मन की बात में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बीते हुए साल 2025 में भारत की उपलब्धियां की चर्चा की और कहा कि आने वाला वर्ष 2026 भारत अपनी आशा और आकांक्षा पर खरा उतरेगा उन्होंने कहा कि भारत किसी की कृपा के बल पर नहीं बढ़ रहा है अपितु अपनी सामरिक शक्ति और सामूहिक एकता और विचारों के बल पर विकसित भारत के लिए कदम बढ़ा चुका हैं उन्होंने देशवासियों से आग्रह किया कि आने वाले अपने 77 वें गणतंत्र दिवस पर देश की आजादी दिलाने वाले स्वतंत्रता संग्राम सेनानी, क्रांतिकारी, महापुरुषों को हमें याद करना होगा और 12 जनवरी को स्वामी विवेकानंद की जयंती युवा दिवस के रूप में मनाते हुए युवाओं को राष्ट्र के पथ पर चलने मार्गदर्शन देना होगा और विकसित भारत के निर्माण के लिए उन्हें प्रेरित करना होगा।

इस अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने प्रयागराज में 2025 में आयोजित दिव्य भव्य महाकुंभ, ऑपरेशन सिंदूर, भारत की सांस्कृतिक विरासत, कला और कलाकारो का और भारत की बेटियों के द्वारा खेल के क्षेत्र में भारतीय परचम लहराने का जिक्र किया। इस अवसर महानगर उपाध्यक्ष विवेक अग्रवाल, प्रमोद मोदी, टी एन दीक्षित ने अपने विचार व्यक्त किए। कार्यक्रम का संचालन पार्षद मुकेश कसेरा ने किया इस अवसर पर सैकड़ो भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

मन की बात एपिसोड को लेकर भाजपा कार्यकर्ताओं में उत्साह

मंत्र भारत संवाददाता

थरवई। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लोकप्रिय कार्यक्रम मन की बात एपिसोड को सुनने के लिए रविवार को फाफामऊ विधायक गुरु प्रसाद मौर्य एवं भाजपा जिला अध्यक्ष निर्मला पासवान जैतवारडीह मंडल अध्यक्ष महेंद्र गिरी के आवास पर पहुंचे। इस दौरान प्रधानमंत्री के विचारों को सभी ने ध्यानपूर्वक सुना।कार्यक्रम में उपस्थित कार्यकर्ताओं ने प्रधानमंत्री द्वारा देश, समाज और राष्ट्रहित से जुड़े विषयों पर रखे गए विचारों को प्रेरणादायक बताया। विधायक गुरु प्रसाद मौर्य ने कहा कि मन की बात के माध्यम से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जनमानस से सीधे संवाद कर उन्हें सकारात्मक सोच और राष्ट्र निर्माण के लिए प्रेरित करते हैं।इस अवसर पर सुशील महाराज, सुशील मिश्रा, आनंद गिरी, राजेंद्र गिरी, गौतम गिरी सहित बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में कार्यकर्ताओं ने प्रधानमंत्री के संदेशों को जन-जन तक पहुंचाने का संकल्प लिया।

रामकृष्ण मिश्रा बने वरिष्ठ उपाध्यक्ष सदर, दी बधाई

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। उप्र राजस्व निरीक्षक संघ प्रयागराज की बैठक की रामप्रसाद त्रिपाठी जिला अध्यक्ष की अध्यक्षता में तहरील सदर प्रयागराज में आज हुई। अनूप कुमार श्रीवास्तव वरिष्ठ जिला उपाध्यक्ष को मण्डल मंत्री मनोनीत किए जाने के कारण, वरिष्ठ उपाध्यक्ष का पद रिक्त हो गया। इस पर सर्वसम्मति से यह निर्णय लिया गया कि रामकृष्ण मिश्रा को वरिष्ठ जिला उपाध्यक्ष मनोनीत किया गया। उप मंत्री पद पर सेवानिवृत्त हो जाने के कारण सर्व सम्मति से यह निर्णय लिया गया कि इस पर संजीव खरे सोरांव को उप मंत्री पद के मनोनीत किया।18 जनवरी को प्रान्तीय कार्य समिति की बैठक प्रस्तावित है। राजस्व निधि संघ की अन्य समस्या के सम्बन्ध में विचार विमर्श किया गया। बैठक में मण्डल मंत्री अनूप कुमार श्रीवास्तव, जिला अध्यक्ष राम प्रसाद त्रिपाठी, जिला मंत्री विनोद कुमार, कोषाध्यक्ष अनिल कुमार, ऑडीटर संगम लाल शुक्ल, नव मनोनीत जिला वरिष्ठ उपाध्यक्ष रामकृष्ण मिश्र एवं नव मनोनीत उप मंत्री संजीव खरे, कनिष्ठ उपाध्यक्ष रामायण प्रसाद सिंह आदि उपस्थित रहे।

विवाद में युवक की पिटाई, थाने में तहरीर

थरवई (प्रयागराज)। थरवई थाना क्षेत्र के भरथी का पूरा गांव में रविवार दोपहर मामूली विवाद के दौरान एक युवक कीगांव के युवकों ने पिटाई कर दी मारपीट में युवक घायल हो गया। घायल युवक पिंटू भारतीय है।पीड़ित की मां नीता देवी पत्नी लाल बहादुर ने थरवई पुलिस को लिखित तहरीर देकर आरोप लगाया है कि गांव के कुछ लोगों ने विवाद के दौरान उनके बेटे के साथ मारपीट की, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया।

सम्पादकीय

हिंदुओं को क्यों मिल रही है 'दीपू दास जैसा हाल' किए जाने की धमकी, कौन देता है ऐसे विचारों को शक्ति?

बांग्लादेश में दीपू दास नाम के हिंदू युवक की निर्मम और अमानवीय हत्या पर पूरी दुनिया चिंतित है। भारत सरकार हिंदुओं पर हमले को लेकर बांग्लादेश की मोहम्मद युनुस सरकार को चेता चुकी है। भारत ने साफ कहा है कि ऐसी घटनाओं को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। इस बीच उत्तर प्रदेश के बागपत जिले के एक मुस्लिम युवक का वीडियो सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रहा है।

इस युवक ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर आपत्तिजनकर वीडियो पोस्ट किया और हिंदुओं की चेतावनी दी कि वे संभल जाएं अन्यथा बांग्लादेश के दीपू दास जैसा हाल किया जाएगा। वीडियो तुरंत वायरल हो गया। लेकिन यूपी पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए इस युवक को गिरफ्तार कर लिया है। बता दें कि बांग्लादेश में इस्लामिक चरमपंथी भीड़ ने दीपू दास को अमानवीय तरीके से मारकर उसके शरीर को सार्वजनिक रूप से जला दिया था।

सवाल यह है कि उत्तर प्रदेश में तो पूरी तरह शांति और सामाजिक सौहार्द्र बना हुआ है तो फिर इस युवक को यह शक्ति कहां से मिली कि वह बहुसंख्यक हिंदू समुदाय को ऐसी धमकी दे सके? उसे यह भय क्यों नहीं हुआ कि उसके ऐसे वीडियो के बाद उसे तुरंत गिरफ्तार किया जा सकता है? क्या उसे ऐसा लगता है कि राज्य में ऐसी कोई राजनीतिक विचारधारा है जो उसका बचाव करेगी? क्या वह महसूस कर पा रहा था कि एक ऐसी विचारधारा है जो बांग्लादेश में हिंदुओं की निर्मम हत्या पर मौन है? रेहान को पक्का भरोसा क्यों है कि वह विचारधारा उसे आखिरकार बचा लेगी? या फिर वह एक दिन उसे जेल से छुड़ा लेगी? शायद उसके जेहन में ऐसी किसी घटना की याद ताजा है जो शक्ति दे रही थी।

इस विचारधारा को समझना है तो 2012-2013 में तत्कालीन यूपी सरकार के एक फैसले की तरफ देखना चाहिए। तत्कालीन यूपी सरकार ने फैसला किया कि वह 'निर्दोष मुस्लिम युवाओं' पर आतंकवाद के आरोप वापस ले लेगी। सरकार के इस फैसले से इलाहाबाद हाईकोर्ट इतना नाराज हुआ कि उसे यहां तक कहना पड़ा कि 'आज आप इनके खिलाफ केस वापस ले रहे हैं, कल क्या आप इन्हें 'पद्म भूषण' से नवाजेंगे?'

कोर्ट ने सवाल किया कि क्या सरकार का यह कदम आतंकवाद को बढ़ावा नहीं देगा और सरकार यह कैसे तय कर सकती है कि कौन आतंकवादी है और कौन नहीं? कोर्ट ने स्पष्ट किया कि यह फैसला केवल अदालत ही कर सकती है। आखिरकार 12 दिसंबर 2013 को हाईकोर्ट की तीन न्यायाधीशों की बेंच ने फैसला सुनाया कि राज्य सरकार केंद्र की अनुमति के बिना उन मामलों को वापस नहीं ले सकती जो केंद्रीय अधिनियमों के तहत दर्ज हैं।

यह सामान्य मामला नहीं था। क्योंकि सरकार जिन आरोपियों से मुकदमे पास लेना चाहती थी वो 2006 में वाराणसी के संकट मोचन मंदिर में जैसे घातक आतंकी हमले के साजिशकर्ता थे। आम जनता को कोर्ट को धन्यवाद कहना चाहिए क्योंकि वाराणसी आतंकी हमले के मास्टरमाइंड वलीउल्लाह को बाद में मृत्युदंड की सजा मिली। अन्य हमलों के कई आरोपियों को आजीवन कारावास जैसी सजा मिली।

सिर्फ अनुमान ही लगाया जा सकता है कि सामाजिक सौहार्द्र के नाम पर तब की यूपी सरकार क्या करने जा रही थी। अगर न्यायालय ने सख्ती न दिखाई होती तो ये आतंकी खुले में घूम रहे होते और न जाने कितने मासूम नागरिकों की हत्या कर चुके होते। यह पूरे राज्य के लिए खतरनाक साबित हो सकता था।

शायद इसी विचारधारा से बागपत के युवक शक्ति मिलती है कि वह ऐसे नफरती वीडियो इंस्टाग्राम पर पोस्ट कर पाया। बेखौफ। शायद उसे भरोसा है कि राज्य की राजनीति में उसे कितने भी खतरनाक कृत्य के बावजूद बचाने को तत्पर एक विचारधारा मौजूद है।

शायद उसे यह भी लगता हो कि जो विचारधारा कारसेवकों पर गोली चलवा सकती है, वह उसका बचाव करेगी। उसे संभवतः यह यकीन भी होगा कि जो विचारधारा एड़ी-चोटी का जोर लगाकर एंजैसी संवैधानिक प्रक्रिया का विरोध कर रही है, वह जरूर उसे बचा लेगी। उस विचारधारा को फर्क नहीं पड़ता चाहे जितने घुसपैठिए देश की सीमाओं में घुस जाएं। बस वोटबैंक सुरक्षित रहना चाहिए।

लेकिन वह एक बात भूल गया। न्याय की चक्की के अलावा यूपी की वर्तमान सरकार की विचारधारा आतंकवाद और अपराध पर बिल्कुल स्पष्ट है। आतंकी मारे जाएंगे, घुसपैठिए भगाए जाएंगे, संविधान का राज कायम रहेगा। न्याय का राज कायम रहेगा। धर्म के आधार पर पक्षपात अब राज्य में बंद हो चुका है।

अरावली पर्वतश्रृंखला पर जारी सियासत के बीच सजग हुई सरकार से जगी उम्मीदें

दिल्ली-एनसीआर के लिए प्राकृतिक वरदान समझी जाने वाली अरावली पर्वतश्रृंखला पर चल रहे विरोध प्रदर्शनों के दृष्टिगत और प्रस्तावित अरावली सत्याग्रह के बीच केंद्र सरकार ने विभिन्न राज्यों को स्पष्ट निर्देश दिया है कि इस पर्वतमाला क्षेत्र में अब किसी भी प्रकार के नए खनन पट्टे (माइनिंग लीज) जारी न किए जाएं। इससे साफ है कि अरावली पर्वतश्रृंखला पर जारी सियासत के दृष्टिगत केंद्र सरकार अब सजग हो चुकी है और जनहित के मद्देनजर आवश्यक दिशानिर्देश जारी किया है। इससे अरावली पर्वतश्रृंखला में जैव विविधता के संरक्षण की उम्मीद भी बढ़ी है। यदि वाकई ऐसा होता है तो देश की राजधानी नई दिल्ली के लिए यह शुभ कदम होगा। यहां के जल संरक्षण, वायु संरक्षण और पर्यावरण संरक्षण आदि की दिशा में इसके सकारात्मक प्रभाव जल्द दिखेंगे।

पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय ने गत बुधवार को इस बारे में एक नया आदेश जारी किया है, जिसमें स्पष्ट किया हुआ है कि यह प्रतिबंध गुजरात, राजस्थान, हरियाणा और दिल्ली तक फैली पूरी अरावली श्रृंखला पर समान रूप से लागू होगा। मंत्रालय के मुताबिक, यह फैसला अरावली को पर्वतमाला के रूप में सुरक्षित रखने और इसके आसपास चल रहे अवैध खनन पर पूरी तरह से रोक लगाने के मकसद से लिया गया है। लगे हाथ सरकार ने भारतीय वानिकी अनुसंधान और शिक्षा परिषद (छ्र्ई) को यह भी निर्देश दिया है कि वह पूरे अरावली रीजन में ऐसे जोन की पहचान करे, जहां खनन पर पूरी तरह से बैन लगाया जाना चाहिए।

उल्लेखनीय है कि माननीय सुप्रीम कोर्ट ने हाल में कहा था कि आसपास की जमीन से कम से कम 100 मीटर ऊंचे हिस्से को ही अरावली पहाड़ी माना जाएगा। इसप्रकार इस नए मानक से कई ऐसी पहाड़ियों पर खनन का डर पैदा हुआ, जो 100 मीटर से छोटी और झाड़ियों से ढकी हुई है। यही वजह है कि पर्यावरण प्रेमियों ने इसे मुद्दा बना दिया और राजनीतिक दलों के मुखर होने से विरोध तेज हुआ। हालांकि अरावली सत्याग्रह की हवा निकालने के लिये केंद्र सरकार ने समय रहते ही समुचित कदम उठा लिए। साथ ही इसके इर्द-गिर्द पुनः हरियाली वापस लाने के उपाय करने के दिशा-निर्देश जारी किए हैं।

वहीं, केंद्र सरकार ने भारतीय वानिकी अनुसंधान और शिक्षा परिषद को अरावली क्षेत्र में सतत खनन के लिए वैज्ञानिक योजना बनाने का निर्देश दिया है। लिहाजा, यह वैज्ञानिक योजना ही अब देखेगी कि खनन का प्रकृति पर कितना बुरा असर पड़ रहा है और अरावली क्षेत्र कितना भार सह सकता है। जहा खनन हो चुका है, उन क्षेत्रों को फिर से सुधारने और वहां पर हरियाली वापस लाने के उपाय किए जाएंगे। यह दूरदर्शिता भरा कदम है जो सराहनीय है।

पर्यावरण और वन मंत्रालय ने यह भी निर्देश दिया है कि जो खदाने पहले से संचालित है, उनके लिए सुप्रीम कोर्ट के आदेशों के अनुरूप सभी पर्यावरणीय सुरक्षा उपायों का राज्य सख्ती से पालन कराए जाएं। मंत्रालय ने यह भी स्पष्ट किया है कि मौजूदा खनन गतिविधियों को भी कड़े नियमों और अतिरिक्त प्रतिबंधों के तहत कंट्रोल किया जाएगा।

बताते चलें कि अरावली अस्तित्व संकट मुख्य रूप से अवैध खनन और पर्यावरणीय क्षरण से जुड़ा है, जो 1990 के दशक में शुरू हुआ। इस दौरान राजस्थान, हरियाणा और गुजरात में खनन गतिविधियों से पहाड़ियों को भारी नुकसान पहुंचा। अरावली पर्वतमाला में अवैध खनन की शिकायतें 1990 के दशक से बढ़ने लगीं, जब संगमरमर और ग्रेनाइट जैसे खनिजों के दोहन से पर्यावरण, जल संकट और वायु प्रदूषण उभरा।

अलबत्ता 1992 में सुप्रीम कोर्ट ने पहली बार हस्तक्षेप कर कुछ क्षेत्रों में खनन रोका। वहीं 2002 में सेंट्रल एम्पावर्ड कमेटी ने हरियाणा और राजस्थान में पूर्ण खनन प्रतिबंध लगाया। ततपश्चात 2003 का विवादास्पद मर्फी फॉर्मूला लागू हुआ, जिसने 100 मीटर से कम ऊंचाई वाली पहाड़ियों को खनन योग्य घोषित किया। पुनः बढ़ते विरोध के मद्देनजर 2009 में हरियाणा के कई जिलों में स्थायी प्रतिबंध लगा। जहां तक इसे मुद्दे पर हालिया विकास की बात है तो नवंबर 2025 में सुप्रीम कोर्ट ने अरावली की नई परिभाषा (100 मीटर ऊंचाई) मंजूर की, जिससे खनन का खतरा फिर बढ़ गया है। यह थार रेगिस्तान के विस्तार और दिल्ली-एनसीआर के पर्यावरण को प्रभावित कर सकता है।

अरावली में अवैध खनन मुख्य रूप से 1990 के दशक से तेजी से बढ़ा, जब संगमरमर, ग्रेनाइट और चूना पत्थर जैसे खनिजों की मांग बढ़ने लगी। यह राजस्थान, हरियाणा और गुजरात की सीमाओं पर जंगलों के बीच गुप्त सड़कों और रात के अंधेरे में विस्फोटों के जरिए फैला। इसके बढ़ोतरी के कारण खनन माफियाओं ने स्थानीय प्रशासन की मिलीभगत से जंगल काटे, डंपरों के लिए रास्ते बनाए और सप्ताहांतों पर बड़े पैमाने पर ब्लास्टिंग की।

आंकड़े बताते हैं कि 1975 से 2019 तक अरावली की 8इ पहाड़ियां गायब हो चुकीं थीं, जिसमें अवैध खनन की मुख्य भूमिका रही। 2018 तक राजस्थान में 25इ अरावली प्रभावित क्षेत्र नष्ट हो चुका। नूह, चित्तौड़ा जैसे इलाकों से 8 करोड़ मीट्रिक टन से अधिक सामग्री गायब। आलम यह रहा कि सुप्रीम कोर्ट के प्रतिबंधों के बावजूद सरिस्का जैसे संरक्षित क्षेत्रों में जारी। वहीं, हालिया स्थिति यह है कि 2024-2025 में हरियाणा-राजस्थान सीमा पर 30 से अधिक गांवों में खनन माफिया सक्रिय, जिससे धूल भरी आंधियां और दिल्ली-एनसीआर में प्रदूषण बढ़ा। इससे सतर्क हुए एनजीटी ने कई बार जांच के आदेश दिए।

देखा जाए तो अरावली संकट से सबसे ज्यादा प्रभावित जिले राजस्थान, हरियाणा और गुजरात के सीमावर्ती क्षेत्रों में हैं, जहां अवैध खनन ने पहाड़ियों को नष्ट किया। राजस्थान के जिले अलवर, जयपुर, सीकर और उदयपुर जैसे जिले सबसे अधिक प्रभावित हुए, जहां सरिस्का टाइगर रिजर्व के आसपास खनन माफिया सक्रिय रहे। यहां 1990 से 25इ क्षेत्र नष्ट हो चुका। वहीं, हरियाणा के जिले नूह (मेवात), गुरुग्राम, महेंद्रगढ़ और रेवाड़ी में 30 से अधिक गांव खनन से तबाह, धूल भरी आंधियां दिल्ली-एनसीआर तक पहुंचीं। वहीं गुजरात के जिले साबरकांठा और बनासकांठा जिलों में चूना पत्थर खनन से अरावली का बड़ा हिस्सा गायब। कुल मिलाकर, इन जिलों में 1975-2019 तक 8इ पहाड़ियां समाप्त हो चुकीं।

दर्द किसी को मजबूत बनाता है, किसी को तोड़ देता है; किस बात का है फर्क?

मनुष्य का जीवन केवल घटनाओं की श्रृंखला नहीं है, बल्कि अनुभूतियों की एक सतत् और गहन यात्रा है। इस यात्रा में सुख जितना क्षणिक होता है, वेदना उतनी ही गहरी और स्थायी अनुभूति के रूप में सामने आती है। संघर्ष, असफलता, हानि और अपूर्णता- ये सभी जीवन को केवल चुनौती नहीं देते, बल्कि उसके अर्थ पर प्रश्न भी खड़े करते हैं। प्रत्येक अनुभव अपने भीतर वेदना का बीज लिए होता है, लेकिन यह वेदना स्वयं में लक्ष्य नहीं है। उसका वास्तविक मूल्य तभी प्रकट होता है, जब वह चेतना में रूपांतरित हो जाती है।

चेतना वह दृष्टि है, जो वेदना को केवल सहने योग्य नहीं, बल्कि समझने योग्य बनाती है। बिना चेतना के वेदना अंधकार है- दिशाहीन, बोझिल और अर्थहीन। मगर चेतना के स्पर्श से वही वेदना आत्मबोध, विवेक और जीवनदर्शन का स्रोत बन जाती है। इतिहास, दर्शन और मानव अनुभव बार-बार इस सत्य की पुष्टि करते हैं कि केवल पीड़ा से महानता नहीं जन्म लेती, बल्कि पीड़ा को समझने की क्षमता से मनुष्य ऊंचा उठता है। इसी गहन सत्य की अभिव्यक्ति है यह कथन- 'वेदना बगैर चेतना दुर्लभ है।'

दार्शनिक दृष्टि से वेदना केवल पीड़ा नहीं, बल्कि जीवन की गूंज है। वह हमारे भीतर प्रश्न, जिज्ञासा और आत्मनिरीक्षण को जन्म देती है। चेतना ही वह माध्यम है, जो वेदना को साधारण अनुभव से ऊपर उठाकर व्यक्तित्व, विवेक और जीवन दर्शन में रूपांतरित करती है। महात्मा बुद्ध ने जीवन की सार्वभौमिक पीड़ा- जन्म, मृत्यु, रोग और वृद्धावस्था- का साक्षात्कार कर उसे करुणा और आत्म-ज्ञान की चेतना में बदला। इसी प्रकार महर्षि पतंजलि ने चित्त-वृत्तियों के संघर्ष को योगदर्शन में रूपांतरित किया और आदिकवि वाल्मीकि ने अपने जीवन की हिंसा और अवमानना को करुणा तथा काव्य की चेतना में ढाल दिया।

इतिहास में अनेक ऐसे प्रसंग मिलते हैं जहां पराजय, अपमान और कष्ट केवल दुख बनकर नहीं रुके, बल्कि चेतना का स्रोत बने। यूनानी दार्शनिक सुकरात ने मृत्यु-दंड को भी सत्य और विवेक की साधना में बदल दिया। कबीर ने सामाजिक तिरस्कार और उपेक्षा को आत्मबोध तथा निर्भीक वैचारिक चेतना का माध्यम बनाया। इन उदाहरणों से स्पष्ट होता है कि चेतना वेदना से पलायन नहीं सिखाती, बल्कि उसे समझकर पार करने की शक्ति देती है।

जीवन में प्रत्येक चुनौती, असफलता और कठिनाई वेदना का अनुभव कराती है- चाहे वह शारीरिक चोट हो, मानसिक संताप, सामाजिक असमानता या आर्थिक हानि। अगर इन अनुभवों को केवल दुख या शिकायत के रूप में स्वीकार कर लिया जाए, तो वे निरर्थक बोझ बन जाते हैं, लेकिन जब वही अनुभव आत्मचिंतन का कारण बनते हैं, तब वे हमारे दृष्टिकोण, निर्णय और आचरण को परिष्कृत करते हैं। यही वह क्षण होता है, जब वेदना चेतना में रूपांतरित होती है।

चेतना केवल व्यक्तिगत स्तर तक सीमित नहीं रहती, वह सामाजिक और नैतिक दायित्व का रूप भी ग्रहण करती है। इतिहास गवाह है कि जिन समाजों ने अपने सामूहिक दुख को समझा और उसका विवेकपूर्ण विश्लेषण किया, उन्होंने परिवर्तन और पुनर्निर्माण का मार्ग चुना। इसके विपरीत, जहां पीड़ा केवल क्रोध, प्रतिशोध या पलायन में बदल गई, वहां विनाश और विघटन ही परिणाम बना। इस प्रकार चेतना, वेदना को सृजनात्मक शक्ति में रूपांतरित कर देती है।

आखिर में यह स्पष्ट हो जाता है कि वेदना से मुक्त जीवन की

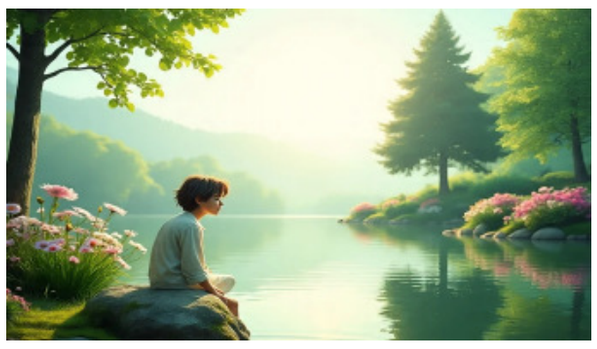

कल्पना अवास्तविक है, लेकिन चेतना-विहीन जीवन निश्चय ही अर्थहीन है। वेदना मनुष्य को तोड़ भी सकती है और गढ़ भी सकती है- यह अंतर केवल चेतना का है। इतिहास के महान व्यक्तित्व, दार्शनिक चिंतक और सामाजिक परिवर्तनकर्ता इसलिए स्मरणीय हैं, क्योंकि उन्होंने अपनी पीड़ा को पलायन या प्रतिशोध में नहीं, बल्कि आत्मबोध, उत्तरदायित्व और करुणा में बदला।

वेदना जब केवल सहन की जाती है, तो वह बोझ बनती है, जब समझी जाती है, तो वही चेतना बन जाती है। यही चेतना मनुष्य को उसके निजी दुख से ऊपर उठाकर सामाजिक संवेदना, नैतिक दृष्टि और मानवीय करुणा से जोड़ती है। बिना चेतना के अनुभव केवल स्मृतियां होते हैं, लेकिन चेतना से युक्त अनुभव इतिहास बन जाते हैं। इसलिए यह कहना अतिशयोक्ति नहीं कि वेदना जीवन की अपरिहार्यता है, पर चेतना उसका उत्कर्ष। चेतना ही वह दीपक है, जो वेदना के अंधकार में अर्थ, दिशा और आशा का प्रकाश भरता है। जब तक मनुष्य वेदना को समझने का साहस नहीं करता, तब तक वह केवल पीड़ित रहता है, लेकिन जिस क्षण वह उसे चेतना में रूपांतरित कर लेता है, उसी क्षण वह सचेत, जाग्रत और पूर्ण मनुष्य बन जाता है।

यही कारण है कि वेदना बगैर चेतना, न केवल दुर्लभ है, बल्कि मानवीय गरिमा और विकास की कसौटी भी है। इस दृष्टि से देखा जाए, तो आधुनिक समय की सबसे बड़ी चुनौती वेदना की अधिकता नहीं, बल्कि चेतना की न्यूनता है। सूचना, गति और उपलब्धियों से भरे इस युग में मनुष्य अनुभव तो बहुत करता है, पर उन्हें आत्मसात करने का अवकाश खोता जा रहा है। परिणामस्वरूप वेदना संचित होती जाती है, लेकिन चेतना में रूपांतरित नहीं हो पाती। ऐसे में आवश्यक है कि व्यक्ति ठहरकर देखे, अनुभवों पर विचार करे और उनसे संवाद स्थापित करे। यही ठहराव, यही आत्मसंवाद वेदना को चेतना में बदलने की प्रक्रिया है, जो मनुष्य को केवल जीवित नहीं, बल्कि जाग्रत बनाती है।

ग्रीन हाइड्रोजन से बदलेगी भारत की ऊर्जा तस्वीर 2047 की दौड़ में सरकार तेज; सेहत पर दिखेगा सीधा असर

केंद्र सरकार ऊर्जा की कमी को पूरा करने के लिए हरित हाइड्रोजन को बढ़ावा दे रही है। सरकार का लक्ष्य है, हर वर्ष 50 लाख टन हरित हाइड्रोजन के जरिए ऊर्जा उत्पादन के क्षेत्र में एक बड़ी उपलब्धि हासिल करना। गौरतलब है हरित हाइड्रोजन उद्योग जिस तरह बड़े पैमाने पर स्थापित हो रहे हैं, ऐसे में उच्च क्षमता वाला बिजली उत्पादन और विभिन्न क्षेत्रों में ऊर्जा की आपूर्ति हासिल करना मुश्किल नहीं होगा।

वर्तमान में वैश्विक हाइड्रोजन आपूर्ति के लिए जो विधि उपयोग में लाई जा रही है, वह सुगम और सस्ती है। मगर वहीं पर हाइड्रोजन ऊर्जा की आपूर्ति के आंकड़े वर्तमान में सीमित हैं, क्योंकि दुनिया में करीबन 96 फीसद हाइड्रोजन हाईड्रोकार्बन से पैदा होती है। इसमें महज तकरीबन चार फीसद बिजली के इलेक्ट्रोलिसिस (विद्युत अपघटन) द्वारा तैयार की जाती है। भारत सरकार चाहती है कि जब तक हर गांव और बाजार-मुहल्ले की ऊर्जा जरूरतें इसके जरिए न पूरी होने लगें, तब तक इसके लिए लगातार कोशिश करते रहना चाहिए। इससे जागरूकता आएगी और लोग हाइड्रोजन ईंधन की महत्ता को भी समझने लगेंगे।

हाइड्रोजन आने वाले वक्त का ऊर्जा आपूर्ति का आधार बनेगा। हरित हाइड्रोजन में कार्बन उत्सर्जन कम करने और ऊर्जा के क्षेत्र में आत्मनिर्भरता हासिल करने की अपार क्षमता है। यह परिवहन और उद्योग में पारंपरिक जीवाश्म ईंधन की जगह ले सकता है, जो ऊर्जा का एक निरंतर और विश्वसनीय स्रोत होगा। कह सकते हैं कि जीवाश्म ईधन में कमी लाने वाला ऊर्जा विकल्प का सबसे बेहतर स्रोत हरित हाइड्रोजन बनने जा रहा है। आने वाले समय में शायद हर क्षेत्र में इसका इस्तेमाल होगा। जिंदगी को अधिक सुगम बनाने के लिए इसका उपयोग समाज के प्रत्येक वर्ग की जिंदगी को प्रभावित करेगा।

उत्तर प्रदेश जैसे कुछ बड़े राज्य स्वच्छ किफायती और टिकाऊ ऊर्जा के लिए बड़े सोलर पार्क, हरित हाइड्रोजन, विकेंद्रीकृत ऊर्जा, और माइक्रो ग्रिड के जरिए ऊर्जा जरूरतों को पूरा करने पर खास जोर दे रहे हैं। राज्य सरकार ने 2047 तक इस लक्ष्य को पूरा करने के लिए विशेषज्ञों के साथ मिल कर आगे की कार्ययोजना तैयार की है। इसी तरह की योजना देश के सभी राज्यों को तैयार करनी होगी, क्योंकि कार्बन-मुक्त ऊर्जा पैदा करने के लिए जैव ऊर्जा सबसे किफायती है। इससे बेहतर दूसरा कोई विकल्प नहीं है। हरित हाइड्रोजन में कई संभावनाएं छिपी हैं।

दरअसल, ऊर्जा क्षेत्र में कमी को पूरा करने के लिए सरकार हरित हाइड्रोजन को बढ़ावा दे रही है। नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय के अनुसार वैश्विक क्षमताओं के बीच भारत को अपने राष्ट्रीय हरित हाइड्रोजन के मिशन के माध्यम से 2030 तक 50 लाख टन (एमएमटी) वार्षिक हरित हरित हाइड्रोजन क्षमता हासिल करने के लिए मेहनत करनी होगी। इसके लिए केंद्र सरकार ने वित्तीय वर्ष 2023-24 से 2030 तक राष्ट्रीय हरित हाइड्रोजन मिशन लागू करने के लिए 19.744 करोड़ का परिव्यय मंजूर कर चुकी है। इससे देशभर में हाइड्रोजन ईंधन को बढ़ावा दिया जाएगा। यह पारंपरिक जीवाश्म ईधन की जगह ले सकता है, जो ग्रीन हाउस गैस उत्सर्जन में महत्त्वपूर्ण योगदान देता है।

हरित हाइड्रोजन पर तीसरे अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में बताया गया कि भारत निर्धारित लक्ष्य हासिल कर लेगा। यह इसलिए महत्त्वपूर्ण है कि 2023 में शुरू किए गए राष्ट्रीय हरित हाइड्रोजन मिशन के तहत भारत ने 2030 तक हरित हाइड्रोजन की वार्षिक उत्पादन क्षमता जोड़ने की वार्षिक उत्पादन क्षमता 50 लाख टन रखी है। इससे यह अनुमान लगाया गया है कि ऊर्जा की कमी जिन क्षेत्रों में दिखाई दे रही है, उन सभी क्षेत्रों में इसका इस्तेमाल करके इस कमी को पूरा किया जा सकता है।

भारत ने वर्ष 2047 तक ऊर्जा क्षेत्र में आत्मनिर्भर होने के लक्ष्य की घोषणा की है। इन लक्ष्यों को हासिल करने की दिशा में हरित हाइड्रोजन महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। इसका उत्पादन कई नजरिए से खास है। पर्यावरणीय मानकों पर यह सबसे खरा उतरता है, क्योंकि हरित हाइड्रोजन का उत्पादन, इलेक्ट्रोलिसिस द्वारा किया जाता है। इस प्रक्रिया में सौर, पवन या जलविद्युत जैसे अक्षय स्रोतों से उत्पन्न बिजली का इस्तेमाल कर पानी को आक्सीजन और हाइड्रोजन में विभाजित किया जाता है। इस प्रक्रिया के परिणामस्वरूप स्वच्छ और उत्सर्जन-मुक्त ईंधन प्राप्त होता है। इसमें जीवाश्म ईंधन को प्रतिस्थापित करने और कार्बन उत्सर्जन को कम करने की अपार क्षमता है।

दुनियाभर में परिवहन, पत्तन और स्टील सहित कई क्षेत्रों को कार्बन-मुक्त करने के लिए हाइड्रोजन की मांग तेजी से बढ़ रही है। विशेषज्ञों के अनुसार भारत में हाइड्रोजन का अकूत भंडार है. जिससे दो सौ वर्ष से ज्यादा समय के लिए जरूरी ऊर्जा के लिए इस्तेमाल किया जा सकता है। सबसे दिलचस्प बात यह है कि हाइड्रोजन का इस्तेमाल नए आविष्कारों के जरिए घरेलू उपयोग के लिए जल्द ही सुलभ हो सकता है। नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता जोड़ने की वार्षिक आवश्यकता के बारे में बताया गया है कि भारत बिजली खरीद या बिक्री समझौतों पर हस्ताक्षर के लिए पहले से ही लंबित 40 गीगावाट क्षमता पर ध्यान केंद्रित करेगा। यह भी बताया गया है कि वर्तमान में कार्यान्वयन के विभिन्न चरणों में 160 गीगावाट की नवीकरणीय ऊर्जा परियोजनाएं प्रक्रियाधीन हैं। भारत को वर्ष 2030 तक 500 गीगावाट ऊर्जा क्षमता का लक्ष्य हासिल करने के लिए हर साल कम से कम 50 गीगावाट नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता जोड़नी होगी।

अत्याधुनिक प्रौद्योगिकियों की शुरुआती परियोजनाओं के लिए नए प्रस्ताव आमंत्रित किए जा चुके हैं। इसमें सौ करोड़ रुपए के परिव्यय के साथ हरित हाइड्रोजन के उत्पादन के लिए जैविक पदार्थ का उपयोग शामिल है। हरित हाइड्रोजन के उत्पादन के लिए जैविक पदार्थों के उपयोग सहित अत्याधुनिक तकनीक को जोड़ा जाएगा। इन परियोजनाओं के लिए कुल सौ करोड़ रुपए का आबंटन किया गया है जो एनजीएचएम के तहत नवउद्यम योजनाओं के लिए पहले से आबंटित सौ करोड़ रुपए के अतिरिक्त है। गौरतलब है एनजीएचएम का उद्देश्य भारत को हरित हाइड्रोजन के उत्पादन, उपयोग एवं निर्यात का वैश्विक केंद्र बनाना है। इसका परिव्यय 19, 744 करोड़ रुपए है। साथ ही इसका लक्ष्य 125 गीगावाट नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता, आठ लाख करोड़ रुपए से अधिक का निवेश और छह लाख से अधिक हरित रोजगार उत्पन्न करना भी है। रोजगारपरक होने की वजह से इस क्षेत्र में रोजगार की बेहतर संभावनाएं हैं। इसलिए सरकार इस क्षेत्र को प्राथमिकता दे रही है।

ऊर्जा जरूरतों की आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए केंद्र सरकार हाइड्रोजन सहित सौर ऊर्जा, जल विद्युत ऊर्जा या पवन ऊर्जा को बढ़ावा देने में जुटी है, इनसे आने वाले वक्त में कई क्षेत्र में ऊर्जा की कमी से कार्यों में आने वाली रुकावटों से निजात मिलेगी। इससे सबसे बड़ा फायदा पर्यावरणीय समस्याओं से निजात पाने में दिखाई देगा। देश के बड़े शहरों, नगरों और कस्बों में कार्बन और धूल प्रदूषण से बीमारियों सहित होने वाली तमाम परेशानियों से लोग बचेंगे। इससे अरबों रुपए बचेंगे। साथ ही साथ हड्डी, मस्तिष्क, रक्त, आंत, आंख और सांस आदि से ताल्लुक रखने वाली बीमारियों में कमी आएगी और औसत उम्र में वृद्धि भी होगी।

भारत निर्वाचन आयोग द्वारा नियुक्त विशेष रोल प्रेक्षक द्वारा एसआईआर के अंतर्गत मतदाता सूची से संबंधित कार्यों का किया स्थलीय निरीक्षण एवं सत्यापन

औराई गांव में भ्रमण कर एएसडीडी के अंतर्गत मतगणना प्रपत्र में बीएलओ द्वारा भरे गए मृतक का किया स्थलीय सत्यापन जांच

मंत्र भारत संवाददाता

भदोही। भारत निर्वाचन आयोग द्वारा विंध्याचल मंडल के लिए नियुक्त विशेष रोल प्रेक्षक सिद्धार्थ जैन (संयुक्त सचिव, मिनिस्ट्री ऑफ़ कोऑपरेशन, भारत सरकार) द्वारा विशेष गहन पुनरीक्षण एसआईआर 2026 के अंतर्गत जनपद भदोही में मतदाता सूची से संबंधित कार्यों का स्थलीय निरीक्षण एवं सत्यापन किया गया। इस अवसर पर जिला निर्वाचन अधिकारी शैलेष कुमार उनके साथ उपस्थित रहे।

विशेष रोल प्रेक्षक द्वारा काशीराज महाविद्यालय इंटर कॉलेज, औराई में स्थित विभिन्न मतदान केंद्रों (बूथ संख्या 200, 201 एवं 202) एवं उमापुर प्राथमिक विद्यालय बूथ संख्या 183, 184 पर तैयार की जा रही ड्राफ्ट निर्वाचक नामावली का गहन अभिलेखीय परीक्षण/सत्यापन किया गया। निरीक्षण के दौरान मतदाता पंजीकरण से संबंधित अभिलेखों, बीएलओ द्वारा किए गए प्रविष्टियों, फार्मों की स्थिति, अद्यतन कार्य, आपत्तियों एवं दावों की प्रक्रिया आदि की बारीकी से जांच की गई। विशेष रोल प्रेक्षक ने निर्वाचन आयोग के दिशा-निर्देशों के अनुरूप कार्य सुनिश्चित करने हेतु आवश्यक सुझाव एवं निर्देश भी दिए।

इसके उपरांत विशेष रोल प्रेक्षक द्वारा औराई गांव का भ्रमण कर एएसडीडी के अंतर्गत मतगणना/निर्वाचक प्रपत्रों में बीएलओ द्वारा मृतक के रूप में अंकित मतदाताओं का स्थलीय सत्यापन किया। इस दौरान संबंधित अभिलेखों, स्थानीय स्तर पर प्राप्त सूचनाओं एवं प्रमाणों का मिलान कर सत्यापन की प्रक्रिया की पारदर्शिता एवं शुद्धता की समीक्षा की गई। भ्रमण एवं निरीक्षण के उपरांत विशेष रोल प्रेक्षक द्वारा मंडलायुक्त विंध्याचल, मीरजापुर के कार्यालय सभागार में राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों एवं आम नागरिकों के साथ बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिला निर्वाचन अधिकारी शैलेष कुमार, उप जिला निर्वाचन अधिकारी कुंवर वीरेंद्र मौर्य सहित समस्त निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी (ईआरओ) ज़ूम माध्यम से जुड़े रहे।

बैठक के दौरान विशेष रोल प्रेक्षक ने मतदाता सूची के शुद्धीकरण, समावेशन, विलोपन एवं संशोधन की प्रक्रिया पर विस्तार से चर्चा की तथा राजनीतिक दलों एवं नागरिकों से प्राप्त सुझावों एवं समस्याओं को गंभीरता से सुना। उन्होंने आश्वस्त किया कि भारत निर्वाचन आयोग के दिशा-निर्देशों के अनुरूप त्रुटिरहित, पारदर्शी एवं समावेशी निर्वाचक नामावली तैयार करना आयोग की सर्वोच्च प्राथमिकता है।

जिला निर्वाचन अधिकारी द्वारा भी जनपद में चल रहे विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यों की प्रगति से अवगत कराते हुए बताया गया कि पात्र कोई भी मतदाता सूची से वंचित न रहे तथा अपात्र प्रविष्टियों को समयबद्ध ढंग से हटाया जाए, इसके लिए प्रशासन पूर्ण तत्परता से कार्य कर रहा है।

बैठक का समापन निर्वाचन प्रक्रिया में सभी हितधारकों की सक्रिय सहभागिता एवं सहयोग की अपील के साथ किया गया। निरीक्षण में ईआरओ श्याम मणि त्रिपाठी, तहसीलदार सुनील कुमार, बीडीओ दिलीप कुमार व अन्य उपस्थित रहे।

सुबह की हवा सौ रोगों की दवा साइकिलिंग से स्वस्थ समाज का संदेश

मंत्र भारत संवाददाता

गोपीगंज। पर्यावरण संरक्षण और स्वास्थ्य के प्रति जनजागरूकता फैलाने के उद्देश्य से भदोही साइकिलिंग क्लब द्वारा रविवार को विशाल साइकिल यात्रा निकाली गई। यात्रा का नेतृत्व क्लब के राष्ट्रीय अध्यक्ष अताउल मुस्तफा अंसारी ने किया। बड़ा चौराहा से शुरू हुई यह यात्रा विभिन्न मार्गों से होते हुए अपर पुलिस अधीक्षक भदोही शुभम अग्रवाल, आईपीएस के आवास पहुंची, जहां उन्होंने साइकिल चालकों का स्वागत किया और स्वयं साइकिल चलाकर अभियान में सहभागिता की। इस अवसर पर एएसपी शुभम अग्रवाल ने कहा कि सुबह की ताज़ी हवा में किया गया व्यायाम स्वास्थ्य के लिए अत्यंत लाभकारी होता है, साइकिलिंग से न केवल शरीर स्वस्थ रहता है बल्कि पर्यावरण संरक्षण में भी अहम योगदान मिलता है। नारे लगाते हुए साइकिल यात्रा का समापन पुलिस लाइन में हुआ, जिसमें बड़ी संख्या में युवाओं और समाजसेवियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। यात्रा में प्रवीण श्रीवास्तव, पंकज सिंह, बनारसी बिंद, जगदीश यादव, सरफराज अहमद, संजय उपाध्याय, श्याम सुंदर बिंद, शहजाद आलम सहित अनेक लोग शामिल रहे।

पुलिस लाइन ज्ञानपुर में रिक्रूट आरक्षियों के हथियार प्रशिक्षण का निरीक्षण

मंत्र भारत संवाददाता

भदोही। अपर पुलिस अधीक्षक शुभम अग्रवाल ने पुलिस लाइन ज्ञानपुर में रिक्रूट आरक्षियों को दिए जा रहे हथियार प्रशिक्षण का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने इनसास राइफल, एके-47 सहित अन्य असलहों की असेंबली-डिसअसेंबली, ड्रिल एवं हथियार हैंडलिंग की प्रक्रिया को बारीकी से देखा और रिक्रूट आरक्षियों का उत्साहवर्धन किया।

अपर पुलिस अधीक्षक ने प्रशिक्षकों को निर्देश दिए कि रिक्रूटों को हथियारों के रख-रखाव, सुरक्षित हैंडलिंग तथा त्वरित असेंबली-डिसअसेंबली में पूर्ण दक्षता दिलाई जाए, ताकि फील्ड में तैनाती के दौरान वे चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में प्रभावी ढंग से ड्यूटी निभा सकें। उन्होंने रिक्रूट आरक्षियों से संवाद करते हुए कहा कि अनुशासन, शारीरिक फिटनेस और हथियार प्रशिक्षण पुलिस बल की रीढ़ हैं।

निरीक्षण के दौरान उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले रिक्रूटों को पुरस्कृत किया गया तथा फिटनेस को बढ़ावा देने के लिए 50 पुश-अप का मैत्री मुकाबला भी कराया गया। अंत में उन्होंने सभी रिक्रूटों को कड़ी मेहनत करने और जनता की सेवा व सुरक्षा के लिए सदैव तत्पर रहने की शुभकामनाएं दीं।

कोइरौना पुलिस टीम द्वारा गांजा तस्करी में लिप्त अभियुक्त गिरफ्तार

मंत्र भारत संवाददाता

भदोही। मुखबिरी सूचना के आधार पर बीएचयू कैम्पस के पास हैदराबाद गेट थाना लंका कमिश्नरेट वाराणसी से मु0अ0संख्या-158/2024 धारा 8/20 एनडीपीएस एक्ट थाना गोपीगंज जनपद भदोही से संबंधित अवैध गांजा तस्करी में लिप्त वांछित अभियुक्त हरिशंकर गिरी उर्फ राजू गिरी पुत्र उमाशंकर गिरी निवासी गनेश बिहार कालोनी थाना शिवपुर कमिश्नरेट वाराणसी स्थायी पता ग्राम बहादुरपुर सफार (भोकरौध) थाना जमालपुर जिला मीरजापुर उम्र करीब 35 वर्ष को गिरफ्तार करने में महत्वपूर्ण सफलता प्राप्त हुई है। पूर्व में अभियुक्त के गिरोह के 06 गिरफ्तारशुदा गांजा तस्करों के कब्जे से दो लग्जरी चार पहिया वाहनों (हुंडई वरना व स्विफ्ट डिजायर कार) में छिपाकर ले जा रहे 04 बोरियों में कुल-72.300 कि0ग्रा0 नाजायज गांजा कीमती करीब 22 लाख रुपए तथा 06 अदद एंड्राइड मोबाइल फोन, 01 अदद टैबलेट, 5 आधार कार्ड व 1, 680/- रुपए नगद बरामद किया गया था।

गांधी पार्क में कांग्रेस का 141वां स्थापना दिवस हर्षोल्लास से मनाया गया

मंत्र भारत संवाददाता

ज्ञानपुर। भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस का 141वां स्थापना दिवस रविवार को ब्लॉक कांग्रेस कमेटी ज्ञानपुर द्वारा नगर के गांधी पार्क में हर्षोल्लास के साथ मनाया गया, जिसमें कांग्रेसजनों ने देश की वर्तमान राजनीतिक परिस्थितियों पर चिंता व्यक्त करते हुए पार्टी की नीतियों और विचारधारा पर चलने का संकल्प लिया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पूर्व जिला अध्यक्ष डॉ. राजेंद्र कुमार दूबे राजन रहे, जबकि अध्यक्षता ब्लॉक अध्यक्ष महेश चंद्र मिश्र ने की और संचालन ज्ञानपुर विधानसभा के पूर्व प्रत्याशी सुरेश चंद्र मिश्र ने किया। इस अवसर पर डॉ. राजेंद्र कुमार दूबे ने संवैधानिक संस्थाओं की मजबूती और लोकतंत्र की रक्षा पर जोर देते हुए कांग्रेस कार्यकर्ताओं से सजग और संघर्षशील रहने का आह्वान किया। अन्य वक्ताओं ने नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी द्वारा चलाए जा रहे संविधान बचाओ अभियान का समर्थन करते हुए लोकतंत्र की रक्षा के लिए एकजुट होने की आवश्यकता बताई। कार्यक्रम का शुभारंभ राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की प्रतिमा पर माल्यार्पण से हुआ तथा समापन वंदे मातरम और राष्ट्रगान के साथ किया गया। इस दौरान जनपद के प्रमुख समाचार पत्रों के पत्रकारों सहित वरिष्ठ कांग्रेस नेता सत्येंद्र प्रकाश तिवारी एवं सुरेश चंद्र उपाध्याय को शाल भेंटकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में राजेश्वर दूबे, जान मुहम्मद, विमल मालवीय, नितिन सिंह, मुकेश दूबे, दिनेश मिश्र, आशीष, संतोष कुमार सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता मौजूद रहे।

यूनियन बैंक सुरियावा के बैंक मित्र राकेश सिंह को उत्कृष्ट कार्य के लिएजोन में मिला प्रथम स्थान

मंत्र भारत संवाददाता

भदोही, सुरियावां। यूनियन बैंक शाखा सुरियावा के बैंक मित्र राजेंद्र सिंह को मिशन सुरक्षा में उत्कृष्ट कार्य करने के लिए जनपद में प्रथम स्थान एवं प्रदेश में स्थान बनाने वाले राजेंद्र प्रसाद सिंह एक मिशाल कायम किया जिससे अन्य बैंक मित्र को कार्य करने वाले एक प्रेरणादायक है जिस शाखा सुरियावां का नाम भी उज्जवल हुआ है जो की चर्चा का विषय बना हुआ है शाखा प्रबंधक यूनियन बैंक आफ इंडिया सुरियावा ने बताया कि हमारे शाखा के लिए यह एक गौरव की बात है डिप्टी शाखा प्रबंधक योगेश यादव ने बताया कि अपनी मेहनत वही ईमानदारी की वजह से ही इस मुकाम पर पहुंचे हैं ग्राम सभा पट्टी पर जो निवासी राजेंद्र प्रसाद सिंह पुरानी बाजार नेता नगर बाईपास पर एटीएम व यूनियन बैंक की फ्रेंचाइजीके माध्यम से सुबह 9:00 से रात 9:00 बजे तक ग्राहकों को लगातार सेवा देते हैं अपने नववर्ष के सेवा काल में इनका सेंटर कभी बंद नहीं हुआ जिससे ग्राहकों का भरोसा लगातार बना हुआ है।

60वीं यूपी राज्य क्रॉस कंट्री चैम्पियनशिप के लिए भदोही टीम का चयन

काशी नरेश खेल परिसर में हुआ ट्रायल, 4 जनवरी को झांसी में दिखाएंगे दम

मंत्र भारत संवाददाता

भदोही। 60वीं उत्तर प्रदेश राज्य क्रॉस कंट्री एथलेटिक्स चैम्पियनशिप के लिए भदोही जनपद की एथलेटिक्स टीम का चयन रविवार को काशी नरेश खेल कॉम्प्लेक्स हॉस्टल ग्राउंड में आयोजित ट्रायल के माध्यम से किया गया। सुबह 9 बजे से शुरू हुए ट्रायल में भदोही जिला एथलेटिक्स एसोसिएशन के खेल सचिव कैलाश नाथ पाल द्वारा खिलाड़ियों का चयन किया गया, जो अंतरराष्ट्रीय कोच मोहम्मद रुस्तम खान की अध्यक्षता में संपन्न हुआ। चयनित खिलाड़ियों में 16 वर्ष बालक वर्ग से शिवा बिंद, अजय व आशीष पाल, 18 वर्ष वर्ग से अंकित चौधरी, अमन सिंह, पीयूष व आज़ाद, 20 वर्ष बालिका वर्ग से वर्तिका पटेल, सीनियर बालक वर्ग से अजय कुमार बिंद, जुगेश कुमार बिंद, हरिश्चंद्र यादव व किशन कुमार बिंद तथा सीनियर बालिका वर्ग से ममता राजभर, गुड़िया, यमुना व साधना शामिल हैं। चयनित सभी खिलाड़ी 4 जनवरी 2026 को झांसी में आयोजित होने वाली राज्य स्तरीय चैम्पियनशिप में भदोही जनपद का प्रतिनिधित्व करेंगे, जबकि ट्रायल के दौरान निर्णायक के रूप में श्याम बिहारी मौर्य एवं राकेश पाल सहित अन्य लोग उपस्थित रहें।

19 फेलोज सुपर किंग बनी भदोही प्रीमियर लीग सीजन-4 की विजेता

भदोही। भदोही प्रीमियर लीग (इ्थ) सीजन-4 का रविवार को भव्य समापन हुआ, जहां फाइनल मुकाबला 19 फेलोज सुपर किंग और राजपूत ढाबा के बीच खेला गया। टॉस जीतकर राजपूत ढाबा ने पहले गेंदबाका फैसला किया, जिसमें 19 फेलोज सुपर किंग ने 20 ओवर में 126 रन बनाए, दिलीप कुमार (30 रन) और सुंदरम (26 रन) ने अहम योगदान दिया, जबकि विकास मुनरो ने दो विकेट झटके। लक्ष्य का पीछा करने उतरी राजपूत ढाबा की टीम 16.01 ओवर में 86 रन पर ऑलआउट हो गई, जिसमें मोहम्मद अम्मार (21) और हिमांशु (17) ने संघर्ष किया। 19 फेलोज की ओर से विवेक बिंद ने शानदार गेंदबाकरते हुए 3.5 ओवर में मात्र 8 रन देकर 4 विकेट झटके और मैन ऑफ द मैच चुने गए। बेस्ट फील्डर का पुरस्कार शो में प्रताप सिंह, बेस्ट बॉलर विवेक बिंद, बेस्ट बैट्समैन आशुतोष पाल को मिला, जबकि टूर्नामेंट में 182 रन व 13 विकेट लेने वाले दुर्गा चरण शुक्ला को प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट घोषित किया गया। विजेता टीम को प्रथम पुरस्कार स्कूटी जीवनदीप हॉस्पिटल के डॉ. ए.के. गुप्ता तथा द्वितीय पुरस्कार 31, 000 प्रियंका जायसवाल द्वारा प्रदान किया गया। समापन अवसर पर प्रमुख अतिथि के रूप में डॉ. विजय यादव (कृष्णा सुदामा संस्थान) सहित जिला पंचायत सदस्य अंजनी शुक्ला, शाहिद खान, बीपीएल अध्यक्ष अतुल तिवारी, उपाध्यक्ष शिवम शुक्ला एवं स्कोरर दिनेश जायसवाल उपस्थित रहे।

होटल-ढाबों की आड़ में अनैतिक गतिविधियों से ग्रामीणों में आक्रोश

मंत्र भारत संवाददाता

गोपीगंज। कोतवाली क्षेत्र के लाला नगर टोल प्लाजा, माधोपुर अमवा सहित आसपास के इलाकों में होटल-ढाबों के नाम पर कथित रूप से अनैतिक कार्यों का संचालन किए जाने से ग्रामीणों में भारी आक्रोश व्याप्त है। ग्रामीणों का आरोप है कि कुछ होटल, विशेषकर ओयो होटल, खुलेआम देह व्यापार जैसी गतिविधियों का केंद्र बने हुए हैं, जिससे क्षेत्र का माहौल खराब हो रहा है। ग्रामीणों का कहना है कि दिनभर संदिग्ध लोगों का आना-जाना लगा रहता है, जिससे महिलाओं व बच्चों पर गलत प्रभाव पड़ रहा है। इसके अलावा होटल संचालकों द्वारा सर्विस लेन की सड़क तक अतिक्रमण कर लिए जाने से वाहन सड़कों पर खड़े रहते हैं, जिससे आम लोगों को आवागमन में काफी परेशानियों का सामना करना पड़ता है।

मामले को लेकर क्षेत्रीय ग्रामीणों ने चेतावनी दी है कि यदि शीघ्र ही इन होटलों में चल रही अनैतिक गतिविधियों पर रोक नहीं लगाई गई, तो वे प्रदर्शन करने को बाध्य होंगे। ग्रामीणों ने जिला प्रशासन से मांग की है कि ऐसे होटलों की तत्काल जांच कर कड़ी कार्रवाई की जाए।

इस संबंध में कोतवाली प्रभारी शैलेश राय ने बताया कि राजमार्ग थाना क्षेत्र के अंतर्गत सभी होटल-ढाबा संचालकों को स्पष्ट चेतावनी दे दी गई है। यदि भविष्य में इस तरह की कोई भी शिकायत प्राप्त होती है, तो संबंधित के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

नववर्ष के दृष्टिगत शासन के निर्देश पर एवं जिलाधिकारी भदोही के आदेश पर चलाये जा रहे विशेष प्रवर्तन अभियान के क्रम में आबकारी निरीक्षक ज्ञानपुर रजनीश कुमार पाण्डेय, आबकारी निरीक्षक भदोही रोहित कुमार और आबकारी निरीक्षक औराई अनिल कुमार सूर्यभान मय स्टाफ द्वारा मतेथू, औरंगाबाद, भरेशपट्टी स्थित ईंट भट्ठों पर दबिश दी गयी तथा लालानगर टोल प्लाजा पर वाहनों की सघन तलाशी ली गयी। इसके अतिरिक्त कंपोजिट शॉप पाली बाजार व देशी शराब दुकान पाली, डभका, भरेशपट्टी व लालानगर का आकस्मिक निरीक्षण किया गया और पी0ओ0एस0 मशीन से स्कैनिंग की जांच की गयी। साथ ही उपलब्ध स्टाक का मौके पर भौतिक सत्यापन कर क्यू आर कोड से मिलान किया गया। विक्रेता को नियमानुसार दुकान संचालन हेतु निर्देशित किया गया ।

प्राण प्रतिष्ठा के प्रथम वार्षिक पूजनोत्सव की तैयारियों को लेकर बैठक सम्पन्न

काली माता मंदिर में 13 से 15 जनवरी तक नवचंडी यज्ञ, 16 को विशाल भंडारा

भदोही।सिद्धपीठ बाबा हरिहर नाथ मंदिर स्थित काली माता मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा के प्रथम वार्षिक पूजनोत्सव की तैयारियों को लेकर रविवार को मंदिर परिसर में एक आवश्यक बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में पूज्य आचार्य पं. संतोष महाराज ने बताया कि काली माता की प्राण प्रतिष्ठा के एक वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर 13 जनवरी से 15 जनवरी 2026 तक विधि-विधान से नवचंडी यज्ञ का आयोजन किया जाएगा, जिसके साथ भजन-कीर्तन सहित अन्य धार्मिक कार्यक्रम भी सम्पन्न होंगे।

मंदिर व्यवस्थापक ब्रह्मजीत शुक्ला ने जानकारी दी कि 13 जनवरी को कलश यात्रा के साथ पूजनोत्सव का शुभारंभ होगा, जो 15 जनवरी को हवन के साथ सम्पन्न होगा, जबकि 16 जनवरी को विशाल भंडारे का आयोजन किया जाएगा। बैठक में मंदिर परिसर को फूलों व झालरों से भव्य रूप से सजाने का निर्णय लिया गया।

बैठक में यज्ञाचार्य पं. संतोष महाराज के साथ विधायक शिव कुमार दुबे, रामेश्वर उपाध्याय, गिरिजा शंकर तिवारी (कल्लू), तेगा सिंह, बच्चन शुक्ला, संतोष श्रीवास्तव, प्रदीप मिश्रा (गप्पू), राकेश शुक्ला, वीरेंद्र बागी, विद्यावती देवी, लल्लू मौर्य सहित अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी की 100 वीं जयंती पर आयोजित

नई दिल्ली (एजेंसी)। राजघाट के गांधी दर्शन परिसर में, गांधी स्मृति एवं दर्शन समिति और यमुना परिवार काउंसिल के संयुक्त तत्वावधान में 'यमुना संगम' का भव्य, प्रेरणादायक और आध्यात्मिक आयोजन सम्पन्न हुआ। यह आयोजन भारत रत्न श्रद्धेय अटल बिहारी वाजपेयी की 100वीं जयंती के पावन अवसर पर बिरसा मुंडा लॉन, गांधी स्मृति एवं दर्शन समिति परिसर में आयोजित किया गया। कार्यक्रम मां यमुना के श्रीचरणों में समर्पित रहा, जिसमें उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश, हरियाणा, दिल्ली और उत्तर प्रदेश से पधारे यमुना साधकों, सेवकों और श्रद्धालुओं का भावपूर्ण संगम हुआ।

यह आयोजन भारतीय संस्कृति, नदी चेतना और राष्ट्र के प्रति सामूहिक उत्तरदायित्व का जीवंत प्रतीक बन गया। यमुना केवल एक नदी नहीं, बल्कि जीवनदायिनी, संस्कृति वाहिनी और सभ्यता की आत्मा के रूप में स्मरण करते हुए पूरे कार्यक्रम में सेवा, संकल्प और संवेदना की अनुभूति बनी रही। गांधी के सत्य और अहिंसा के विचार तथा अटल की राष्ट्रप्रेम से ओतप्रोत दृष्टि इस आयोजन के मूल भाव में स्पष्ट रूप से परिलक्षित हुई।

कार्यक्रम में सांस्कृतिक और आध्यात्मिक चेतना का विशेष स्वरूप तब देखने को मिला जब मां यमुना की भव्य महाआरती सम्पन्न हुई। वैदिक मंत्रोच्चार, दीपों की ज्योति और सामूहिक प्रार्थना के साथ सम्पन्न यह आरती यमुना के प्रति कृतज्ञता, समर्पण और संरक्षण के संकल्प का प्रतीक बन गई। इस अवसर पर सुप्रसिद्ध भजन गायक एवं यमुना भक्त कन्हैया मित्तल के भजनों ने वातावरण को भक्तिरस से सराबोर कर दिया।

युवा सहभागिता का भी इस आयोजन में विशेष महत्व रहा। मिस यूनिवर्स दिल्ली 2025 सुस्मृति छाबड़ा जी, अंतरराष्ट्रीय लेखक एवं मोटिवेटर शिव खेड़ा तथा सामाजिक-सांस्कृतिक क्षेत्र से जुड़े अनेक युवाओं की उपस्थिति ने यह स्पष्ट किया कि यमुना संरक्षण का संदेश नई पीढ़ी तक प्रभावी रूप से पहुँच रहा है। यह आयोजन यमुना को पुनः जनचेतना का केंद्र बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम सिद्ध हुआ।

यमुना संगम कार्यक्रम को सफल बनाने में यमुना परिवार काउंसिल के निदेशक कपिल गर्ग जी, कार्यक्रम संयोजक संजीव कपूर जी, महाआरती संयोजक राहुल गुप्ता जी, सह संयोजक मुकेश सोलंकी जी, आरती प्रमुख संजय गिरी एवं विपणन प्रमुख सुकंचन गर्ग का योगदान अत्यंत सराहनीय रहा। उनके समर्पण, सेवा भावना और संगठनात्मक कुशलता ने इस आयोजन को गरिमा और भव्यता प्रदान की।

इश्क ने तोड़ी मजहब की दीवार!

मुस्लिम युवती ने हिंदू प्रेमी से मंदिर में लिए सात फेरे–रायबरेली में प्रेम विवाह बना चर्चा का केंद्र

लखनऊ **(एजेंसी)**। प्रदेश के रायबरेली जिले से प्रेम और शादी से जुड़ा एक मामला सामने आया है, जो इन दिनों चर्चा में बना हुआ है। यहां एक मुस्लिम युवती को हिंदू युवक से प्यार हो गया। दोनों ने समाज और परिवार के विरोध के बावजूद साथ रहने का फैसला किया और अंततः हिंदू रीति-रिवाज से शादी कर ली। शादी के बाद दोनों खुद को खुश बता रहे हैं और उनका कहना है कि उन्होंने यह फैसला अपनी मर्जी से लिया है।

यह मामला रायबरेली के शहर कोतवाली क्षेत्र के बैरहना मोहल्ले का है। जानकारी के मुताबिक, हिंदू युवक अभिषेक और मुस्लिम युवती रेशमा की पहचान कोविड काल के दौरान सोशल मीडिया के जरिए हुई थी। लॉकडाउन के समय दोनों इंस्टाग्राम पर एक-दूसरे के संपर्क में आए। पहले बातचीत हुई, फिर दोस्ती बढ़ी और धीरे-धीरे यह रिश्ता प्यार में बदल गया। करीब तीन साल पहले दोनों की पहली बार आमने-सामने मुलाकात हुई। इसी मुलाकात में दोनों ने तय कर लिया कि वे एक-दूसरे के साथ ही अपना भविष्य बिताना चाहते हैं।

जब अभिषेक और रेशमा ने अपने रिश्ते की जानकारी परिवार को दी, तो दोनों पक्षों की ओर से विरोध शुरू हो गया। परिवार ने उनकी मुलाकातों पर रोक लगा दी और उन पर दबाव बनाया जाने लगा। हालात ऐसे हो गए कि दोनों ने समाज और परिवार की बंदिशों को तोड़ने का फैसला कर लिया।

इसके बाद अभिषेक एक मंदिर पहुंचा और वहां पंडित से शादी कराने की बात की। वहीं रेशमा भी घर से निकलकर मंदिर पहुंच गई। दोनों ने मंदिर में हिंदू रीति-रिवाज से सात फेरे लिए और एक-दूसरे के साथ जीवन भर साथ निभाने की शपथ ली। शादी के बाद रेशमा ने साफ कहा कि उसने अपनी इच्छा से हिंदू धर्म अपनाया है और अपनी मर्जी से अभिषेक से विवाह किया है। उसका कहना है कि अभिषेक ही उसका जीवनसाथी है और अब कोई भी उन्हें अलग नहीं कर सकता।

अभिषेक और रेशमा की शादी की तस्वीरें और वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहे हैं। लोग इस शादी पर अलग-अलग प्रतिक्रियाएं दे रहे हैं। वहीं यह प्रेम विवाह जिले में चर्चा का विषय बना हुआ है।

कातिल प्रेमी बना 'पापा'! जेल में गूंजी मुस्कान की बेटी की किलकारी

साहिल बोला- 'बाहर आकर दूंगा पार्टी

लखनऊ **(एजेंसी)**। मेरठ में नीले ड्रम वाले हत्याकांड के मामले में आरोपी मुस्कार और साहिल बीते 10 महीनों से जेल में बंद हैं। इसी बीच आरोपी मुस्कान ने बीते महीने की 24 तारीख को एक बेटी को जन्म दिया है, जिसका नाम राधा रखा गया है। यह खबर सामने आने के बाद जेल में बंद साहिल का व्यवहार चर्चा का विषय बन गया। साहिल बेटी के जन्म से काफी खुश था और अपने साथी कैदियों से कहता था कि बाहर निकलने दो फिर पार्टी दूंगा। इस बात का खुसाला साहिल के साथ जेल में बंद एक साथी ने जमानत पर बाहर आने पर किया।

साहिल के साथ जिस बैरक में रहने वाला युवक अक्षय बैंसला हाल ही में जमानत पर रिहा होकर बाहर आए हैं। उसने बताया कि कि तकरीब 48 दिन जेल में रहने के दौरान उसने साहिल को करीब से देखा। जब पहली बार साहिल के साथ उसकी मुलाकात हुई तो

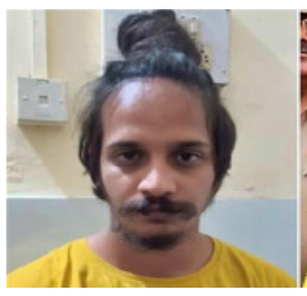

घबरा गया। साथ ही उसने यह भी बताया कि साहिल से बहुत कम लोग मिलने आते थे। कभी-कभी उसका भाई और उसकी बुजुर्ग नानी ही जेल में मुलाकात करने पहुंचते थे। यही वजह थी कि साहिल ज्यादातर समय अकेला रहता था।

वह आगे बताता है कि साहिल को जेल को खाना और चाय पसंद नहीं, वह अक्सर कैंटीन से नाश्ता करता था। अक्षय के मुताबिक, कई कैदी उससे बार-बार हत्या और मुस्कान से जुड़े सवाल पूछते थे। ऐसे सवालों से बचने के लिए साहिल ज्यादा बातचीत नहीं करता था। हालांकि जब भी वह बात करता, उसका व्यवहार सामान्य ही रहता था।

जेल प्रशासन ने साहिल को सब्जी उगाने के काम में लगाया था। जेल में उसके बाल और दाढ़ी कट चुके थे। वह अक्सर अखबार पढ़ता नजर आता था, ताकि बाहर की दुनिया और अपने केस से जुड़ी खबरों से अपडेट रह सके। वह आमतौर पर एक हुडी पहनकर रहता था।

25 नवंबर की सुबह अखबार में मुस्कान के अस्पताल में भर्ती होने और बेटी के जन्म की खबर छपी। यह खबर पढ़ते ही साहिल के चेहरे पर खुशी साफ नजर आई। अन्य कैदियों ने मजाक में उसे बधाई दी और कहा कि वह अब पिता बन गया है।

बंदियों की बात सुनकर साहिल ने मुस्कराते हुए कहा, 'तुम सब भी चाचा बन गए हो। बाहर निकलने दो, पार्टी दूंगा।' अक्षय के मुताबिक साहिल रोज अखबार पढ़ता था और यह भी कहता था कि इतने समय बाद भी उसका नाम खबरों में बना हुआ है।

पुलिस ने पति-पत्नी के विवाद को उलझा कर बिछड़े हुए परिवार को मिलाया

मंत्र भारत संवाददाता

सिद्धार्थनगर। जिले के पुलिस अधीक्षक डॉ अभिषेक महाजन पुलिस अधीक्षक सिद्धार्थनगर क्रम मे प्रशान्त कुमार प्रसाद, अपर पुलिस अधीक्षक के कुशल पर्यवेक्षण व रोहिणी क्षेत्राधिकारी सर्किल बांसी के निर्देशन में प्रभारी निरीक्षक मृत्युंजय पाठक के नेतृत्व में थाना में आवेदिका राधिक पत्नी राहुल निषाद ग्राम हियातनगर गोनहा थाना को बांसी पर आकर प्रार्थना पत्र दिया गया था कि आवेदिका राधिका व पति राहुल निषाद के बीच कुछ कहा-सुनी हुआ था जिससे पति पत्नी के मध्य मनमुटाव हो गया था उक्त प्रार्थना पत्र को मिशन शक्ति मय टीम व हे0का0 योगेन्द्र यादव फेज 5.0 के तहत थाना को0 बांसी मिश आवेदिका राधिका पत्नी राहुल निषाद को महिला हेल्प डेस्क में महिला आरक्षी गीतांजलि की मौजूदगी मे दोनो पक्षो (पति-पत्नी) को बैठा कर समझाया-बुझाया गया । जिसमे दोनो पक्ष (पति-पत्नी) राजी-खुशी से साथ रहने के लिये तैयार हो गये । अब कोई विवाद नही है । दोनो पति-पत्नी को सकुशल एक साथ राजी-खुशी पुलिस द्वारा उ0नि0 बलराम धर दूबे, हेड कांस्टेबल बीरबल यादव, हेड कांस्टेबल योगेन्द्र यादव, म0का प्रियंका, म0क0 गीतांजलि कुशवाहा की टीम ने घर भेज दिया गया । उक्त पुलिस कार्यवाही की आम जनमानस द्वारा सरहाना की गयी।

सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष से बड़ा होता है भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष का कद-चौधरी

लखनऊ **(एजेंसी)**। प्रदेश में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी ने कहा कि समाजवादी पार्टी (सपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष से कहीं बड़ा भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष का कद होता है। चौधरी ने आगरा में अखिलेश यादव और इंडिया गठबंधन की पाटिर्यों पर जबरदस्त हमला किया है। उन्होंने कहा कि भाजपा की खूबी है कि यहां कोई भी कार्यकर्ता छोटा बड़ा नहीं होता।

पंकज चौधरी ने कहा, उत्तर प्रदेश भाजपा का अध्यक्ष होना कोई छोटी चीज नहीं है। अखिलेश यादव के दल का राष्ट्रीय अध्यक्ष होता है, उससे कहीं बड़ा भाजपा का प्रदेश अध्यक्ष होता है। इंडिया गठबंधन पर भी हमला बोलते हुए उन्होंने कहा कि इंडिया गठबंधन में अखिलेश यादव, ममता बनर्जी, लालू और कांग्रेस के दल का अगर प्रदेश अध्यक्ष बनना है तो इनके परिवार में पुनर्जन्म लेना पड़ेगा।

दरअसल समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने तंज कसा था कि उत्तर प्रदेश का अध्यक्ष कई बार का सांसद है जबकि राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष महज एक विधायक है। अखिलेश यादव के इसी बयान पर भाजपा प्रदेश अध्यक्ष हमलावर हो गये।

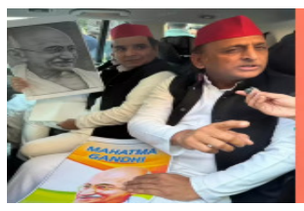

धर्मान्तरण रैकेट को नेस्तनाबूद करने के लिए एआई का भी इस्तेमाल करे पुलिस, सीएम ने दिए निर्देश

लखनऊ **(एजेंसी)**। सोशल मीडिया के दुरुपयोग, दुष्प्रचार और साइबर अपराध जैसी गतिविधियों पर चिंता जताते हुए मुख्यमंत्री योगी ने पुलिस को ऐसे अपराधों पर नकेल कसने और विदेशी फंड से प्रायोजित धर्मांतरण के नेटवर्क को ध्वस्त करने के लिए आटिफिशयल इंटेलीजेंस (एआई) का भी इस्तेमाल करने के निर्देश दिए।

'पुलिस मंथन' वरिष्ठ पुलिस अधिकारी सम्मेलन 2025 के समापन सत्र को संबोधित करते हुए उन्होंने प्रदेश में कानून व्यवस्था को सुदृढ़ करने के लिए अधिकारियों को निर्देश दिए। उन्होंने वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों को विशेष रूप से सोशल मीडिया और साइबर क्राइम पर सख्त निगरानी रखने के निर्देश दिये। उन्होंने सोशल मीडिया पर कानून-व्यवस्था, जातीय एवं धार्मिक सौहार्द प्रभावित करने वालों के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की नीति अपनाने को कहा। उन्होंने पाकिस्तान, बांग्लादेश और नेपाल की ओर से प्रदेश में बढ़ने वाली आतंकी गतिविधियों और नशीले पदार्थों की तस्करी पर रोक लगाने के लिए सीमा सुरक्षा एवं आतंकवाद निरोधक तंत्र को तकनीकी रूप से सुदृढ़ करने के निर्देश दिये। साथ ही गो-तस्करी और धर्मांतरण के लिए चलाए जा रहे संगठित गिरोह पर सख्त काय्रवाई करने को कहा।

मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया के दुरुपयोग, दुष्प्रचार, डीपफेक,

डाकर्वेब, साइबर अपराध एवं आतंकी नेटवर्क जैसी चुनौतियों पर गहरी चिंता व्यक्त करते हुए पुलिस एवं इंटेलिजेंस तंत्र को निर्देशित किया कि सोशल मीडिया पर कानून-व्यवस्था, जातीय एवं धार्मिक सौहार्द को प्रभावित करने वाले किसी भी आपत्तिजनक कंटेंट पर तत्काल संज्ञान लेकर त्वरित और कठोर काय्रवाई सुनिश्चित की जाए। मुख्यमंत्री ने स्पष्ट किया कि जाति या धर्म के नाम पर समाज को विभाजित करने, पुलिस पर दबाव बनाने अथवा अराजकता फैलाने वाले तत्वों के प्रति किसी भी प्रकार की ढिलाई न बरती जाए। ऐसे पोस्ट, फेक अकाउंट एवं संगठित दुष्प्रचार अभियानों की पहचान कर उनके विरुद्ध विधिसम्मत कठोर काय्रवाई की जाए।

चाकू की नोक पर रेप मामले में नया मोड़, भाजपा नेता गिरफ्तार, लेकिन पीड़िता ने अपने बयान से मारी पलटी

सतना। मध्य प्रदेश के सतना जिले के रामपुर बाघेलान में भाजपा पार्षद अशोक सिंह पर लगे रेप के आरोपों ने नया मोड़ ले लिया है। आरोपी के खिलाफ शिकायत करने वाली महिला ने अब अपना बयान बदल दिया है। शनिवार रात थाने पहुंचकर पीड़िता ने पुलिस को बताया कि उसके साथ दुष्कर्म नहीं हुआ, बल्कि आरोपी ने केवल छेड़छाड़ और अश्लील बातें की थीं।

पीड़िता के अनुसार, उसने पहले जो चाकू की नोक पर रेप और वीडियो बनाकर धमकाने के आरोप लगाए थे, वे गुस्से और डर की स्थिति में लगाए गए थे। नए बयान के बाद पुलिस ने मामले की धाराएं बदलते हुए भाजपा पार्षद अशोक सिंह को गिरफ्तार कर लिया है।

रामपुर बाघेलान थाने की एसआई प्रीति कुशवाहा ने बताया कि पीड़िता के बदले हुए बयान को केस डायरी में शामिल किया गया है और उसी के आधार पर आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है। आरोपी के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता ँए) की धारा 74 (महिला की गरिमा भंग करना), 75(2) (यौन उत्पीड़न), 79 (शब्द या इशारे से अपमान), 296(1) (अश्लील कृत्य) और 351(3) (धमकी) के तहत मामला दर्ज किया गया है। पुलिस ने पीड़िता को सुरक्षा भी उपलब्ध कराई है।

इस बीच, आरोपी अशोक सिंह का पुराना आपराधिक रिकॉर्ड भी सामने आया है। पुलिस जांच में खुलासा हुआ है कि वर्ष 1996 से अब तक उसके खिलाफ कुल 9 गंभीर आपराधिक मामले दर्ज हैं। मामले से जुड़े एक वीडियो के सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद प्रशासन की भूमिका पर भी सवाल खड़े हो रहे हैं। फिलहाल पुलिस पूरे मामले की गहन जांच कर रही है।

निःशुल्क नेत्र चिकित्सा शिविर का हुआ समापन, 2229 मरीजों की जांच, 210 का ऑपरेशन

मंत्र भारत संवाददाता

सिद्धार्थनगर। जिले की आदर्श नगर पंचायत शोहरतगढ़ में स्थित राजस्थान अतिथि भवन (मारवाड़ी धर्मशाला) में छन्द काले बाबू नारायणी नेत्र अस्पताल बहादुरगंज (नेपाल) द्वारा आयोजित तीन दिवसीय निःशुल्क नेत्र चिकित्सा शिविर का सफलतापूर्वक समापन हुआ। शिविर में दूर-दराज़ क्षेत्रों से आए मरीजों सहित कुल 2229 लोगों की आंखों की जांच की गई।शिविर के दौरान 210 मरीजों का मोतियाबिंद सहित अन्य नेत्र रोगों का ऑपरेशन किया गया, जबकि 950 जरूरतमंदों को निःशुल्क चश्मे वितरित किए गए। शेष मरीजों को जांच के उपरांत आवश्यक दवाएं प्रदान की गईं।

शिविर के समापन अवसर पर आदर्श नगर पंचायत शोहरतगढ़ की अध्यक्ष उमा अग्रवाल ने उपस्थित चिकित्सकों व स्वास्थ्यकर्मियों को संबोधित करते हुए कहा कि ऐसे निःशुल्क शिविर गरीब, असहाय और ग्रामीण क्षेत्र के लोगों के लिए वरदान साबित होते हैं। उन्होंने नेपाल से आए विशेषज्ञ चिकित्सकों की टीम का आभार व्यक्त करते हुए भविष्य में भी इस प्रकार के जनहितकारी आयोजनों की आवश्यकता पर बल दिया। नगर पंचायत अध्यक्ष प्रतिनिधि रवि अग्रवाल ने कहा कि इस तरह के नेत्र शिविरों से लोगों को समय पर इलाज मिल पाता है, जिससे अंधत्व जैसी गंभीर समस्या से बचाव संभव हो पाता है। उन्होंने आयोजन से जुड़े सभी सहयोगियों, समाजसेवियों एवं स्वयंसेवकों का धन्यवाद किया।इस अवसर पर नगर पंचायत अध्यक्ष उमा अग्रवाल, अध्यक्ष प्रतिनिधि रवि अग्रवाल, एसडीएम विवेकानंद मिश्रा सहित अशोक बोरा, आरसी गुप्ता, सूर्य प्रकाश पाण्डेय, शिवशक्ति शर्मा, कृष्ण कुमार अग्रवाल, संजय दूबे, अशोक अग्रहरि, अजय उपाध्याय, ब्रह्मदेव गुप्ता, राजेश त्रिपाठी, अंकित गुप्ता, अक्षय कसौधन, गौरव शर्मा, रवि श्रीवास्तव, सनी तथा छन्द काले बाबू नारायणी नेत्र अस्पताल बहादुरगंज (नेपाल) के वरिष्ठ नेत्र विशेषज्ञ डॉ. सुलक्ष्मी कटुवाल, डॉ. शम्सेर थापा, डॉ. शुशील कार्की, डॉ. जसरज विश्वकर्मा, नेत्र सहायक रजनीश श्रीवास्तव, दिक्षा सुनुवार, हरी बहादुर भण्डारी, प्रिया चौधरी, राम नारायण कश्यप, नसरुल्लाह खान, गोविन्द कलवार सहित नगर पंचायत शोहरतगढ़ के सभासदगण एवं बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिक मौजूद रहे। शिविर के सफल आयोजन से शोहरतगढ़ क्षेत्रवासियों में हर्ष का माहौल रहा।

शीतलहर/घने कोहरे के कारण चोरी की घटना रोकने के लिए ग्राम प्रहरियों के साथ गोष्ठी

मंत्र भारत संवाददाता

सिद्धार्थनगर। जिले के पुलिस अधीक्षक डॉ0 अभिषेक महाजन पुलिस अधीक्षक द्वारा शरद ऋतु में शीतलहर/घने कोहरे के कारण रात्रि में लूट/नकबजनी/चोरी आदि घटनाओं के रोकथाम के सम्बन्ध में दिए गए निर्देश के क्रम में प्रशांत कुमार प्रसाद अपर पुलिस अधीक्षक व बृजेश कुमार वर्मा क्षेत्राधिकारी डुमरियागंज के कुशल पर्यवेक्षण में थानाध्यक्ष अमित कुमार थाना पथरा बाजार जनपद के द्वारा थाना स्थानीय पर नियुक्त ग्राम प्रहरीयों की गोष्ठी की गयी जिसमें शीतलहर के कारण नकबजनी/चोरी आदि घटनाओं के रोकथाम हेतु आवश्यक दिशा निर्देश दिया गया तथा ग्रामों में सुरक्षा के दृष्टि से सतर्कता बरतने व गांवों में गश्त करने हेतु बताया गया।

वीबी जी राम जी के विरोध में विशेष विधानसभा सत्र बुलाने पर भड़के जाखड़

बोले- 'आप' सरकार इवेंट मैनेजमेंट कंपनी की तरह काम कर रही

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की पंजाब इकाई के अध्यक्ष सुनील जाखड़ ने रविवार को आम आदमी पार्टी (आप) सरकार पर विकसित भारत गारंटी रोजगार एवं आजीविका मिशन (ग्रामीण) (वीबी जी राम जी) अधिनियम के विरोध में विशेष विधानसभा सत्र बुलाने के लिए जमकर हमला बोला। उन्होंने कहा कि भगवंत मान सरकार विकास कार्यों पर ध्यान देने के बजाय किसी 'इवेंट मैनेजमेंट' कंपनी की तरह व्यवहार कर रही है।

भाजपा नेता ने आरोप लगाया कि 'आप' सरकार एक और 'प्रचार अभियान' की तैयारी कर रही है। पंजाब सरकार ने केंद्र सरकार के वीबी- जी राम जी अधिनियम के विरोध में 30 दिसंबर को विधानसभा का एक दिवसीय विशेष सत्र बुलाया है। यह अधिनियम 20 साल पुराने मनरेगा कानून की जगह लाया गया है। पंजाब के कैबिनेट मंत्री तरुणप्रीत सिंह सोंड ने शनिवार को दावा किया था कि नया ग्रामीण रोजगार कानून गरीबी रेखा से नीचे रहने वाले परिवारों, अनुसूचित जाति समुदायों और मनरेगा पर निर्भर ग्रामीण मजदूरों को बुरी तरह प्रभावित करेगा।

भाजपा नेता जाखड़ ने रविवार को यहां एक बयान में कहा कि मान सरकार हर मोर्चे पर विफल रही है और उसके पास गिनाने लायक कोई उपलब्धि नहीं है। उन्होंने विशेष सत्र की ओर इशारा करते हुए कहा, ''इसलिए, यह हर दिन नया दुष्प्रचार कर रही है।'' जाखड़ ने कहा कि बेहतर होगा अगर सरकार राज्य में 'बिगड़ती' कानून-व्यवस्था की स्थिति पर चर्चा करने और ''लगभग रोजाना हो रही हत्याओं और जबरन वसूली की धमकियों पर विचार-विमर्श करने'' के लिए एक विशेष सत्र बुलाए।

कांग्रेस के स्थापना दिवस पर बोले राहुल गांधी

यह सिर्फ राजनीतिक दल नहीं भारत की आत्मा की आवाज है

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। कांग्रेस के रविवार को 140वें स्थापना दिवस पर लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने कहा कि कांग्रेस सिर्फ एक राजनीतिक दल नहीं, बल्कि भारत की आत्मा की आवाज है, जो हर कमजोर, वंचित और मेहनतकश के साथ खड़ी रही है। उन्होंने यहां पार्टी के मुख्यालय इंदिरा भवन में आयोजित 140वें स्थापना दिवस समारोह में भाग लिया।

गांधी ने 'एक्स' पर कहा, 'संकल्प है कि नफरत, अन्याय और तानाशाही के खिलाफ सत्य, साहस और संविधान की रक्षा की लड़ाई और अधिक मज़बूती से लड़ेंगे।' उन्होंने कहा, 'आज भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के स्थापना दिवस पर हर कांग्रेसजन को हार्दिक शुभकामनाएं। हम उस ऐतिहासिक विरासत और उन महान बलिदानियों को नमन करते हैं, जिन्होंने भारत को आज़ादी दिलाई, संविधान की नींव रखी और लोकतंत्र, धर्मनिरपेक्षता, सामाजिक न्याय व समानता के मूल्यों को मजबूत किया।'

दिल्ली में डीडीए की हॉट एयर बैलून राइड पड़ी ठंडी, स्मॉग और प्रदूषण ने बिगाड़ा खेल

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। यमुना किनारे 'बांसरा पार्क' में बड़े जोर-शोर से शुरू की गई हॉट एयर बैलून राइड उम्मीद के मुताबिक भीड़ नहीं जुटा पा रही है। 29 नवंबर को इसे एक बड़े 'इको-एडवेंचर' के तौर पर लॉन्च किया गया था, लेकिन दिल्ली की जहरीली हवा और धुंध ने पर्यटकों का मजा किरकिरा कर दिया है।

शुरुआत में इस राइड का किराया 3, 000 रुपये प्रति व्यक्ति रखा गया था, लेकिन लोगों की कम दिलचस्पी को देखते हुए इसे घटाकर 2, 300 रुपये कर दिया गया है। आंकड़ों के मुताबिक, वीकेंड पर औसतन केवल 20 टिकट ही बिक पा रहे हैं। अब आयोजक ज्यादा लोगों को जोड़ने के लिए ऑनलाइन बुकिंग सिस्टम शुरू करने की तैयारी कर रहे हैं।

दिल्ली में सर्दियों के दौरान एयर क्वालिटी इंडेक्स 'बहुत खराब' श्रेणी में रहा है। आसमान में छाई धुंध के कारण लोग ऊंचाई से शहर का नजारा नहीं देख पा रहे हैं। इस प्रोजेक्ट की शुरुआत से ही आलोचना हो रही है। लोगों का कहना है कि जब शहर प्रदूषण से जूझ रहा हो, तब धुंध भरे आसमान में ऊपर जाने का कोई मतलब नहीं है। विशेषज्ञों ने इसे 'ग्रीनवॉशिंग' करार दिया है। उनका कहना है कि यह प्रोजेक्ट शहर के असली मुद्दों से ध्यान भटकाने की कोशिश है। साथ ही, यमुना के संवेदनशील मैदानी इलाकों में पर्यटकों की भीड़ पारिस्थितिकी तंत्र को नुकसान पहुंचा सकती है।

डीडीए की योजना इस राइड को असिता पार्क, यमुना स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स और कॉमनवेल्थ गेम्स विलेज जैसी जगहों पर भी शुरू करने की थी। लेकिन वर्तमान स्थिति को देखते हुए, इन योजनाओं को तब तक के लिए रोक दिया गया है जब तक कि मांग में सुधार नहीं होता।

यह राइड एक प्राइवेट ऑपरेटर द्वारा चलाई जा रही है। इसमें बैलून को जमीन से बांधकर 100-150 फीट की ऊंचाई तक ले जाया जाता है। 7 से 12 मिनट की इस उड़ान में एक बार में चार लोग बैठ सकते हैं। आयोजकों को उम्मीद है कि फरवरी तक आसमान साफ होने पर विजिबिलिटी बढ़ेगी और लोग इस एडवेंचर के लिए वापस आएंगे।

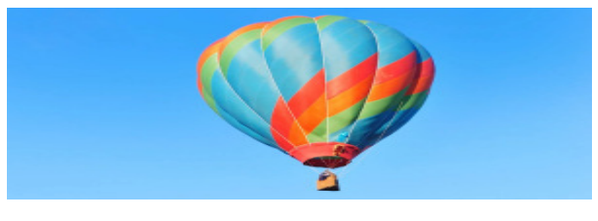

चौथा एशेज टेस्ट 2 दिन में खत्म होने पर एमसीजी क्यूरेटर 'सदमे' में, ट्रैविस हेड ने दिया समर्थन

मेलबर्न **(एजेंसी)**। एमसीजी के क्यूरेटर मैट पेज ने कहा कि बॉक्सिंग डे टेस्ट के पहले दिन 20 विकेट गिरने के बाद वह 'सदमे की हालत में' थे, जबकि ट्रैविस हेड ने ग्राउंड स्टाफ के प्रति सहानुभूति व्यक्त की जिन्होंने सीम-फ्रेंडली पिच तैयार की जिसके कारण मैच दो दिन में खत्म हो गया। मैच जल्दी खत्म होने के कारण क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया को 10 मिलियन ऑस्ट्रेलियन डॉलर तक का नुकसान होने की उम्मीद है।

मैच के आखिरी तीन दिनों के लिए गर्म मौसम के पूर्वानुमान के आधार पर सतह पर 10मिमी घास छोड़ने के पेज के फैसले पर काफी सवाल उठे, जब 142 ओवर में 36 विकेट गिरे, और इंग्लैंड ने दूसरे दिन देर से ऑस्ट्रेलिया में जनवरी 2011 के बाद अपनी पहली जीत हासिल की। इंग्लैंड के कप्तान बेन स्टोक्स ने कहा कि दुनिया में कहीं और ऐसी ही पिच'तबाही'मचा देगी, और स्टीवन स्मिथ ने इतनी घास छोड़ने के फैसले पर सवाल उठाते हुए कहा, 'शायद इसने थोड़ा ज्यादा ही मदद की... शायद अगर इसे 10 से 8मिमी कर दिया जाता, तो यह एक अच्छी चुनौतीपूर्ण विकेट होती - शायद थोड़ी और संतुलित।'

पेज ने कहा कि वह परिणाम से 'वास्तव में निराश' हैं और उन्होंने यह सुनिश्चित करने का वादा किया कि एमसीजी में फिर से दो दिन में मैच खत्म न हो। उन्होंने कहा, 'पहले दिन के बाद मैं सदमे की हालत में था, जो कुछ भी हुआ, एक दिन में 20 विकेट। मैं कभी ऐसे टेस्ट मैच में शामिल नहीं हुआ और उम्मीद है कि फिर कभी ऐसे टेस्ट मैच में शामिल नहीं होऊंगा।'

हेड, जिन्होंने दूसरी पारी में 46 रन बनाए जो मैच का सबसे बड़ा स्कोर था, ने पेज के प्रति सहानुभूति जताई और कहा कि ग्राउंड स्टाफ के लिए यह 'बहुत मुश्किल' था। उन्होंने पिछले साल के एमसीजी टेस्ट के लिए तैयार की गई पिचों से भी तुलना की - जिसमें भारत आखिरी सेशन में 7 विकेट गंवाकर मैच हार गया था और एडिलेड में तीसरे एशेज टेस्ट से भी, जिसमें दोनों बैटिंग लाइन-अप ने खराब प्रदर्शन किया था।

उन्होंने कहा, 'मुझे उनके (पेज) लिए बुरा लग रहा है। यह बहुत मुश्किल है। आप अच्छी बॉलिंग से 1-2 मिमी छोड़ते हैं और आप खुद को पीछे पाते हैं, और आप अच्छी बैटिंग से 2-3 मिमी हटाते हैं और आप खुद को दूसरी तरफ पाते हैं।' मेलबर्न क्रिकेट क्लब (एमसीजी) के चीफ एग्जीक्यूटिव स्टुअटर् फॉक्स ने इशारा किया कि लापरवाह बैटिंग मैच जल्दी खत्म होने का एक कारण था और कहा कि वह पेज के साथ खड़े रहेंगे।

लॉरा हैरिस ने 15 गेंदों में लगाया अर्धशतक टी20 में सबसे तेज फिफ्टी का रिकॉर्ड बराबर किया

एलेक्जेंड्रा **(एजेंसी)**। डब्ल्यूबीबीएल में सिडनी थंडर के लिए निराशाजनक प्रदर्शन के बाद लॉरा हैरिस ने रविवार को ओटागो के लिए 15 गेंदों में अर्धशतक बनाकर महिला सुपर स्मैश में तुरंत प्रभाव डाला। यह महिला टी20 में (जहां डेटा उपलब्ध है) संयुक्त रूप से सबसे तेज अर्धशतक है, 2022 में वारविकशायर के लिए ग्लॉस्टरशायर के खिलाफ मैरी केली द्वारा बनाए गए रिकॉर्ड के बराबर है। ओटागो के लिए अपने पहले मैच में, बड़े शॉट लगाने के लिए जानी जाने वाली अनुभवी ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज हैरिस ने कैंटरबरी के खिलाफ ओटागो के 146 रनों के लक्ष्य को आसानी से हासिल कर लिया। वह छठे ओवर में 46 रन पर 2 विकेट गिरने के बाद मैदान पर आईं और यह सुनिश्चित किया कि उनकी टीम 15वें ओवर तक लक्ष्य को पार कर ले। उन्होंने एलेक्जेंड्रा के मोलिनक्स पार्क में 17 गेंदों में 52 रन बनाए, जिसमें छह चौके और चार छक्के शामिल थे, इससे पहले कि उन्हें मीडियम पेसर गैबी सुलिवन की गेंद पर कैच आउट कर दिया गया।

हैरिस का डब्ल्यूबीबीएल में प्रदर्शन औसत रहा, जैसा कि थंडर का भी रहा, जो आठ टीमों की तालिका में नीचे से दूसरे स्थान पर रही, केवल बिना जीत वाली ब्रिस्बेन हीट से बेहतर। हैरिस ने थंडर के लिए सीजन के सभी दस मैच खेले, 8 बार बल्लेबाजी की और कुल 69 रन बनाए, हालांकि उनका स्ट्राइक रेट 197.14 था, जो प्रतियोगिता में सबसे अच्छा था। हालांकि, वह इस साल की शुरुआत में अच्छी फॉर्म में थीं, और इस साल की शुरुआत में वारविकशायर के लिए खेलते हुए केली के रिकॉर्ड को तोड़ने का प्रयास किया था, जब उन्होंने वाइटैलिटी ब्लास्ट में डरहम के खिलाफ 21 गेंदों में 55 रन बनाकर प्लेयर-ऑफ-द-मैच का पुरस्कार जीता था, जिसमें उन्होंने 17 गेंदों में अर्धशतक बनाया था। हैरिस के नाम टी20 में 15 और 17 गेंदों के रिकॉर्ड के अलावा, तीन 18-गेंदों की हाफ-सेंचुरी और एक 19-गेंदों की हाफ-सेंचुरी भी है। इसका मतलब है कि टी20 में उनके सभी छह 50 से ज्यादा के स्कोर 20 से कम गेंदों में आए हैं। महिला क्रिकेट में किसी और बल्लेबाज ने यह कारनामा एक से ज्यादा बार नहीं किया है।

रविवार को, हैरिस की तेज रन बनाने की गति का मतलब था कि ओटागो बोनस पॉइंट हासिल करने वाली पहली टीम बन गई, जिसे इस सीजन से पहले महिला सुपर स्मैश में ज़्यादा स्कोर वाले मैचों को बढ़ावा देने के लिए शुरू किया गया था। मैच जीतने पर मिलने वाले रेगुलर चार पॉइंट्स के अलावा, टीमें बोनस पॉइंट हासिल कर सकती हैं अगर वे 150 या उससे ज़्यादा रन बनाती हैं, चाहे वे पहले बैटिंग करें या दूसरी, या दूसरी इनिंग में विपक्षी टीम के रन रेट से 1.25 गुना ज़्यादा रन रेट हासिल करें। कैंटरबरी ने 7.25 के रन रेट से रन बनाए थे। ओटागो ने 9.84 के रन रेट पर मैच खत्म किया।

विराट कोहली का विकेट लेने वाले स्पिनर की चमकी किस्मत, मैच के बाद मिली खास सलाह

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। भारतीय क्रिकेट के सुपरस्टार कोहली की घरेलू क्रिकेट में वापसी हमेशा चर्चा का विषय बन जाती है। विजय हजारे ट्रॉफी 2025-26 में भी कुछ ऐसा ही देखने को मिला, जब कोहली ने दिल्ली के लिए खेलते हुए दमदार प्रदर्शन किया। इस दौरान गुजरात के युवा स्पिनर विशाल ने न सिर्फ कोहली का अहम विकेट लिया, बल्कि मैच के बाद उनसे मिली खास सलाह भी अब सामने आई है, जिसने हर युवा क्रिकेटर को प्रेरित कर दिया है।

विराट कोहली ने इस सीजन विजय हजारे ट्रॉफी में दिल्ली के लिए दो मुकाबले खेले। पहले ही मैच में उन्होंने आंध्र प्रदेश के खिलाफ शानदार शतक जड़कर अपनी क्लास दिखाई। इसके बाद गुजरात के खिलाफ दूसरे मैच में कोहली ने 77 रनों की बेहतरीन पारी खेली। इन दोनों जीतों के साथ दिल्ली की टीम पॉइंट्स टेबल में शीर्ष पर बनी हुई है।

गुजरात के खिलाफ मैच में कोहली एक और शतक की ओर बढ़ते दिख रहे थे। लेकिन पारी के 22वें ओवर में गुजरात के स्पिनर विशाल जायसवाल ने अपनी फिरकी का जादू चलाया और कोहली को स्टंप आउट कर पवेलियन भेज दिया। यह विकेट जायसवाल के करियर का अब तक का सबसे बड़ा पल माना जा रहा है।

मैच खत्म होने के बाद विशाल जायसवाल को विराट कोहली से बातचीत करने का मौका मिला। जब जायसवाल ने उनसे मैच बॉल पर ऑटोग्राफ मांगा, तब कोहली ने उनकी गेंदबाजी की जमकर तारीफ की। जायसवाल के मुताबिक, कोहली ने उनसे कहा, 'अच्छा बॉल डालता है। हार्ड वर्क करता रह। मौका जरूर आएगा, बस धैर्य रख और मेहनत करता रह।' यह शब्द जायसवाल के लिए किसी पुरस्कार से कम नहीं थे। विशाल जायसवाल ने बताया कि उन्होंने विराट कोहली के खिलाफ कोई खास योजना नहीं बनाई थी। उनके लिए सबसे बड़ी चुनौती दबाव को संभालना था। जायसवाल ने कहा कि कोहली जैसे दिग्गज को गेंदबाजी करना ही अपने आप में बड़ा अनुभव है। उन्होंने यह भी बताया कि कोहली ने उन्हें दबाव में शांत रहने, फिटनेस पर ध्यान देने और लगातार मेहनत करने से जुड़े कई टिप्स दिए।

भारतीय टीम का प्रतिनिधित्व करने के लिए पाकिस्तान खिलाड़ी पर बड़ी कार्रवाई, मिली कठोर सजा

कराची **(एजेंसी)**। पाकिस्तान के जाने-माने इंटरनेशनल कबड्डी खिलाड़ी उबैदुल्लाह राजपूत को नेशनल फेडरेशन ने कठोर सजा देते हुए उन्हें अनिश्चित काल के लिए बैन कर दिया है क्योंकि उन्होंने इस महीने की शुरुआत में बहरीन में एक प्राइवेट टूर्नामेंट में भारतीय टीम के लिए खेला था। पाकिस्तान कबड्डी फेडरेशन (पीकेएफ) ने एक इमरजेंसी मीटिंग के बाद यह बैन लगाया। फेडरेशन ने राजपूत को बिना फेडरेशन या दूसरे संबंधित अधिकारियों से जरूरी नो-ऑब्जेक्शन सर्टिफिकेट (एनओसी) लिए विदेश जाकर टूर्नामेंट खेलने का दोषी पाया।

पीकेएफ के सेक्रेटरी राणा सरवर ने कहा कि राजपूत के पास डिसिप्लिनरी कमेटी के सामने अपील करने का अधिकार है। सरवर ने कहा कि फेडरेशन ने इस बात को गंभीरता से लिया कि राजपूत न सिर्फ बिना एनओसी के विदेश गए बल्कि उन्होंने भारत टीम का प्रतिनिधित्व किया, उसकी जर्सी पहनी और एक मैच जीतने के बाद भारतीय झंडा अपने कंधों पर लपेट लिया। सरवर ने कहा, 'लेकिन उसने (राजपूत) दावा किया है कि यह पूरी तरह से गलतफहमी थी और उसे कभी नहीं बताया गया था कि वह जिस टीम के लिए प्राइवेट टूर्नामेंट में खेलेगा, वह भारतीय टीम होगी। लेकिन वह फिर भी एनओसी नियमों का उल्लंघन करने का दोषी है।'

राजपूत तब मुश्किल में पड़ गए जब जीसीसी कप के दौरान भारतीय जर्सी पहने और भारतीय झंडा लहराते हुए उनके वीडियो और तस्वीरें सोशल मीडिया पर वायरल हो गईं। सरवर ने आगे कहा कि एनओसी लिए बिना इस इवेंट में हिस्सा लेने के लिए दूसरे खिलाड़ियों पर भी बैन लगाया गया है और जुर्माना लगाया गया है। राजपूत ने पहले माफी मांगी थी, जिसमें कहा था कि उन्हें बहरीन में टूर्नामेंट में खेलने के लिए बुलाया गया था और उन्हें एक प्राइवेट टीम में शामिल किया गया था।

भारत में जन्मे ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज ने बीबीएल में बिखेरी चमक, एक ओवर में बनाए 24 रन

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। बिग बैश लीग (बीबीएल) 2025-26 में एक नया नाम तेजी से सुर्खियों में आ रहा है जेरिसस वाडिया। भारत में जन्मे और ऑस्ट्रेलिया में क्रिकेटिंग सफर तय कर रहे इस युवा ऑलराउंडर ने बेहद कम समय में अपनी पहचान बना ली है। ब्रिस्बेन के द गाबा में एडिलेड स्ट्राइकर्स और ब्रिस्बेन हीट के बीच खेले गए मुकाबले में वाडिया ने निडर बल्लेबाज़ी से दर्शकों और क्रिकेट विशेषज्ञों का ध्यान खींचा। दबाव भरे हालात में खेली गई उनकी विस्फोटक पारी ने यह साफ कर दिया कि वह भविष्य के लिए एक खास खिलाड़ी साबित हो सकते हैं।

रविवार, 27 दिसंबर को खेले गए इस रोमांचक मुकाबले में 24 वर्षीय जेरिसस वाडिया ने अपने दूसरे ही बीबीएल मैच में बेखौफ अंदाज़ दिखाया। 180 रन के चुनौतीपूर्ण लक्ष्य का पीछा करते हुए उन्होंने महज 16 गेंदों में 34 रन ठोक दिए। उनकी पारी का टर्निंग पॉइंट 15वां ओवर रहा, जिसमें उन्होंने जैक वाइल्डरमुथ की गेंदों पर लगातार तीन छक्के और एक चौका जड़कर 24 रन बटोर लिए। इस आक्रमण ने मैच का माहौल पूरी तरह बदल दिया और दर्शकों को सीट से खड़ा कर दिया। 3 दिसंबर 2001 को भारत में जन्मे जेरिसस वाडिया ने अपने शुरुआती क्रिकेटिंग साल बड़ौदा में एज-ग्रुप क्रिकेट खेलते हुए बिताए। भारतीय मूल के परिवार से ताल्लुक रखने वाले वाडिया की जड़ें मुंबई से जुड़ी हैं, जहां उनके माता-पिता आज भी रहते हैं। क्रिकेट के बेहतर अवसरों की तलाश में वह ऑस्ट्रेलिया चले गए और धीरे-धीरे वहां के सिस्टम में खुद को ढालते चले गए। कोविड-19 महामारी से पहले वाडिया एडिलेड स्ट्राइकर्स के अंडर-19 प्रोग्राम का हिस्सा बने थे, लेकिन महामारी के कारण उनका सफर कुछ समय के लिए थम गया। सीमाएं खुलने के बाद उन्होंने दोबारा एडिलेड लौटकर साउथ ऑस्ट्रेलियन प्रीमियर क्रिकेट में मेहनत शुरू की। 2022-23 सीज़न से उन्होंने एडिलेड, ईस्ट टॉरेंस और टी ट्री गली जैसे क्लबों के लिए खेलते हुए बल्ले और गेंद दोनों से निरंतर प्रदर्शन किया, जिससे चयनकर्ताओं का भरोसा जीतने में सफलता मिली।

अमरीकी कदम पर चीन का बड़ा झटका, 20 कंपनियों पर जड़ा ताला!

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। दुनिया की दो महाशक्तियों के बीच तनाव एक बार फिर चरम सीमा पर पहुंच गया है। मामला ताइवान का है लेकिन इसकी तपिश वाशिंगटन से लेकर बीजिंग तक महसूस की जा रही है। अमरीका ने जैसे ही ताइवान को हथियारों का एक विशाल जखीरा देने का फैसला किया, चीन का गुस्सा 7वें आसमान पर पहुंच गया। चीन ने जवाबी कार्रवाई करते हुए अमरीका की बड़ी-बड़ी डिफैंस कंपनियों के दरवाजे अपने यहां हमेशा के लिए बंद करने का फरमान सुना दिया है। चीन ने जो कदम उठाया है, वह बेहद सख्त और व्यापक है। अमरीका की 20 डिफैंस कंपनियां और 10 बड़े अधिकारी अब चीन की 'ब्लैकलिस्ट' में डाल दिए गए हैं।

इन प्रतिबंधित कंपनियों की लिस्ट में विमान बनाने वाली मशहूर कंपनी बोइंग की सेंट लुइस ब्रांच का नाम सबसे ऊपर है। इसके अलावा नॉर्थ्राप ग्रुम्मन सिस्टम्स कॉर्पोरेशन और एल3 हैरिस मैरीटाइम सर्विसेज जैसी दिग्गज कंपनियों पर भी गाज गिरी है। एक मीडिया चैनल की रिपोर्ट के मुताबिक, चीनी विदेश मंत्रालय ने साफ कर दिया है कि यह सिर्फ कागजी कार्रवाई नहीं है। इन कंपनियों और व्यक्तियों की चीन में मौजूद हर तरह की संपत्ति को फ्रीज (जब्त) कर दिया जाएगा। इसका सीधा मतलब है कि इनका पैसा और प्रॉपर्टी सब ब्लॉक हो जाएगा। साथ ही चीन का कोई भी घरेलू संगठन या व्यक्ति इनके साथ किसी भी तरह का व्यापार नहीं कर सकेगा। सख्ती इतनी ज्यादा है कि डिफैंस फर्म एंडुरिल इंडस्ट्रीज के फाऊंडर और प्रतिबंधित फर्मों के 9 सीनियर एग्जीक्यूटिव्स को अब चीन में एंट्री तक नहीं मिलेगी।

बीते सप्ताह सरसों में गिरावट, सोयाबीन तेल और पाम-पामोलीन में सुधार

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। बीते सप्ताह देश के तेल-तिलहन बाजारों में ऊंचे भाव पर लिवाली प्रभावित रहने से सरसों तेल-तिलहन के दाम में गिरावट देखी गई जबकि साधारण मांग के कारण सोयाबीन तेल-तिलहन सटोरियों द्वारा ऊंचा दाम बोले जाने से कच्चा पामतेल (सीपीओ) एवं पामोलीन तेल में सुधार आया। नमकीन बनाने वाली कंपनियों की फुल्की फुल्की मांग के कारण बिनौला तेल के दाम में भी मामूली सुधार रहा।

सुस्त कामकाज के बीच मूंगफली तेल-तिलहन के दाम अपरिवर्तित रहे। बाजार सूत्रों ने कहा कि सरकार की ओर से सरसों की बिकवाली की जा रही है जो एक उचित कदम है। क्योंकि सरसों का स्टॉक किसानों, सरकारी संस्थाओं और स्टॉकिस्टों के पास बचा है। आगामी फसल भी आने की तैयारी में है और इसकी खरीद करने के लिए पुराने स्टॉक को बाजार में निकालना जरूरी है। सरसों का हाजिर दाम न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) से 7-8 प्रतिशत अधिक है।

सरसों की नयी फसल कुछ समय में बाजार में आना शुरु हो जाएगी है। मात्रा भले ही कम हो पर इसका असर बाजार पर आता है। इन परिस्थितियों के बीच सरसों तेल-तिलहन के दाम समीक्षाधीन सप्ताह में गिरावट दर्शाते बंद हुए। सूत्रों ने कहा कि दूसरी ओर सर्दियों के मौसम में स्थानीय स्तर पर सोयाबीन डी-आयल्ड केक (डीओसी) की मांग बढ़ जाती है। इसके अलावा सूरजमुखी (145 रुपये किलो) के मुकाबले सोयाबीन तेल (लगभग 124 रुपये किलो) सस्ता होने से सोयाबीन तेल की मांग भी है। ऐसे में बीते सप्ताह सोयाबीन तेल-तिलहन के दाम में अपने विगत सप्ताहांत के मुकाबले सुधार आया।

उन्होंने कहा कि पिछले सप्ताहांत के मुकाबले स्थानीय मांग होने से सोयाबीन तेल-तिलहन में सुधार है मगर हकीकत में एमएसपी से मुकाबले सोयाबीन का दाम कमजोर बना हुआ है। अपने एमएसपी वाले दाम पर सोयाबीन का बाजार ही नहीं है। सूत्रों ने कहा कि यही हाल मूंगफली का है क्योंकि इसके एमएसपी के हिसाब से बाजार नहीं है और एमएसपी वाले दाम पर मूंगफली कभी खपेगा नहीं। इस परिस्थिति के बीच मूंगफली तेल-तिलहन के दाम पूर्व सप्ताहांत के स्तर पर ही स्थिर बने रहे।

उन्होंने कहा कि आयातक एक ओर बैंकों में अपना ऋण साखपत्र (लेटर आफ क्रेडिट या एलसी) घुमाने के लिए लागत से कम दाम पर सोयाबीन डीगम तेल काफी समय से बेचना जारी रखे हैं वहीं दूसरी ओर वे अपना आयकर भी दाखिल कर फायदा दिखाते हैं। इस घाटे का सीधा असर यह होगा कि आगे जाकर आयात और घटेगा और इस गिरावट के असर से बाकी तेल-तिलहन भी दवाब में बने रहेंगे। उन्होंने कहा कि यह अजीब विरोधाभास है कि जिस देश में खाद्यतेलों की लगभग 60 प्रतिशत की कमी हो वहां आयातकों को लागत से नीचे दाम पर खाद्यतेल बेचना पड़े। सूत्रों ने कहा कि मलेशिया में सट्टेबाज विगत कुछ कारोबारी सत्रों में पाम-पामोलीन तेल के दाम ऊंचा लगा रहे हैं।

सुस्त कामकाज तथा एमएसपी से काफी नीचा हाजिर दाम रहने के बीच समीक्षाधीन सप्ताह में मूंगफली तेल-तिलहन की कीमतों में स्थिरता देखने को मिली।

सुधारों की नाव पर सवार भारतीय अर्थव्यवस्था, 2025 में दिखी बेजोड़ मजबूती

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। वैश्विक दबाव और सैन्य तनाव के बीच भी भारत की मजबूत आर्थिक उड़ान वर्ष 2025 में भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए ऐतिहासिक साबित हुई है। वैश्विक चुनौतियों, पश्चिमी सीमा पर सैन्य तनाव और अमरीका द्वारा 50 प्रतिशत तक आयात शुल्क लगाए जाने के बावजूद देश की अर्थव्यवस्था मजबूती से आगे बढ़ती नजर आ रही है। प्रत्यक्ष व अप्रत्यक्ष कर सुधारों, सरकार और रिजर्व बैंक के बीच बेहतर तालमेल तथा निरंतर नीतिगत फैसलों के चलते आज भारत के अधिकांश आर्थिक संकेतक सकारात्मक स्थिति में हैं।

बीते दो तिमाहियों में देश की आर्थिक वृद्धि दर औसतन 8 प्रतिशत के आसपास बनी हुई है, जबकि खुदरा महंगाई दशक के निचले स्तर पर पहुंच चुकी है। रिजर्व बैंक ने भी इस वर्ष लगातार नीतिगत ब्याज दरों में कटौती कर विकास को गति दी है। डॉलर के मुकाबले रुपए में गिरावट के बावजूद चालू खाते का घाटा सीमित है और देश का विदेशी मुद्रा भंडार लगभग 700 अरब डॉलर के आसपास मजबूत बना हुआ है।

वैश्विक रेटिंग एजैंसियों ने भारत की आर्थिक स्थिति को सुधारों की निरंतरता और राजकोषीय-मौद्रिक नीति के बेहतर समन्वय का परिणाम बताया है। इसी के चलते चालू वित्त वर्ष में भारत की विदेशी ऋण साख में सुधार किया गया है। भारत वर्तमान में दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है और जल्द ही तीसरे स्थान पर पहुंचने की ओर अग्रसर है। विनिर्माण और सेवा क्षेत्र की मजबूती का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि दोनों क्षेत्रों के पी.एम.आई. सूचकांक 50 से ऊपर बने हुए हैं।

बिग बॉस 19 के विनर गौरव खन्ना की पत्नी डांस की वजह से हुईं ट्रोल, गौरव ने पत्नी आकांक्षा चमोला का बचाव किया

बिग बॉस 19 के विनर गौरव खन्ना की पत्नी आकांक्षा चमोला को हाल ही में एक पार्टी में डांस करते हुए उनके वीडियो के वायरल होने के बाद ऑनलाइन ट्रोलिंग का सामना करना पड़ा। इस घटना पर सोशल मीडिया पर काफी कमेंट्स आए, जिसके बाद खन्ना को इस विवाद पर सफाई देनी पड़ी। वीडियो में चमोला एक सेलिब्रेशन इवेंट में डांस करती हुई दिखीं, जिसे ऑनलाइन सर्कुलेट किया गया और कई यूजर्स ने इस पर नेगेटिव कमेंट्स किए।

ट्रोलिंग चमोला के पार्टी में शामिल होने पर केंद्रित थी, जिसमें ऑनलाइन यूजर्स उनके बर्ताव पर सवाल उठा रहे थे। इसी संदर्भ में, गौरव खन्ना ने स्थिति साफ करने और अपनी पत्नी का बचाव करने के लिए आगे आए। सोशल मीडिया पर कई कमेंट्स में चमोला के डांस मूव्स की आलोचना की गई और सवाल उठाया गया कि क्या उनका व्यवहार उस मौके के लिए सही था।

कुछ यूजर्स ने पर्सनल कमेंट्स किए, जिससे विवाद और बढ़ गया। हालांकि, कुछ लोग सपोर्ट में भी थे, जिन्हें लगा कि आलोचना बेवजह है और चमोला दोस्तों और परिवार के साथ एक खुशी के पल का आनंद ले रही थीं। हंगामास्टूडियो के साथ एक इंटरव्यू में, गौरव ने इस विवाद पर बात की और कहा, 'सबसे पहले, मैं सभी को बताना चाहता हूं कि जिन लड़कियों के साथ आकांक्षा डांस कर रही थीं, वे मेरी पब्लिसिस्ट की टीम मेंबर्स थीं, जिन्होंने बिग बॉस 19 के घर में मेरे रहने के दौरान बहुत मेहनत की थी। यह उनकी सक्सेस पार्टी थी, और हम उनके सेलिब्रेशन का हिस्सा बनने के लिए वहां गए थे। और क्योंकि मुझे ज्यादा डांस करना पसंद नहीं है, इसलिए मेरी पत्नी आकांक्षा को लगा कि उन्हें उनके साथ शामिल होना चाहिए और उस पल को और खास बनाना चाहिए, क्योंकि यह सबकी जीत थी।'

उन्होंने आगे कहा 'उनमें से बहुत से लोग यह भी नहीं जानते कि वह किसके साथ डांस कर रही थी। मैं बस पीछे खड़ा था और उसे एन्जॉय करने दिया क्योंकि आखिरकार यह मेरी टीम की जीत थी। वे ऐसे लोग थे जिन्होंने मेरी गैरमौजूदगी में मेरे लिए कड़ी मेहनत की थी और वे भी एन्जॉय करने के हकदार हैं। जहां तक ट्रोलर्स की बात है, तो मुझे उनसे कोई फर्क नहीं पड़ता क्योंकि मैं समझता हूं कि वे किसी और के फैन हैं। वे भी किसी एजेंडा के साथ काम करते हैं जो इस कपल को नीचे गिराएगा। ताकि हमारा पसंदीदा सेलिब्रिटी बेहतर दिखे।

गौरव ने ऑनलाइन ट्रोलिंग को खारिज करते हुए कहा कि वह सोशल मीडिया यूजर्स की बातों पर ध्यान नहीं देते हैं। उन्होंने यह भी बताया कि उनकी पत्नी एक एक्सट्रोवर्ट हैं, जो उन्हें उनकी यह बात बहुत पसंद है और वह उनसे बहुत प्यार करते हैं। कुछ समय तक डेटिंग करने के बाद, गौरव और आकांक्षा ने 24 नवंबर, 2016 को अपने होमटाउन कानपुर में तीन दिन के शानदार शादी समारोह में शादी कर ली।

'किस किसको प्यार करूं 2' का बॉक्स ऑफिस पर दम घुटने का दर्दः कपिल शर्मा ने 'धुरंधर' पर मढ़ा हार का ठीकरा

लंबे समय के बाद कॉमेडियन कपिल शर्मा की फिल्म 'किस किसको प्यार करूं 2' सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी। दो हफ्ते में फिल्म ने सिर्फ 12 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया है। लेकिन अब बॉक्स ऑफिस पर यह फिल्म गायब हो गई है। इस फिल्म में पत्नी गिन्नी का भी कैमियो दिखाया गया है। दरअसल, 2015 में इस फिल्म का पहला पार्ट आया था, जिसने 49 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया था। अब कपिल शर्मा ने फिल्म को लेकर चुप्पी तोड़ी है। एक्टर-कॉमेडियन ने सीक्वल के खराब परफॉर्मेंस की वजह रणवीर सिंह की 'धुरंधर' के कारण मिली लिमिटेड स्क्रीन्स को बताया है। इस समय रणवीर सिंह की 'धुरंधर', जो 5 दिसंबर को रिलीज हुई थी और इसने 22 दिन में 1000 करोड़ रुपये का आंकड़ा पार कर लिया है। इस फिल्म की कहानी-किरदार-गाने सबने दिल जीत लिया है, अभी इस फिल्म का दबदबा कायम हैं। इसके सामने कोई भी फिल्म टिक नहीं पा रही है।

हाल ही में कपिल शर्मा की टीम ने बयान जारी किया है और कहा है कि फिल्म के मल्टीप्लेक्स में सीमित स्क्रीन उपलब्ध होने के कारण इसके थिएट्रिकल रन पर असर पड़ा है। कपिल शर्मा अपनी लोकप्रिय फिल्म के सीक्वल के साथ दर्शकों को नॉस्टैल्जिया में ले जाना चाहते थे। फिल्म को दर्शकों और क्रिटिक्स, दोनों से पॉजिटिव रिस्पॉन्स मिला। हालांकि दूसरी फिल्मे के कारण लिमिटेड स्क्रीन मिलने के कारण इसके थिएट्रिकल रन पर काफी असर पड़ा। इन चुनौतियों बावजूद, इस फिल्म ने अपनी कॉमेडी से दर्शकों को हंसाने और उनको एंटरटेन किया।'

ऐसे में कहा जा रहा है कि मेकर्स इस मूवी को जनवरी 2026 में फिर से रिलीज करने की घोषणा की है। 'किस किसको प्यार करूं 2' में कपिल फिर से 4 शादियों को सम्भालते हुए दिखाई देंगे। लेकिन इसकी डेट नहीं बताई गई है। अब जल्द ही थिएटर्स में री-रिलीज होगी 'किस किसको प्यार करूं 2'। बता दें कि, इस फिल्म के डायरेक्टर अनुकल्प गोस्वामी हैं। 'किस किसको प्यार करूं 2' में मनजोत सिंह, हीरा वारिना, त्रिधा चौधरी, पारुल गुलाटी और आयशा खान मुख्य रोल में हैं।

इस फिल्म की कलेक्शन की बात करें, तो सैकनिल्क के मुताबिक, भारत में इसकी कुल कमाई (नेट कलेक्शन) 13वें दिन तक 11.89 करोड़ हुई है। इसके अलावा, ग्रॉस कलेक्शन 14 करोड़ रुपये है। ओवरसीज कलेक्शन 1.75 करोड़ रुपये और वर्ल्डवाइड कलेक्शन 15.75 करोड़ रुपये है।

दिग्विजय सिंह के पोस्ट से कांग्रेस में हलचल 'आरएसएस प्रेम' पार्टी में पर छिड़ी जंग

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। कांग्रेस के दिग्गज नेता दिग्विजय सिंह के एक सोशल मीडिया पोस्ट ने पार्टी के अंदर नया संकट खड़ा कर दिया है। शनिवार को सिंह ने बीजेपी और आरएसएस की कार्यशैली की तारीफ की, जिसे पार्टी के भीतर आपसी कलह और असंतोष के रूप में देखा जा रहा है।

दिग्विजय सिंह ने सोशल मीडिया पर एक फोटो शेयर की, जिसमें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, बीजेपी के वरिष्ठ नेता लालकृष्ण आडवाणी के पास फर्श पर बैठे नजर आ रहे हैं। इस फोटो के साथ सिंह ने लिखा कि बीजेपी और आरएसएस में जमीनी स्तर के कार्यकर्ताओं को संगठन के शीर्ष पदों (मुख्यमंत्री और प्रधानमंत्री) तक पहुंचने का मौका मिलता है।

हालांकि, जब इस पर हंगामा बढ़ा तो सिंह ने सफाई दी कि वे आरएसएस की विचारधारा के कट्टर विरोधी हैं। लेकिन तब तक पार्टी के अंदर बहस छिड़ चुकी थी।

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने दिग्विजय सिंह का नाम लिए बिना उन पर निशाना साधा। खड़गे ने कहा, 'हमारी ताकत कम हो सकती है, लेकिन हमारी रीढ़ कमजोर नहीं है। हम धर्म के नाम पर वोट नहीं मांगते।' उन्होंने आगे कहा कि आरएसएस नेताओं ने एक समय तिरंगे तक को स्वीकार करने से मना कर दिया था और अब वे लोगों के अधिकारों को कुचल रहे हैं।

पार्टी के अन्य बड़े नेताओं ने इस मुद्दे पर अलग-अलग राय दी है। पवन खेड़ा ने दिग्विजय सिंह के विश्लेषण को सिरे से खारिज करते हुए कहा कि नाथूराम गोडसे के समर्थक कभी गांधी के समर्थक नहीं हो सकते।

सुप्रिया श्रीनेत ने कड़े शब्दों में कहा कि कांग्रेस को आरएसएस जैसे संगठन से कुछ भी सीखने की जरूरत नहीं है। दूसरी ओर, सचिन पायलट ने बीच-बचाव करते हुए कहा कि कांग्रेस पूरी तरह एकजुट है। उन्होंने कहा कि पार्टी में अपनी राय रखने की आजादी है और उनका एकमात्र लक्ष्य खड़गे और राहुल गांधी को मजबूत करना है।

सलमान खुर्शीद ने भी सिंह का बचाव किया। उन्होंने कहा कि आरएसएस क्या हासिल कर पाया है, यह उसका एक व्यावहारिक आकलन मात्र था, इसका मतलब यह नहीं कि वे पार्टी नेतृत्व के साथ नहीं हैं।

देहरादून में 'चीनी' कहकर छात्र को चाकुओं से गोदा, इलाज के दौरान मौत, पूर्वोत्तर में उबाल

देहरादून **(एजेंसी)**। उत्तराखंड की राजधानी देहरादून में एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है। त्रिपुरा के 24 वर्षीय एमबीए छात्र एंजेल चकमा की नस्लीय हमले में घायल होने के दो हफ्ते बाद मौत हो गई। इस घटना ने उत्तर-पूर्व भारत के राज्यों में भारी आक्रोश पैदा कर दिया है। इस मामले में पुलिस ने अब तक पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया है।

यह घटना 9 दिसंबर की शाम देहरादून के सेलाकुई इलाके के एक स्थानीय बाजार में हुई। एंजेल चकमा और उनका छोटा भाई माइकल चकमा बाजार गए थे, तभी बदमाशों के एक गुट ने उन पर नस्लीय टिप्पणियां शुरू कर दीं। हमलावरों ने उन्हें बार-बार 'चीनी' कहकर चिढ़ाया।

एंजेल के भाई माइकल के अनुसार, एंजेल ने हमलावरों को मजबूती से जवाब देते हुए कहा

था, 'हम चीनी नहीं, भारतीय हैं। हमें यह साबित करने के लिए कौन सा सर्टिफिकेट दिखाना होगा?' इस बहस के बाद बदमाशों ने चाकू और अन्य धारदार हथियारों से दोनों भाइयों पर जानलेवा हमला कर दिया। एंजेल चकमा को गंभीर हालत में ग्राफिक एरा अस्पताल में भर्ती कराया गया था, जहां 17 दिनों तक जिंदगी की जंग लड़ने के बाद शुक्रवार (26 दिसंबर) को उन्होंने दम तोड़ दिया। उनकी मौत के बाद पुलिस ने मामले में हत्या की धाराएं जोड़ दी हैं।

एसपी प्रमोद कुमार ने बताया कि पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज और चश्मदीदों के आधार पर अब तक पांच आरोपियों को पकड़ा है। गिरफ्तार आरोपियों अविनाश नेगी, सूरज खवास और सुमित को जेल भेज दिया गया है। दो आरोपी नाबालिग है, इसलिए उन्हें सुधार गृह भेजा गया है।

पुलिस ने बताया, एक मुख्य आरोपी, जो नेपाल का रहने वाला है, फिलहाल फरार है। पुलिस ने उसकी गिरफ्तारी पर 25, 000 रुपये का इनाम घोषित किया है।

त्रिपुरा के मुख्यमंत्री डॉ. माणिक साहा ने उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी से फोन पर बात की है। साहा ने सोशल मीडिया पर जानकारी दी कि उन्हें सख्त कार्रवाई का आश्वासन मिला है। उन्होंने पीड़ित परिवार को ढांढस बंधाते हुए कहा कि दोषियों को किसी भी कीमत पर बख्शा नहीं जाएगा और न्याय सुनिश्चित किया जाएगा।

राष्ट्रीय राजधानी में 20 हजार जवान संभालेंगे नए साल का मोर्चा

नियमों का उल्लंघन करने पर होगी कठोर कार्रवाई

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। नए साल के स्वागत के लिए राष्ट्रीय राजधानी पूरी तरह तैयार है, लेकिन इस दौरान सुरक्षा और कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए दिल्ली पुलिस ने विशेष इंतजाम किए हैं। शनिवार को पुलिस अधिकारियों ने बताया कि शराब पीकर गाड़ी चलाने और यातायात नियमों का उल्लंघन करने वालों पर इस बार कड़ी नजर रखी जाएगी।

नए साल की पूर्व संध्या पर दिल्ली की सड़कों, बाजारों और मॉल के आसपास दिल्ली पुलिस, ट्रैफिक पुलिस और अर्धसैनिक बलों के लगभग 20, 000 जवान तैनात रहेंगे।

हरियाणा और उत्तर प्रदेश से आने वाली भीड़ को देखते हुए दिल्ली की सीमाओं पर सुरक्षा बढ़ा दी गई है। प्रवेश द्वारों पर हर वाहन की जांच की जाएगी।

कनॉट प्लेस, हौज खास और प्रमुख शॉपिंग मॉल्स के आसपास विशेष नाकेबंदी की गई है। रणनीतिक स्थानों पर त्वरित प्रतिक्रिया टीमें तैनात रहेंगी।

ट्रैफिक पुलिस ने खतरनाक ड्राइविंग और स्टंटबाजी रोकने के लिए सख्त योजना बनाई है। शराब पीकर गाड़ी चलाने वालों की पहचान के लिए पुलिस बड़े पैमाने पर ब्रेथ एनालाइजर का इस्तेमाल करेगी। अधिकारियों ने साफ किया है कि शराब पीकर वाहन चलाने या खतरनाक स्टंट करने पर वाहन को तुरंत जब्त कर लिया जाएगा। कनॉट प्लेस के 'इनर सर्कल' में केवल वैध स्टिकर वाले वाहनों को ही प्रवेश की अनुमति मिलेगी।

सुरक्षा के मद्देनजर पुलिस होटल, गेस्ट हाउस और रैन बसेरों की लगातार चेकिंग कर रही है। बस स्टैंड और रेलवे स्टेशनों पर भी विशेष अभियान चलाया जा रहा है ताकि किसी भी संदिग्ध व्यक्ति या गतिविधि की पहचान की जा सके। सभी थाना प्रभारियों को पूरी रात सड़कों पर रहने के निर्देश दिए गए हैं।

अदाणी की जीवन यात्रा मेहनती युवाओं के लिए प्रेरणा है : पवार

मुम्बई **(एजेंसी)**। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरदचंद्र पवार) प्रमुख शरद पवार ने रविवार को कहा कि उद्योगपति गौतम अदाणी की जीवन यात्रा बड़े सपने देखने वाले मेहनती युवाओं के लिए प्रेरणास्रोत है। पवार ने पुणे जिले के बारामती में शरदचंद्र पवार कृत्रिम मेधा उत्कृष्टता केंद्र के उद्घाटन कार्यक्रम को संबोधित किया।

अदाणी समूह के अध्यक्ष द्वारा वित्त पोषित यह उत्कृष्टता केंद्र पवार परिवार द्वारा संचालित शिक्षण संस्थान विद्या प्रतिष्ठान के अंतर्गत स्थापित किया गया है। शरद पवार ने कहा कि अदाणी गुजरात के सूखा-प्रभावित बनासकांठा जिले से आते हैं। वह मुंबई आए और बिल्कुल शून्य से शुरुआत की तथा आज उनका व्यवसाय देश के 23 राज्यों में फैला हुआ है।

उन्होंने कहा, ''अदाणी का यह सफर मेहनती युवाओं के लिए प्रेरणा है, जो बड़े सपने देखते हैं।'' अदाणी ने शरद पवार को अपना मार्गदर्शक बताते हुए कहा कि वरिष्ठ नेता ने जमीनी हकीकत को राष्ट्रीय एजेंडे के साथ सफलतापूर्वक जोड़ा है।

उन्होंने कहा, ''बारामती परिवर्तन और असीम संभावनाओं का प्रतीक है, जो उनके दूरदर्शी नेतृत्व के कारण संभव हुआ है।'' इस अवसर पर राकांपा (शप) प्रमुख शरद पवार, बारामती से सांसद सुप्रिया सुले, महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार, उनकी पत्नी और राज्यसभा सदस्य सुनेत्रा पवार तथा पवार परिवार के अन्य सदस्य उपस्थित रहे। राकांपा (शप) के विधायक रोहित पवार और विद्या प्रतिष्ठान के कोषाध्यक्ष युगेंद्र पवार भी कार्यक्रम में मौजूद थे। अदाणी इससे पहले पवार परिवार के गृह नगर बारामती में 2022 में गए थे जहां उन्होंने विज्ञान एवं नवोन्मेष गतिविधि केंद्र के उद्घाटन समारोह में भाग लिया था। पवार और अदाणी के बीच संबंध लगभग दो दशक पुराने हैं।

दुनिया में मची हलचल, कम स्पर्म काउंट वालों में मौत का खतरा ज्यादा : स्टडी

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। अब तक पुरुषों की प्रजनन क्षमता या फर्टिलिटी को केवल पिता बनने की काबिलियत से जोड़कर देखा जाता था लेकिन अमेरिका के यूटा विश्वविद्यालय द्वारा की गई एक नई और विशाल स्टडी ने विज्ञान की दुनिया में हलचल मचा दी है। इस शोध के अनुसार पुरुषों के स्पर्म (शुक्राणु) की गुणवत्ता केवल उनकी फर्टिलिटी का पैमाना नहीं है बल्कि यह उनके पूरे परिवार की सेहत और 'लाइफ एक्सपेक्टेंसी' (जीवन प्रत्याशा) का एक बड़ा संकेत हो सकता है।

यह शोध यूटा पॉपुलेशन डेटाबेस के माध्यम से किया गया जिसमें 1996 से 2017 के बीच स्पर्म टेस्ट कराने वाले पुरुषों और उनके तीन पीढ़ियों के लगभग 6.6 लाख रिश्तेदारों के डेटा का विश्लेषण किया गया। रिसर्चर्स ने पुरुषों को तीन श्रेणियों में बांटकर अध्ययन किया।

रिसर्च के नतीजे बताते हैं कि जिन पुरुषों का स्पर्म काउंट कम था उनके नजदीकी रिश्तेदारों (माता-पिता, भाई-बहन और बच्चे) में समय से पहले मौत का जोखिम उन परिवारों की तुलना में अधिक पाया गया जिनके पुरुषों का स्पर्म काउंट सामान्य था।

स्टडी के अनुसार इस खतरे का असर उम्र के अलग-अलग पड़ाव पर अलग दिखा। न्यूरोलॉजिकल (दिमाग से जुड़ी) और जन्मजात बीमारियों के कारण मृत्यु दर का जोखिम थोड़ा अधिक पाया गया। लाइफस्टाइल से जुड़ी बीमारियों जैसे डायबिटीज, चोटों और मेटाबॉलिक सिंड्रोम के कारण स्वास्थ्य बिगड़ने का खतरा ज्यादा दिखा।

वैज्ञानिकों का मानना है कि इसके पीछे तीन बड़े कारण हो सकते हैं। कुछ आनुवंशिक कमियां जो फर्टिलिटी को प्रभावित करती हैं वही परिवार के अन्य सदस्यों में गंभीर बीमारियों का कारण भी बन सकती हैं। एक ही घर में रहने के कारण प्रदूषण, रसायनों और हानिकारक तत्वों का प्रभाव पूरे परिवार पर पड़ता है। खानपान की गलत आदतें और तनाव जो स्पर्म की गुणवत्ता घटाते हैं वही परिवार के बाकी लोगों में भी बीमारियां फैलाते हैं।

यह रिसर्च यह संदेश देती है कि यदि किसी पुरुष को फर्टिलिटी से जुड़ी समस्या है, तो उसे केवल एक प्रजनन समस्या न मानकर पूरे परिवार के स्वास्थ्य के प्रति सचेत हो जाना चाहिए। समय पर हेल्थ चेकअप, अच्छा खानपान और सक्रिय जीवनशैली अपनाकर इस जोखिम को कम किया जा सकता है।

ताइवान के तट पर 6.6 तीव्रता का भूकंप, बड़े नुकसान की सूचना नहीं

ताइपे **(एजेंसी)**। ताइवान के उत्तर-पूर्वी तट के पास शनिवार रात 6.6 तीव्रता का भूकंप आया। अमेरिकी भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण ने यह जानकारी दी। अमेरिकी भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण ने बताया कि भूकंप के झटके स्थानीय समयानुसार रात 11:05 बजे महसूस किए गए।

उसने बताया कि भूकंप का केंद्र तटीय शहर यिलान से 32 किलोमीटर दूर 70 किलोमीटर की गहराई में था और इसके झटके राजधानी ताइपे सहित पूरे द्वीप पर महसूस किए गए।

हालांकि, भूकंप के कारण फिलहाल जानमाल के किसी बड़े नुकसान की कोई सूचना नहीं है। यिलान काउंटी के एक निवासी ने बताया कि कैसे इमारत तेजी से हिलने लगी। उन्होंने कहा, 'यह कुछ देर तक हिलती रही। फिर मैं बाहर भागा, लेकिन ज्यादातर लोग बाहर नहीं भागे। मैं बहुत डरा हुआ था।' ताइवान के राष्ट्रपति विलियम लाई चिंग-ते ने एक सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में लोगों से भूकंप के बाद के संभावित झटकों के प्रति सतर्क रहने का आग्रह किया।

बांग्लादेश में चुनाव से पहले बिखरी एनसीपी, छात्र पार्टी में रातों रात बगावत! दो बड़े चेहरों ने छोड़ा साथ

ढाका **(एजेंसी)**। बांग्लादेश में फरवरी में होने वाले चुनाव से पहले जमात-ए-इस्लामी के साथ प्रस्तावित गठबंधन को लेकर छात्रों के नेतृत्व वाली नेशनल सिटिजन पार्टी (एनसीपी) में रातों रात आंतरिक फूट उभर आई। दरअसल, पार्टी के 30 नेताओं ने इस योजना का विरोध करते हुए एक संयुक्त पत्र जारी किया है जबकि दो वरिष्ठ सदस्यों ने अपने इस्तीफे की घोषणा कर दी है। एनसीपी, स्टूडेंट्स अगेंस्ट डिस्क्रिमिनेशन (एसएडी) का एक बड़ा राजनीतिक धड़ा है। एसएडी ने पिछले वर्ष हुए हिंसक आंदोलन का नेतृत्व किया था, जिसे 'जुलाई विद्रोह' कहा जाता है।

इस आंदोलन के परिणामस्वरूप तत्कालीन प्रधानमंत्री शेख हसीना की अवामी लीग सरकार सत्ता से बाहर हो गई थी। एनसीपी फरवरी में अंतरिम सरकार के प्रमुख मोहम्मद यूनुस के समर्थन से एक राजनीतिक दल के रूप में उभरी। ज्ञापन पर हस्ताक्षर करने वाले पहले व्यक्ति और एनसीपी के संयुक्त सदस्य-सचिव मुशफिक उस सलीहीन ने शनिवार रात पत्रकारों को बताया कि उन्होंने ''जुलाई विद्रोह की जवाबदेही और पार्टी मूल्यों के संदर्भ में संभावित गठबंधन पर सैद्धांतिक आपत्तियां'' शीर्षक वाला ज्ञापन पार्टी संयोजक नाहिद इस्लाम को भेज दिया है। ज्ञापन में जमात के साथ गठबंधन को लेकर गंभीर चिंताएं जताई गई हैं और कहा गया है कि यह पार्टी की घोषित विचारधारा, 'जुलाई विद्रोह' पर उसके रुख और लोकतांत्रिक नैतिकता के विपरीत है।

इसमें जमात के विवादास्पद राजनीतिक इतिहास की ओर भी इशारा किया गया है, विशेष रूप

से बांग्लादेश की स्वतंत्रता के विरुद्ध उसकी भूमिका तथा 1971 के मुक्ति संग्राम के दौरान नरसंहार और अपराध में कथित सहयोग की ओर इशारा किया गया है। ज्ञापन में कहा गया है कि ये बातें बांग्लादेश की लोकतांत्रिक भावना और एनसीपी के मूल मूल्यों से मेल नहीं खाती।

ज्ञापन में यह चेतावनी दी गई है कि जमात के साथ प्रस्तावित गठबंधन एनसीपी की राजनीतिक विश्वसनीयता और जनता के विश्वास को कमजोर करेगा, जिससे ''हमारे कई कार्यकर्ताओं और समर्थकों, विशेषकर युवा पीढ़ी और नयी राजनीति का समर्थन करने वाले आम नागरिकों'' में भ्रम और निराशा पैदा होगी। यह ज्ञापन उस समय सार्वजनिक हुआ जब ण्इ की वरिष्ठ संयुक्त सदस्य-सचिव तसनीम जारा ने शनिवार शाम अपने पद से इस्तीफा दे दिया और घोषणा की कि वह राजधानी ढाका की एक संसदीय सीट से निर्दलीय उम्मीदवार के रूप में चुनाव लड़ेंगी।

जारा ने फेसबुक पोस्ट में कहा, ''वर्तमान राजनीतिक परिस्थितियों को देखते हुए मैंने किसी भी विशेष पार्टी या गठबंधन के उम्मीदवार के रूप में चुनाव नहीं लड़ने का निर्णय लिया है।'' हालांकि उन्होंने यह स्पष्ट नहीं किया कि उनका इस्तीफा जमात के साथ प्रस्तावित गठबंधन से जुड़ा है या नहीं, लेकिन अखबारों की खबरों में कहा गया है कि उनके पति और पार्टी के संयुक्त संयोजक खालिद सैफुल्लाह ने भी संगठन छोड़ दिया है।

अखबार 'इत्तेफाक' ने शनिवार को बताया था कि एनसीपी की अधिकतर महिला नेता जैसे वरिष्ठ संयुक्त संयोजक समता शरमिन, वरिष्ठ सदस्य-सचिव नाहिद सरवार नीवा, संयुक्त संयोजक तजनुवा जाबिन और संयुक्त सदस्य-सचिव नुसरत तबस्सुम जमात या किसी भी धर्म-आधारित पार्टी के साथ गठबंधन के खिलाफ हैं और उन्होंने पार्टी के सामने अपनी आपत्तियां दर्ज कराई हैं। हालांकि, ज्ञापन पर हस्ताक्षर करने वालों में अधिकतर एनसीपी के पुरुष सदस्य हैं।

म्यांमार चुनाव 2025 : लोकतंत्र का दिखावा? बंदूकों के साये में हो रहे मतदान पर उठा सवाल

नाएप्यीडॉ **(एजेंसी)**। म्यांमार में सैन्य तख्तापलट के पांच साल बाद रविवार को कड़ी सुरक्षा और पाबंदियों के बीच मतदान शुरू हुआ। जहां सत्ताधारी सैन्य जुंटा इसे 'लोकतंत्र की वापसी' बता रहा है, वहीं विपक्षी दलों और अंतरराष्ट्रीय समुदाय ने इसे एक 'दिखावा' करार दिया है।

देश की सबसे बड़ी नागरिक नेता आंग सान सू की अभी भी 27 साल की सजा काट रही हैं। उनकी पार्टी को भंग कर दिया गया है और वह इस चुनाव का हिस्सा नहीं है।

2020 के चुनावों में जहां लंबी कतारें लगी थीं, वहीं इस बार मतदान केंद्रों पर सन्नाटा पसरा रहा। यांगून और मांडले जैसे बड़े शहरों में वोटरों से ज्यादा सुरक्षाकर्मी और पत्रकार नजर आए।

देश गृह युद्ध की चपेट में है। विद्रोही समूहों के कब्जे वाले इलाकों में मतदान नहीं हो रहा है। सेना ने खुद माना है कि निचले सदन की लगभग 20इ सीटों पर चुनाव कराना संभव नहीं है।

संयुक्त राष्ट्र और पश्चिमी देशों ने इस चुनावी प्रक्रिया की कड़ी निंदा की है। मानवाधिकार प्रमुख वोल्कर तुर्क के अनुसार, यह चुनाव 'हिंसा और दमन' के माहौल में हो रहा है। जुंटा सरकार ने चुनाव का विरोध करने या आलोचना करने के आरोप में 200 से अधिक लोगों पर मुकदमा चलाया है।

यांगून के एक केंद्र पर वोट देने

पहुंचे 63 वर्षीय बो सॉ ने कहा, 'हमारी पहली प्राथमिकता शांति और सुरक्षा बहाल करना होनी चाहिए।'

वहीं, जंगलों में छिपे विद्रोही समूहों और विस्थापित लोगों में भारी गुस्सा है। हवाई हमलों से बचकर भाग रही 40 वर्षीय मो मो म्यिंट ने कहा, 'जब इस सेना ने हमारी जिंदगी बर्बाद कर दी है, तो हम उनके चुनाव का समर्थन कैसे कर सकते हैं? यह चुनाव कभी निष्पक्ष नहीं हो सकता।'

विशेषज्ञों का मानना है कि यह चुनाव सैन्य समर्थक 'यूनियन सॉलिडेरिटी एंड डेवलपमेंट पार्टी' को सत्ता दिलाने का एक जरिया है। इसे 'मार्शल लॉ' को नया रूप देने की कोशिश कहा जा रहा है। सैन्य प्रमुख मिन आंग हलिंग ने इसे सुलह का रास्ता बताया है, लेकिन विपक्षी गुटों ने साफ कर दिया है कि वे अपनी लड़ाई जारी रखेंगे।

बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री खालिदा जिया की हालत 'बेहद गंभीर': चिकित्सक

ढाका **(एजेंसी)**। बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री एवं बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) की अध्यक्ष खालिदा जिया की हालत 'बेहद नाजुक' बनी हुई है। उनके निजी चिकित्सक ने यह जानकारी दी। कई स्वास्थ्य जटिलताओं से जूझ रही 80 वर्षीय खालिदा जिया 23 नवंबर से ढाका के 'एवरकेयर' अस्पताल में उपचाराधीन हैं और उन्हें 11 दिसंबर को वेंटिलेटर पर रखा गया था। डॉ. ए.जेड.एम. जाहिद ने शनिवार को मध्यरात्रि के बाद एवरकेयर अस्पताल के बाहर बिना पूर्व सूचना के आयोजित एक संवाददाता सम्मेलन में कहा, 'यह नहीं कहा जा सकता कि उनकी हालत में सुधार हुआ है। फिलहाल उनकी हालत बेहद नाजुक बनी हुई है।'' समाचार पोर्टल बीडीन्यूज24डॉटकॉम की खबर के अनुसार, डॉ. जाहिद ने देशवासियों से खालिदा जिया के शीघ्र स्वस्थ होने के लिए प्रार्थना करने की अपील भी की। उन्होंने कहा, 'अगर अल्लाह की रहमत से वह इस नाजुक दौर से बाहर निकल जाती हैं, तो हमें कुछ सकारात्मक खबर सुनने को मिल सकती है।'

पार्टी सदस्यों के मुताबिक, खालिदा जिया के बेटे एवं बीएनपी के कार्यवाहक अध्यक्ष तारिक रहमान ने अस्पताल में दो घंटे से अधिक समय बिताया और आधी रात के आसपास रवाना हुए। स्थानीय और विदेशी दोनों चिकित्सक उनकी देखभाल में लगे हैं। उनकी बहू डॉ. जुबैदा रहमान भी उपचार प्रक्रिया में सक्रिय रूप से भाग ले रही हैं।

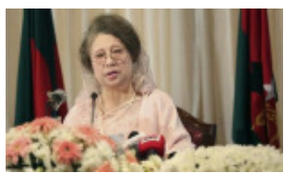

ग्लैमर से विद्रोह तक बार्डो युग का अंत मशहूर अभिनेत्री ब्रिजिट का 91 की उम्र में निधन

पेरिस **(एजेंसी)**। फ्रांस की दिग्गज अभिनेत्री, 1960 के दशक की अंतरराष्ट्रीय सेक्स सिंबल और बाद में उग्र पशु-अधिकार कार्यकर्ता बनीं ब्रिजिट बार्डो का 91 वर्ष की उम्र में निधन हो गया। वह दक्षिणी फ्रांस स्थित अपने घर में मृत पाई गईं। उनके निधन की पुष्टि ब्रिजिट बार्डो फाउंडेशन ने की है। मौत के कारण का खुलासा नहीं किया गया है। ब्रिजिट बार्डो ने 1956 में आई फिल्म 'एंड गॉड क्रिएटेड वुमन' से वैश्विक ख्याति प्राप्त की। फिल्म में उनके बोल्ड दृश्य और विद्रोही अंदाज़ ने उस दौर की सामाजिक नैतिकताओं को झकझोर दिया। सुनहरे बाल, आत्मविश्वासी चाल और बिंदास व्यक्तित्व ने उन्हें 20वीं सदी की सबसे प्रभावशाली महिला कलाकारों में शामिल कर दिया।

1969 में बार्डो का चेहरा फ्रांस की राष्ट्रीय प्रतीक 'मैरीएन' के रूप में चुना गया। उनके चेहरे वाली प्रतिमाएं, टिकटें और सिक्के पूरे फ्रांस में दिखाई दिए। हालांकि 39 वर्ष की उम्र में उन्होंने अचानक फिल्मी दुनिया छोड़ दी और खुद को पूरी तरह पशु-अधिकार आंदोलन को समर्पित कर दिया। उन्होंने सील शिकार, पशु परीक्षण, बंदरों को अंतरिक्ष भेजने और पारंपरिक पशु खेलों के खिलाफ वैश्विक स्तर पर आवाज़ उठाई। 1985 में उन्हें फ्रांस का सर्वोच्च

सम्मान लीजन ऑफ ऑनर भी मिला।

लेकिन बाद के वर्षों में उनके अति-दक्षिणपंथी राजनीतिक विचार, मुस्लिम समुदाय और अप्रवासियों पर दिए गए बयानों ने उन्हें विवादों में घेर लिया। नस्लीय घृणा भड़काने के मामलों में उन्हें कई बार सजा भी हुई। क्ष्शऊदद आंदोलन के दौरान दिए गए उनके बयानों ने भी तीखी आलोचना झेली। उन्होंने कहा था कि फिल्म इंडस्ट्री में उत्पीड़न के आरोप 'अतिशयोक्तिपूर्ण' हैं। ब्रिजिट बार्डो का जीवन चमक, संघर्ष, विद्रोह, करुणा और विवादों का अनोखा मिश्रण रहा। वे सिनेमा की दुनिया से भले ही दूर चली गईं, लेकिन इतिहास में हमेशा एक प्रभावशाली और बहस छेड़ने वाली शख्सियत के रूप में याद की जाएंगी।

Facebook: https://www.facebook.com/profile.php?id=100063787346044 Twitter: https://twitter.com/mantrabharat?t=8tJONQ7H-h6EKqqap2tVMw&s=08 Mobile No: 7007837917

मंत्र भारत : R.N.I. UPHIN/2012/52437 स्वात्वाधिकारी राकेश शर्मा के लिए राकेश शर्मा द्वारा श्री बालाजी प्रिंटर्स टिकरी, कमला नगर, प्रयागराज से मुद्रित एवं 80-ए मेहदौरी, तेलियरगंज, प्रयागराज-211004 से प्रकाशित एवं सम्पादित।
● सम्पादक विनीता शर्मा ● मोबाइल : 9415975437, 7007837917, 9415223357 ● E-Mail : editormantrabharat@gmail.com ● वैधानिक सूचनाः- मंत्र भारत से संबंधित समस्त विवाद निपटारे का क्षेत्र प्रयागराज न्यायालय होगा।